



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 5]

नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 4, 1978 (माघ 15, 1899)

No. 5] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 4, 1978 (MAGHA 15, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएँ

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

प्रबंधन निदेशालय

विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम

नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1977

सं. ए०-११/३२/७७ —श्री बी० सी० गुहा, महायक
प्रबंधकारी, कलकत्ता क्षेत्रीय कार्यालय को दिनांक 4-11-
77 से अगले आदेशों तक के लिए कलकत्ता क्षेत्रीय कार्यालय में
प्रबंधकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न के रूप
में नियुक्त किया जाता है।

जे० ए० अरोड़ा,
उप निदेशक (प्रशासन)

एतद्वारा, पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस के अधिकारी तथा
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, कलकत्ता शाखा के पुलिस निरीक्षक
श्री सुनील कुमार धोप को दिनांक 23-11-77 के पूर्वाह्न से अगले
आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना
में अस्थायी रूप से स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में
नियुक्त करते हैं।

सं. ए० 19014/1/78-प्रशासन-५—गृह मंत्रालय से
स्थानान्तरण हो जाने पर श्री ए० के० हूह, अवृत्त सचिव, गृह
मंत्रालय ने दिनांक 31/12/77 के अपराह्न से अगले आदेश तक
के लिये केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, मुख्यालय, नई दिल्ली में प्रशासनिक
अधिकारी के पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

विजयपाल पाण्डे,
प्रशासन अधिकारी

गृह मंत्रालय
(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1978

सं. ए० 19036/16-प्रशासन-५—निदेशक, केन्द्रीय
अन्वेषण व्यूरो एंड पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना,
1—446GI/77

(499)

महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल
नई दिल्ली-110001, दिनांक 16 जनवरी 1978
सं. O-II-1042/76-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय
रिजर्व पुलिस दल ने डाक्टर निभारण मोहन्ती को 7-1-1978

पूर्वाह्नि से केवल 3 माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 18 जनवरी 1978

सं० O-II-1032/75-स्थाना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल ने डाक्टर श्रीमती ज्योत्स्नामाई नाथक की 11-1-1978 के पूर्वाह्नि से केवल 3 माह के लिये, अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय
केन्द्रीय श्रीग्रीगिक सुरक्षाबल
नई दिल्ली-24, दिनांक 11 जनवरी 1978

सं० ई०-38013 (3) / 15/77-कार्मिक—हैदराबाद से स्थानांतरित होने पर, श्री जे० गोप्स ने श्री पी० ए० पण्डारकर, सहायक कमांडेंट के स्थान पर, 22 दिसम्बर, 1977 के पूर्वाह्नि से के० श्रौ० सु० ब० शूप मुख्यालय बम्बई में सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। श्री पी० ए० पण्डारकर, सहायक कमांडेंट ने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ली० सिं० बिष्ट,
महानिरीक्षक

वित्त मंत्रालय
आधिक कार्य विभाग
बैंक नोट मुद्रणालय
देवास, दिनांक 15 जनवरी 1978

फा० सं० वी० एन० पी०/ सी०/ 23/77—इस कार्यालय को समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 13-10-77 के अनुक्रम में श्री ए० सं० के० माधुर, उप-नियन्त्रण अधिकारी के पद पर तदर्थ आवार पर की गई नियुक्ति दिनांक 19-1-78 पूर्वाह्नि से 3 माह की अवधि तक या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, निरन्तर की जाती है।

पी० एस० शिवराम
महाप्रबंधक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी 1978

क्रमांक का० आ० सं० प्रशासन-1/603—अधिसूचना सं० प्रशासन-1/ पी० ए०/ आ० के० आनन्द/ का० आ० 00546/ 194 दिनांक 19-12-77 में आंशिक संशोधन।

वार्धक्य की आयु पूरी होने के फलस्वरूप श्री आर० के० आनन्द उपमहालेखाकार का कार्यभार महालेखाकार केन्द्रीय राजस्व के कार्यालय में संभाले हुए सरकारी सेवा से 30 नवम्बर, 1977 के अपराह्न से सेवा निवृत्त किया जाता है।

उनकी जन्म तिथि 8-11-1919 है।

सं० प्रशासन-1/5-5/पदोन्नति/ का० आ० 598/ 2121—वार्धक्य निवर्तन की आयु पूरी कर लेने के परिणामस्वरूप हस कार्यालय के लेखा अधिकारी श्री डी० बी० बोषाल 31 दिसम्बर, 1977 के अपराह्न में सरकारी सेवा में सेवा निवृत्त हो गए हैं।

उनकी जन्म तिथि 30-12-1919 है।

की० टिं० छाया,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार विहार का कार्यालय

रांची-2, दिनांक 13 जनवरी 1978

सं० स्था० -1-ओ० डी० 41478—महालेखाकार विहार रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री चन्द्रिका पाण्डे को अपने कार्यालय में ही दिं० 31-10-77 के पूर्वाह्नि से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोत्साहन करते हैं।

ब० प्र० सिन्हा,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार गुजरात का कार्यालय

श्रहमदाबाद, दिनांक जनवरी 1978

सं० स्था० (ए०) / जी० ओ०/ 3703 —महालेखाकार गुजरात ने अधीन लेखा-सेवा के स्थायी सदस्य श्री डी० के० पुरानिक को दिनांक 15/12/1977 पूर्वाह्नि से लेकर अगला आदेश मिलने तक महालेखाकार गुजरात के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।

के० पी० लक्ष्मण राव,
उप महालेखाकार (शासन)

कार्यालय, मुख्य लेखा नियंत्रक
केन्द्रीय उत्ताप एवं सीमा शुल्क, बोर्ड
नई दिल्ली, दिनांक 4 जनवरी 1978

सं० प्रशासन-1(4) 53/77-78/2403—इस कार्यालय के स्थानापन्न वेतन तथा लेखा अधिकारी श्री बृजनारायण नाग का दिनांक 29 दिसम्बर, 1977 को देहावसान हो गया है।

धर्म प्रकाश मित्तल
उप लेखा नियंत्रक (प्रशासन)

कार्यालय निदेशक लेखा (डाक)

कपूरथला-144601, दिनांक 13 जनवरी 1978

कार्यालय आदेश सं०-प्रशासन / ए० -६/ अनशासनात्मक/ ललित कुमार / 422—श्री ललित कुमार सुपुत्र श्री धनपत राय जो इस कार्यालय में अवर लेखाकार के पद पर था 13-6-1977 से प्रनधिकृत गैरहाजिरी पर था तथा इस कार्यालय द्वारा भेजे गए ज्ञापन जो कि उसके दिए हुए पते पर भेजे गए थे में से किसी की भी प्राप्ति स्वीकृति उसने नहीं दी। विभागीय नियमों के अधीन अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के उपरात्त उसे 12-12-1977 पूर्वाह्न से नौकरी से निकाले जाने का आदेश उसके दिये हुए पते पर भजा गया था। चूंकि वह रजिस्टर्ड लिफाफा जिस में उक्त कर्मचारी के नौकरी से निकाले जाने का आदेश था और जो उसके दिये हुए पते पर भेजा गया था बिना वितरण के बापिस आ गया है। इसलिए यह अधिसूचित किया जाता है कि श्री ललित कुमार सुपुत्र श्री धनपत राय को 12-12-1977 पूर्वाह्न से नौकरी से हटाया गया है।

रमेश चन्द्र भण्डारी,
निदेशक लेखा (डाक)

खान सुरक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आईनैन्स फैक्टरियां

भारतीय आईनैन्स फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता, दिनांक 7 जनवरी 1978

सं० 1/78/स्कूल—महानिदेशक, आईनैन्स फैक्टरियां, निम्नलिखित शिक्षकों को स्थानापन्थ प्रधानाध्यापक (हाई स्कूल) (वर्ग II राजपत्रित) के पद पर, दिनांक 23-4-1977 से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं :—

(1) श्री जी०ए० नरला—गान कैरिज फैक्टरी, जबलपुर हाई स्कूल में।

(2) श्री जे० एन० गौर—कलोदिङ्ग फैक्टरी, शहजहां पुर हाई स्कूल में।

(3) श्री पी० एन० घर्मा —आईनैन्स फैक्टरी, कटनी हाई स्कूल में।

(4) श्री एम० जी० कप्रर—आईनैन्स फैक्टरी, भण्डारी हाई स्कूल में।

(5) श्री जी० डी० एस० राव—आईनैन्स फैक्टरी, चांदा हाई स्कूल में।

(6) श्री बी० पी० सिह—आईनैन्स फैक्टरी, मुरादनगर हाई स्कूल में।

दिनांक 11 जनवरी 1978

सं० 1/78/ए०/ई०-१—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्रीमती वनलता मजुम्दार, स्थानापन्थ ए० एम० ओ० मौलिक एवं स्थायी सहायक दिनांक 31-12-1977 (अपराह्न) से सेवा निवृत्ति हुई।

सं० 2/78/ए० ई०-१—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री देव प्रसाद दत्ता, स्थानापन्थ ए० एस० ओ०/मौलिक एवं स्थायी सहायक दिनांक 31-12-1977 (अपराह्न) से सेवा निवृत्ति हुए।

डी० पी० चक्रवर्ती,
सहायक महानिदेशक प्रशासन-II
कृते महानिदेशक, आईनैन्स फैक्टरियां।

धनबाद मंत्रालय

खान सुरक्षा महानिदेशालय

धनबाद, दिनांक 11 जनवरी 1978

सं० 9'(1) / 77-प्रशासन-1/ 680 —(1) खान सुरक्षा निदेशक (सेपीकांम) स्थानान्तरित होने पर श्री एच० एस० आटूजा, खान सुरक्षा निदेशक (एस० एस०), धनबाद ने अपने पद का कार्यभार 25 अक्टूबर, 1976 पूर्वाह्न को त्यागकर खान सुरक्षा निदेशक (सेपीकांम), धनबाद का पदभार उसी समय ग्रहण किया।

(2) उत्तरी क्षेत्र, अजमेर स्थानान्तरित होने पर श्री ए० सी० श्रीवास्तव खान सुरक्षा निदेशक, धनबाद ने अपने पद का कार्यभार 23 अक्टूबर, 1976 अपराह्न को त्याग कर खान सुरक्षा निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, अजमेर का पदभार 5 नवम्बर, 1976 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

(3) खान सुरक्षा निदेशक (एस० एस०), धनबाद स्थानान्तरित होने पर श्री ए० एन० सिन्हा, खान सुरक्षा निदेशक (मुख्यालय) ने अपने पद का कार्यभार 12 अक्टूबर, 1976 पूर्वाह्न को त्याग कर खान सुरक्षा निदेशक (एस० एस०) धनबाद का पद भार उसी समय ग्रहण किया।

(4) राची सहक्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री ए० एन० मुख्योपाध्याय, खान सुरक्षा सह-निदेशक नागपुर सहक्षेत्र ने अपने नागपुर स्थित कार्यालय का पदभार 13 अगस्त, 1976 अपराह्न को त्यागकर खान सुरक्षा सह-निदेशक, राची सहक्षेत्र कार्यालय का पदभार 23 अगस्त, 1976 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

(5) नागपुर सहक्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री पी० एन० मेहता, खान सुरक्षा सह-निदेशक, हैदराबाद सहक्षेत्र ने अपने हैदराबाद स्थित कार्यालय का पदभार 31 जुलाई, 1976 अपराह्न को त्यागकर खान सुरक्षा सह-निदेशक, नागपुर सहक्षेत्र कार्यालय का पदभार 9 अगस्त, 1976 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

(6) उदयपुर सहक्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री इन्द्रजीत सिह, खान सुरक्षा सह-निदेशक, उरगांव सहक्षेत्र ने अपने उरगांव स्थित कार्यालय का पदभार 4 सितम्बर, 1976 अपराह्न को त्यागकर खान सुरक्षा सह-निदेशक, उदयपुर सहक्षेत्र कार्यालय का पदभार 18 सितम्बर, 1976 पूर्वाह्न को ग्रहण किया।

(7) धनबाद स्थानान्तरित होने पर श्री ए० के० वर्मन, खान सुरक्षा सह-निदेशक, सीतारामपुर सहक्षेत्र संख्या 3 ने अपने

सीतारामपुर स्थित कार्यालय का पद भार 31 सितम्बर, 1976 अपराह्न को त्यागकर खान सुरक्षा सह निदेशक (एम० डी०) धनबाद कार्यालय का पदभार 3 जनवरी, 1977 पूर्वाह्न को ग्रहण किया ।

(8) धनबाद स्थानान्तरित होने पर श्री एस० पी० गप्ता खान सुरक्षा मह निदेशक, डीगवोई गह क्षेत्र ने अपने डीगवोई स्थित कार्यालय का पद भार 30 अक्टूबर, 1976 अपराह्न को त्यागकर खान सुरक्षा सह निदेशक, (एस० आई० डी०) 1 धनबाद कार्यालय का पदभार 15 नवम्बर, 1976 पूर्वाह्न को ग्रहण किया ।

(9) उरगांव सह क्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री जी० आर० श्रीकान्तन, खान सुरक्षा सह निदेशक चाईवासा सह क्षेत्र ने अपने चाईवासा स्थित कार्यालय का पदभार 13 अक्टूबर, 1976 अपराह्न को त्यागकर खान सुरक्षा सहनिदेशक उरगाव सहक्षेत्र कार्यालय का पदभार 25 अक्टूबर, 1976 पूर्वाह्न को ग्रहण किया ।

(10) भुवनेश्वर सह क्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री एन० मिश्र, खान सुरक्षा सह निदेशक (एम० डी०) धनबाद ने अपने धनबाद स्थित कार्यालय का पद भार 25 सितम्बर, 1976 अपराह्न को त्यागकर खान सुरक्षा सह निदेशक, भुवनेश्वर सह क्षेत्र कार्यालय का पदभार 4 अक्टूबर, 1976 पूर्वाह्न को ग्रहण किया ।

(11) हैदराबाद सहक्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री भी० पी० पर्ती, खान सुरक्षा सह निदेशक, शहडोल सह क्षेत्र ने अपने शहडोल स्थित कार्यालय, का पदभार 22 जुलाई, 1976 अपराह्न को त्यागकर खान सुरक्षा सह निदेशक, हैदराबाद सह क्षेत्र कार्यालय का पदभार पहली अगस्त, 1976 पूर्वाह्न को ग्रहण किया ।

(12) शहडोल मह क्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री एस० एस० बजाज, खान सुरक्षा सह निदेशक, सीतारामपुर ने अपने रोतारामपुर स्थित कार्यालय का पदभार 17 जुलाई, 1976 अपराह्न को त्यागकर खान सुरक्षा सह निदेशक, शहडोल सह क्षेत्र कार्यालय का पदभार 28 जुलाई, 1976 पूर्वाह्न को ग्रहण किया ।

(13) मुख्यालय (प्लान स्कीम) स्थानान्तरित होने पर श्री एस० एन० ठंकर खान सुरक्षा सह निदेशक, धनबाद ने अपने पद का कार्यभार 3 जून, 1976 अपराह्न को त्यागकर खान सुरक्षा सहनिदेशक, मुख्यालय (प्लान स्कीम), धनबाद कार्यालय का पद भार 4 जून, 1976 पूर्वाह्न को ग्रहण किया ।

(14) चाईवासा सह क्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री वी० के० एगस्ट, खान सुरक्षा सह निदेशक, नागपुर सह क्षेत्र ने अपने नागपुर स्थित कार्यालय का पद भार 13 अक्टूबर, 1976 अपराह्न को त्यागकर खान सुरक्षा सह निदेशक, चाईवासा सह क्षेत्र कार्यालय का पद भार 25 अक्टूबर, 1976 पूर्वाह्न को ग्रहण किया ।

(15) डीगवोई मह क्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री एच० के० राय, खान सुरक्षा सह निदेशक, उरगांव सह क्षेत्र ने अपने उरगांव स्थित कार्यालय का पद भार 4 अक्टूबर, 1976 अपराह्न

को त्यागकर खान सुरक्षा सह निदेशक, डीगवोई सह क्षेत्र कार्यालय का पद भार 15 अक्टूबर, 1976 अपराह्न को ग्रहण किया ।

(16) खान सुरक्षा सह निदेशक, (मुख्यालय) स्थानान्तरित होने पर श्री वी० के० एग्जेण, खान सुरक्षा सह निदेशक, धनबाद, ने अपने पद का कार्यभार 7 अगस्त, 1976 पूर्वाह्न को त्यागकर खान सुरक्षा सह निदेशक, (मुख्यालय) धनबाद कार्यालय का पद भार उसी समय ग्रहण किया ।

(17) खान सुरक्षा सह निदेशक के पद पर पदोन्नति होने पर श्री एस० पी० चक्रवर्ती, खान सुरक्षा उप निदेशक, सीतारामपुर क्षेत्र संख्या 3 ने अपने पद का कार्यभार 27 दिसम्बर, 1976 पूर्वाह्न को त्यागकर खान सुरक्षा सह निदेशक, सीतारामपुर क्षेत्र संख्या 1 कार्यालय का पद भार उसी समय ग्रहण किया ।

(18) सीतारामपुर सह क्षेत्र संख्या 2 स्थानान्तरित होने पर श्री एस० पी० सी० नाग, खान सुरक्षा उप निदेशक, पूर्वीय क्षेत्र, सीतारामपुर, ने अपने पद का कार्यभार 20 दिसम्बर, 1976 पूर्वाह्न को त्यागकर खान सुरक्षा उप निदेशक, सीतारामपुर सह क्षेत्र संख्या 2 कार्यालय का पद भार उसी समय ग्रहण किया ।

(19) उदयपुर सह क्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री एन० एल० मेहतानी, खान सुरक्षा उप निदेशक, अजमेर, ने अपने अजमेर स्थित कार्यालय का पदभार 4 अक्टूबर, 1976 अपराह्न को त्यागकर खान सुरक्षा उप निदेशक, उदयपुर सह क्षेत्र कार्यालय का पद भार 13 अक्टूबर, 1976 पूर्वाह्न को ग्रहण किया ।

(20) अजमेर मह क्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री एस० के० मखर्जी खान सुरक्षा उप निदेशक, धनबाद सह क्षेत्र संख्या 1, ने अपने धनबाद स्थित कार्यालय का पद भार पहली जून, 1976 अपराह्न को त्यागकर खान सुरक्षा उप निदेशक, अजमेर सह क्षेत्र कार्यालय का पद भार 15 जून, 1976 पूर्वाह्न को ग्रहण किया ।

(21) धनबाद सह क्षेत्र संख्या 2 स्थानान्तरित होने पर श्री एस० वनर्जी, खान सुरक्षा उप निदेशक, विजयनगरम, उप क्षेत्र ने अपने विजयनगरम स्थित कार्यालय का पद भार 18 दिसम्बर, 1976 अपराह्न को त्यागकर खान सुरक्षा उप निदेशक धनबाद सह क्षेत्र संख्या 2 कार्यालय का पद भार 30 दिसम्बर 1976 पूर्वाह्न को ग्रहण किया ।

(22) धनबाद मुख्यालय स्थानान्तरित होने पर श्री पी० के० वर्मा, खान सुरक्षा उप निदेशक, सीतारामपुर सह क्षेत्र संख्या 2, ने अपने सीतारामपुर स्थित कार्यालय का पद भार, 20 दिसम्बर, 1976 अपराह्न को त्यागकर खान सुरक्षा उप निदेशक धनबाद मुख्यालय का पद भार 27 दिसम्बर, 1976 पूर्वाह्न को ग्रहण किया ।

(23) विजयनगरम उप क्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री के० वी० मजुमदार, खान सुरक्षा उप निदेशक, रांची सह क्षेत्र ने अपने रांची स्थित कार्यालय का पद भार 4 दिसम्बर, 1976 अपराह्न को त्यागकर खान सुरक्षा उप निदेशक, विजयनगरम उप क्षेत्र, कार्यालय का पद भार 15 दिसम्बर, 1976 पूर्वाह्न को ग्रहण किया ।

(24) उदयपुर मह क्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री यो० एन० सक्सेना खान सुरक्षा उप निदेशक, भीलबाड़ा उप क्षेत्र, ने अपने भीलबाड़ा स्थित कार्यालय का पद भार 29 नवम्बर 1976 अपराह्न को त्यागकर खान सुरक्षा उप निदेशक, उदयपुर सह क्षेत्र कार्यालय का पदभार 4 दिसम्बर, 1976 पूर्वाह्न को ग्रहण किया ।

(25) धनबाद मुख्यालय स्थानान्तरित होने पर श्री आर० एस० मिश्र, खान सुरक्षा उप निदेशक, धनबाद सह क्षेत्र संख्या 2 ने अपने पद का कार्यभार 28 अप्रैल, 1976 पूर्वाह्न को त्यागकर खान सुरक्षा उप निदेशक, (मुख्यालय) धनबाद कार्यालय का पदभार उसी समय ग्रहण किया ।

(26) धनबाद सह क्षेत्र संख्या 3 स्थानान्तरित होने पर श्री टी० के० मजुमदार, खान सुरक्षा उप निदेशक, (व्यावसायिक प्रशिक्षण) मध्य क्षेत्र, धनबाद, ने अपने पद का कार्य भार 29 मार्च, 1976 पूर्वाह्न को त्यागकर खान सुरक्षा उप निदेशक, धनबाद सह क्षेत्र संख्या 3 कार्यालय का पद भार उसी समय ग्रहण किया ।

(27) भुवनेश्वर सह क्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री श्रीनिवास, खान सुरक्षा उप निदेशक, चाईवासा सह क्षेत्र ने, अपने चाईवासा स्थित कार्यालय का पद भार 15 दिसम्बर, 1976 अपराह्न को त्यागकर खान सुरक्षा उप निदेशक, भुवनेश्वर सह क्षेत्र कार्यालय का पद भार 27 दिसम्बर, 1976 पूर्वाह्न को ग्रहण किया ।

(28) धनबाद मह क्षेत्र संख्या 1 स्थानान्तरित होने पर श्री के० एम० प्रसाद, खान सुरक्षा उप निदेशक (मुख्यालय) ने अपने पद का कार्यभार 9 मार्च, 1976 पूर्वाह्न को त्यागकर खान सुरक्षा उप निदेशक, धनबाद सह क्षेत्र संख्या 1 कार्यालय का पद भार उसी समय ग्रहण किया ।

(29) धनबाद मह क्षेत्र संख्या 3 स्थानान्तरित होने पर श्री राजाशम, खान सुरक्षा उप निदेशक, (मुख्यालय) ने, अपने पद का कार्यभार 7 जुलाई, 1976 पूर्वाह्न को त्यागकर खान सुरक्षा उप निदेशक, धनबाद सह क्षेत्र संख्या 3 कार्यालय का पद भार उसी समय ग्रहण किया ।

(30) (क) सीतारामपुर सह क्षेत्र संख्या 3 रथानान्तरित होने पर श्री एस० के० सामन्त, खान सुरक्षा उप निदेशक, सीतारामपुर सह क्षेत्र संख्या 2 ने अपने पद का कार्यभार 15 अप्रैल, 1976 पूर्वाह्न को त्यागकर खान सुरक्षा उप निदेशक, सीतारामपुर सह क्षेत्र संख्या 3 कार्यालय का पद भार उसी समय ग्रहण किया ।

(ख) सीतारामपुर मह क्षेत्र संख्या 1 स्थानान्तरित होने पर श्री एस० के० सामन्त, खान सुरक्षा उप निदेशक, सीतारामपुर, सह क्षेत्र संख्या 1 ने अपने पद का कार्यभार 17 जुलाई 1976 पूर्वाह्न को त्यागकर खान सुरक्षा उप निदेशक, सीतारामपुर सह क्षेत्र संख्या 1 कार्यालय का पद भार उसी समय ग्रहण किया ।

(31) चाईवासा सह क्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री के० सी० चौधरी, खान सुरक्षा उप निदेशक, गोआ सह क्षेत्र, ने अपने गोआ स्थित कार्यालय का पद भार 18 जून, 1976 अपराह्न

को त्यागकर खान सुरक्षा उप निदेशक चाईवासा सह क्षेत्र कार्यालय का पद भार 29 जून, 1976 पूर्वाह्न को ग्रहण किया ।

(32) धनबाद सह क्षेत्र संख्या 2 स्थानान्तरित होने पर श्री दशरथ सिह, खान सुरक्षा उप निदेशक (मुख्यालय) ने अपने पद का कार्यभार 6 जुलाई, 1976 पूर्वाह्न को त्यागकर खान सुरक्षा उप निदेशक, धनबाद सह क्षेत्र संख्या 2 कार्यालय का पद भार उसी समय ग्रहण किया ।

(33) सीतारामपुर विद्युत सर्किल स्थानान्तरित होने पर श्री वी० वी० रामाना राव, खान सुरक्षा उप निदेशक, (विद्युत) धनबाद, ने अपने धनबाद स्थित कार्यालय का पद भार 16 अक्टूबर, 1976 अपराह्न को त्यागकर खान सुरक्षा उप निदेशक, (विद्युत) सीतारामपुर विद्युत सर्किल कार्यालय का पद भार 3 नवम्बर, 1976 पूर्वाह्न को ग्रहण किया ।

(34) सीतारामपुर सह क्षेत्र संख्या 2 स्थानान्तरित होने पर श्री एस० के० सामन्त, खान सुरक्षा सहायक निदेशक, सीतारामपुर सह क्षेत्र संख्या 3 ने अपने पद का कार्यभार 28 जनवरी, 1976 पूर्वाह्न को त्यागकर खान सुरक्षा सहायक निदेशक सीतारामपुर सह क्षेत्र संख्या 2 कार्यालय का पद भार उसी समय ग्रहण किया ।

(35) अजमेर सह क्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री वी० के० जैन, खान सुरक्षा सहायक निदेशक, गाजियाबाद उप क्षेत्र ने अपने गाजियाबाद स्थित कार्यालय का पद भार 22 मार्च, 1976 पूर्वाह्न को त्यागकर खान सुरक्षा सहायक निदेशक, अजमेर झाव ह क्षेत्र कार्यालय का पद भार 12 अप्रैल, 1976 पूर्वाह्न को ग्रहण किया ।

(36) चाईवासा सह क्षेत्र स्थानान्तरित होने पर श्री आर० एम० मिह, खान सुरक्षा सहायक निदेशक, धनबाद ने अपने पद का कार्यभार 21 अगस्त, 1976 अपराह्न को त्यागकर खान सुरक्षा सहायक निदेशक, चाईवासा सह क्षेत्र कार्यालय का पद भार 24 अगस्त, 1976 पूर्वाह्न को ग्रहण किया ।

एम० डी० प्रसाद

कृते खान सुरक्षा महानिदेशक

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

धनबाद, दिनांक 11 जनवरी 1978

सं० प्रशासन 12 (7) 77—श्री ए० एस० मिह महायक कल्याण प्रशासक को दिमाक 8-11-77 (पूर्वाह्न) से रु० 650-1200 के बेतनमात्र में कल्याण प्रशासक (परिवार नियोजन) के पद पर पटोप्रति दी गई ।

श्री सिह को कोयला खान कल्याण संस्था धनबाद के अन्तर्गत तैनात किया गया ।

एच० एच० कुरेशी
अपर कोयला खान कल्याण आयुक्त

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी 1978

आयात एवं नियंत्रित व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/1110/76-प्रशासन (राज०) /703 —सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त होने पर, भारतीय विकेण सेवा (ख) के सामान्य संबंध के गमकलित श्रेणी 2 एवं 3 के अधिकारी, श्री जी० बी० ए० डी० सोनिन ने 31 दिसम्बर, 1977 के दोपहर बाद से इस कार्यालय में नियंत्रक, आयात-नियंत्रित के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 6/1023/74-प्रशासन (राज०) /714 —सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त होने पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग के अधिकारी, श्री ए० के० सेन गुप्ता ने 31 दिसम्बर, 1977 के दोपहर बाद से, इस कार्यालय में नियंत्रक, आयात-नियंत्रित के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

का० वे० शेषाद्रि
मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित

उद्योग मंत्रालय

श्री व्योगिक विकास विभाग

कार्यालय विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1977

सं० ए० 19018/301/77-प्रशासन (राजपत्रित) — संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के आधार पर श्री के० शाम जी को राष्ट्रपति जो दिनांक 26-10-77 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों के जारी होने तक के लिए लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (रसायन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री शाम जी ने दिनांक 26 अक्टूबर, 1977 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, श्रीनगर, में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (रसायन) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 22 दिसम्बर 1977

सं० 12/96/61-प्रशासन (राजपत्रित) — श्री एस० बी० सेन गुप्त, सहायक निदेशक (ग्रेड-II) (जी० ए० डी०)-को राष्ट्रपति जो दिनांक 29-10-1977 (पूर्वाह्न) से 31-12-77 या पद के स्थाई रूप से भरे जाने तक (जो भी पहले हो) के लिए लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (जी० ए० डी०) के पद पर तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (जी० ए० डी०) के रूप में नियुक्त होने के परिणाम स्वरूप श्री एस० बी० सेन गुप्त ने दिनांक

29-12-1977 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, लुधियाना में अपने पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० 12/559/67-प्रशासन (राजपत्रित) — लघु उद्योग विकास संगठन के श्री पी० के० गुहा, सहायक निदेशक (ग्रेड-II) (जी० ए० डी०) को राष्ट्रपति जो दिनांक 10-10-1977 (पूर्वाह्न) से 31-12-1977 या पद को नियमित आधार पर भरे जाने तक (जो भी पहले हो) के लिए सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (जी० ए० डी०) के पद पर तदर्थ आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री गी० के० गुहा ने दिनांक 10-10-1977 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० ए० 19018/231/75-प्रशासन (राजपत्रित) लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर, में स्थानापन्थ अधीक्षक के रूप में कार्य कर रहे स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक श्री एम० एल० सरीन को विहास आयुक्त (लघु उद्योग) दिनांक 22-10-1977 (अरराह्न) से 31-12-1977 तक की अवधि के लिए या किसी नियमित सहायक निदेशक (ग्रेड-II) (जी० ए० जी०) के भेजे जाने तक के लिए (जो भी पहले हो), उसी संस्थान में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) (प्रशासन) के रूप में तदर्थ आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री एम० एल० सरीन ने दिनांक 28-10-1977 (अरराह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर, में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) (जी० ए० डी०) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० ए० 19018(294)/77-प्रशासन (राजपत्रित) — संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के आधार पर श्री पंकज कुमार लाहिरी को राष्ट्रपति जो दिनांक 24-11-1977 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक लघु उद्योग विकास संगठन में उपनिदेशक (होजरी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के फलस्वरूप श्री पंकज कुमार लाहिरी ने दिनांक 24-11-1977 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास में उप-निदेशक (होजरी) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० ए० 19018/297/77-प्रशासन (राजपत्रित) — संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के आधार पर श्रीमती सुनीता कुमार ने अगले आदेशों तक के लिए लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (रसायन) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्रीमती सुनीता कुमार ने दिनांक 28-10-1977 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, बम्बई में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (रसायन) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० ए० 19018/307/77-प्रशासन (राजपत्रित) — संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के आधार पर श्री

अनित कुमार गोगिया को राष्ट्रपति जी दिनांक 9 नवम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) मे अगले आदेशों तक के लिए लघु उच्चोग विकास संगठन मे उपनिदेशक (विजली) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री ए० के० गोगिया ने दिनांक 9 नवम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से लघु उच्चोग सेवा संस्थान, नई दिल्ली, मे उपनिदेशक (विजली) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 16 जनवरी 1978

सं० 12/513/66-प्रशासन (राजपत्रित) —श्री डी० सी० करमकर, सहायक निदेशक (ग्रेड-II) (सामान्य प्रशासन) को राष्ट्रपति जी दिनांक 11 अक्टूबर, 1977, (पूर्वाह्न) से 31 दिसम्बर, 1977 तक या पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक के लिये, जो भी पहले हो, गहायक निदेशक (ग्रेड-I) (जी० ए० डी०) के रूप मे तदर्थ आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री डी० सी० करमकर ने दिनांक 11 अक्टूबर, 1977 (अपराह्न) से लघु उच्चोग सेवा संस्थान, कलकत्ता, मे सहायक निदेशक (ग्रेड-I) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० 12(664)/70-प्रशासन (राजपत्रित) —शौधोगिक विकास विभाग मे आयुक्त (शौधोगिक महाकारिता) के रूप मे नियुक्त हो जाने पर श्री के० पी० परमेश्वरम ने दिनांक 5 दिसम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से लघु उच्चोग विकास संगठन के निदेशक (ग्रेड-II) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए०-19018/178/75-प्रशासन (राजपत्रित) —लघु उच्चोग सेवा संस्थान, जयपुर, के श्री शिव दयाल, अधीक्षक, को विकास आयुक्त (लघु उच्चोग) दिनांक 9 मई, 1977 (पूर्वाह्न) से 19 जुलाई, 1977 (अपराह्न) तक की अवधि के लिए संस्थान

मे श्री पी० के० मुहा, जिन्हें अवकाश प्रदान किया गया है, के स्था पर सहायक निदेशक (ग्रेड-II) (जी० ए० डी०) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19018/190/75 प्रशासन (राजपत्रित) —लघु उच्चोग विकास संगठन के श्री के० राराजन सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (यांत्रिक), के इंटेग्रल कोच फैक्ट्री, मद्रास मे प्रत्यावर्तित हो जाने पर राष्ट्रपति जी उन्हें दिनांक 7 सितम्बर, 1977 (अपराह्न) से सहर्ष कार्यमुक्त करते हैं।

2. इंटेग्रल कोच फैक्ट्री, मद्रास, मे प्रत्यावर्तित के परिणामस्वरूप श्री के० राराजन ने दिनांक 7 सितम्बर, 1977 (अपराह्न) से लघु उच्चोग सेवा संस्थान, अहमदाबाद, के सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (यांत्रिक) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए० 19018/238/76-प्रशासन (राजपत्रित) —इस कार्यालय की इसी क्रमांक व दिनांक 18 अगस्त, 1977 की अधिसूचना के क्रम मे राष्ट्रपति जी श्री विनोद लाल, आई० ए० स० की लघु उच्चोग विकास संगठन मे निदेशक (ग्रेड-I) (जी० ए० डी०) के रूप मे तदर्थ नियुक्ति को 30 अप्रैल, 1978 तक या पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक के लिये, जो भी पहले हो, सहर्ष जारी रखने की श्रृंगति देते हैं।

सं० ए० 19018/316/77-प्रशासन (राजपत्रित) —श्री गुलाम कादिर लोन आई० ए० एस०, को राष्ट्रपति जी दिनांक 5 दिसम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिये लघु उच्चोग विकास संगठन मे उपनिदेशक के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री गुलाम कादिर सोन, आई० ए० एस० ने दिनांक 5 दिसम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उच्चोग), नई दिल्ली, मे उपनिदेशक (के० सं० से० ग्रेड-I) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

वी० वेंकटरायलु
उपनिदेशक (प्रशासन)

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 5 दिसम्बर 1977

सं० प्र०-6/76(4)/58/XV-धातु (I) —राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के निरीक्षण स्कंध के निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने लिखे नारीख से भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-I के ग्रेड III की धातुकर्म शाखा मे सहायक निदेशक निरीक्षण (धातुकर्म) के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	वर्तमान पद	स्थायी पद जिस पर स्थायी रूप से नियुक्त हुए	स्थायी रूप से नियुक्ति की तारीख	अध्युक्तियां
1	2	3	4	5	6
1. एस० के० वीष	उपनिदेशक (निरीक्षण) (धातु) (सेवा मुक्त)	सहायक निदेशक (धातु)	*21-9-64 77 ×24-2-67	पूर्ति विभाग के दिनांक 26-9-77 पत्र संख्या ए० 31013/2- 75- स्था० -II द्वारा दिनांक	पूर्ति विभाग के दिनांक 26-9-77 पत्र संख्या ए० 31013/2- 75- स्था० -II द्वारा दिनांक

1	2	3	4	5	6
2.	जी० पी० गुप्त	उपनिदेशक निरी० (धातु)	सहायक निदेशक नि० (धातु)	6-4-67	21-9-64 से 23-2-67 के लिए सृजित स्थायी निवृत्तमानपद जो बाद में श्री दी० सी० मुख्यर्जी, सेवानिवृत्त के मद्देश समायोजित किया गया।
3.	के० पी० सहाय	-वही— सेवा निवृत्त	-वही—	6-4-67	श्री के० पी० गुप्त के स्थान पर जो उपनिदेशक (निरी०) (धातु) के ग्रेड में स्थायी हुए।
4.	जे० पी० सेन	-वही—	-वही—	28-2-68	श्री के० सी० दत्तगुप्त के स्थान पर जो उपनिदेशक निरीक्षण (धातु) के ग्रेड में स्थायी हुए।
5.	पी० सी० बोश	उप निदेशक निरीक्षण (धातु) (सेवा निवृत्त)	सहायक निदेशक निरी०- क्षण (धातु)	1-3-69	श्री के० पी० एन० लुल्ला के स्थान पर जो उपनिदेशक निरी० (धातु) के ग्रेड में स्थायी हुए।
6.	एम० एम० दास गुप्त	-वही—	-वही—	13-3-69	श्री पी० सी० मुस्तफी के स्थान पर जो उपनिदेशक निरीक्षण धातु के ग्रेड में स्थायी हुए।
7.	के० सी० चटर्जी	उप निदेशक निरीक्षण (धातु)	-वही—	1-4-69	श्री एस० एम० दासगुप्त (क्रम सं० 6) (सेवा-निवृत्त) के स्थान पर।
8.	पी० के० मुस्तफी	-वही—	-वही—	23-12-69	पूर्ति विभाग के दिनांक 23-12-69 के पत्र सं० 42/48/68 द्वारा स्थायी घोषित 5 पदों में एक पर समायोजित।
9.	आर० एम० रुद्र	-वही— (सेवामुक्त)	-वही—	23-12-69	-वही—
10.	एस० के० पांडे	-वही— (धातु)	-वही—	-वही—	-वही—
11.	टी० एम० वारियर	सहायक निदेशक नि० (धातुकर्म) (सेवामुक्त)	-वही—	-वही—	-वही—
12.	आर०एस० दुबे	सहायक निदेशक नि० (धातुकर्म)	-वही—	-वही—	-वही—
13.	विश्व प्रकाश	-वही—	-वही—	12-11-71	पूर्ति विभाग के दिनांक 10/12-11-71 के पत्र सं० ए० -11012/5/71-स्था०-II द्वारा अस्थाई पद को स्थायी में बदलने पर उसके मद्देश समायोजित किया।
14.	एम० डी० बेबीलोनी	-वही—	-वही—	17-11-74	श्री टी० एम० वारियर क्रम सं० II) (सेवानिवृत्त) के स्थान पर।
15.	जे० सी० शंख्य	-वही—	-वही—	29-1-74	श्री के० सी० सहायक (क्रम सं० -3) (सेवानिवृत्त) के स्थान पर।
16.	एस० के० दास	महायक निदेशक निरीक्षण (धातु)	-वही—	1-11-74	श्री जे० पी० सेन (क्रम संख्या 4) (सेवा निवृत्ति) के स्थान पर।

सं० प्र०-6/76 (4) / 58 XV-धातु (II) ---राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के निरीक्षण स्कन्ध के निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के सामने लिखी तारीख द्वारा भारतीय निरीक्षण सेवा थेणी-I के ग्रेड II की धातुकर्म शाखा के उपनिदेशक निरीक्षण (धातु) के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	वर्तमान पद	स्थायी पद जिस पर स्थायी रूप से नियुक्त हुए।	स्थायी रूप से नियुक्ति की तारीख	अभ्युक्तियां
सर्वश्री					
1. ए० के० गुहा	निदेशक (निरीक्षण) धातु	उपनिदेशक (धातु)	24-2-68	श्री एस० के० लाहिरी के स्थान पर जो निदेशक निरीक्षण पद पर स्थायी हुए।	
2. एस० के० घोष	उप निदेशक निरीक्षण (धातुकर्म) सेवामुक्त	—वही—	14-5-71	पूर्ति विभाग के दिनांक 23-12-1969 के पत्र सं० 42/28/68 स्था० -11 के अनुसार उपनिदेशक निरी० (धातु) के अस्थायी पद को स्थायी करके उसके मद्देस समायोजित।	
3. के० एम० तनजा	उप निदेशक निरीक्षण (धातुकर्म)	—वही—	14-5-71	—वही—	
4. एस० बी० गुप्त	—वही—	—वही—	14-5-71	—वही—	
5. जी० पी० गुप्त	—वही—	—वही—	12-11-71	पूर्ति विभाग के दिनांक 10/12-71 के पत्र संख्या ए० -11012/5/7 स्था०-II।	
6. जे० पी० मेन	उप निदेशक निरीक्षण धातु सेवा मुक्त	उप निदेशक निरीक्षण (धातुकर्म)	12-4-73	श्री डी० के० राय के स्थान पर जिनका 11-4-1975 को निधन हो गया।	

सं० प्र० 6/76(4)/58/XV-धातु (III) ---राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के निरीक्षण स्कन्ध के निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से भारतीय निरीक्षण सेवा, थेणी-I के ग्रेड II की वस्त्र शाखा में उपनिदेशक निरीक्षण (वस्त्र) के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	वर्तमान पद	स्थायी पद जिस पर स्थायी रूप से नियुक्त हुए।	नियुक्ति की तारीख	अभ्युक्तियां
1	2	3	4	5	6
सर्वश्री					
1. ए० टी० ब्रामाक	उपनिदेशक निरीक्षण (वस्त्र)	उप निदेशक (निरीक्षण) (वस्त्र)	26-6-72	पूर्ति विभाग के दिनांक 10/12-1-77 के पत्र संख्या ए० 11012/5/7 स्था० 511 द्वारा उप निदेशक (नि०) वस्त्र के अस्थायी पद को स्थायी करने पर उसके मद्देस समायोजित किया गया।	
2. एम० मी० बख्शी	—वही— (सेवानिवृत्ति)	—वही—	26-6-72	श्री ए० के० प्रमाणि उप० निद० वस्त्र 25-6-72 (अपरा०) के सेवा मुक्त के स्थान पर।	

1	2	3	4	5	6
---	---	---	---	---	---

3. ए० आर० हलदर उप निदेशक (वस्त्र) उप निदेशक (निवृत्ति० (वस्त्र) 1-11-74 श्री एस० बुशी, उपनिदेशक निरीक्षण, वस्त्र क्र० सं० 231-10-74 (अपराह्न) के सेवा निवृत्ति के स्थान पर।

सं० प्र०- 6/76 (4)/ 58-XV-धातु (IV) —राष्ट्रपति, पूर्ति निपटान तथा महानिदेशालय के निरीक्षण स्कन्ध के निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के आगे दी गई तारीख से भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-I, के ग्रेड II की धातु रसायन शाखा में उप निदेशक निरीक्षण (धातुकर्म रसायन) के स्थायी पदों पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	वर्तमान पद	स्थायी पद जिस पर स्थायी रूप से नियुक्त हुए	स्थायी रूप से नियुक्ति की तारीख	अभ्युक्तियां
----------	----------------	------------	--	---------------------------------------	--------------

सर्वेश्री

1. एस० एन० दासगुप्ता	उपनिदेशक निरीक्षण (धातुकर्म-रसायन) (सेवानिवृत्ति)	उप निदेशक निरीक्षण धातुकर्म रसायन)	23-12-69	पूर्ति विभाग के दिनांक 23-12-69 के पत्र संख्या 42/82/68-स्था०-II द्वारा उपनिदेशक निरीक्षण (धातुकर्म रसायन) के अस्थायी पद को स्थायी रूप में बदलने पर उसके मद्देन समायोजित किया गया।
2. दी० बी० बनर्जी	-बही-	-बही-	1-3-73	श्री एस० एन० दासगुप्ता क्र० सं० I 28-2-75 (अपराह्न) से सेवानिवृत्ति के स्थान पर।

सूर्य प्रकाश

उप निदेशक (प्र०)

कृते उप महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मन्त्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भौवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० 221/बी०/3/64/19सी०—निम्नलिखित अधिकारियों की भारतीय भौवैज्ञानिक सर्वेक्षण में डिलर के ग्रेड (प्र० 'बी' 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के बेतनमान) में प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से पुष्टि की जा रही है:—

क्र०सं०	अधिकारियों के नाम	पुष्टिकरण की तिथि
1.	श्री एच० एन० एन० मूर्ति	8-12-67
2.	श्री एस० कौबूता	4-6-73

बी० एस० कृष्णस्वामी

महा निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी 1978

शुद्धि-पत्र

सं० 5/59/68-एस-1—इस निदेशालय की अधिसूचना सं० 4 (4)/76-एस-1 (वाल्य-II) दिनांक 3 दिसम्बर, 1976 में कुमारी डी० ई० मेहरजी की तदर्थ आधार पर कार्यक्रम निपादक के पद पर नियुक्ति के बारे में क्रम संख्या 6 को “कुमारी डी० ई० मेहरजी” पढ़ा जाय।

एन० के० भारद्वाज
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मन्त्रालय

फिल्म प्रभाग

बस्टर्ड-26, दिनांक 11 जनवरी 1978

सं० 17/42/49-ईएसटी-I—सेवा निवृत्ति की आ होने पर श्री पी० दास गुप्ता, स्थानापन्थ शाखा प्रबन्धक फिल्म

प्रभाग कलकत्ता, दिनांक 31-12-1977 के प्रपराह्न से सेवा
नियुक्त हो गया।

एम० चन्द्रन नाथर,
प्रशासकीय अधिकारी
कृते प्रमुख निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1978

सं० ए० 12025/48/76 (एन० एम० इ० पी०)
प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों को उनके
नाम के आगे लिखी तारीख से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय
मलेरिया उन्मुद्रन कार्यव्रम, दिल्ली में उप सहायक निदेशक (कीट
विज्ञान) के पद पर नियुक्त किया है।

1. श्री पृथ्वी राज मल्होत्रा 30 सितम्बर, 1977
(पूर्वाह्न)
2. श्री महादेव सदाशिव बेंदले 5 अक्टूबर, 1977 (पूर्वाह्न)

दिनांक 11 जनवरी 1978

सं० ए० 19019/52/76-(एस० जे०) प्रशासन-J—अपना
त्यागपत्र मंजूर हो जाने के फलस्वरूप डा० के० चन्द्रमौली ने
6 दिसम्बर, 1977 अपराह्न से सफदरजांग अस्पताल, नई
दिल्ली में जीव रसायनज के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 32013/3/77 (एच० क्य०) प्रशासन-1—
राष्ट्रपति ने श्री ई० आर० शर्मा को 14 नवम्बर, 1977
पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई
दिल्ली में वाराण्ड वास्तुविद् के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त
किया है।

शाम लाल कुठियाला
उप निदेशक प्रशासन

कृषि और सिन्चाई मन्त्रालय

(कृषि विभाग)

समेकित मात्स्यकी परियोजना के निदेशक का कार्यालय

कोचीन, दिनांक 23 अगस्त 1977

सं० ए० 2/7-55/65—श्री के० रविनाथन को 1-8-77
के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक एमकुलम स्थित उनके समेकित
मात्स्यकी परियोजना के मुख्यालय में 650 30-740-35-810
द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के
वेतनमान में जी० सी० एस० शुप 'ख' (राजपत्रित) विपणन
अधिकारी के पद पर अस्थायी हैसियत से नियुक्त किया जाता
है।

बी० कृष्णमूर्ती
निदेशक

कोचीन, दिनांक 25 अगस्त 1977

मं० ए० 2/7-275/69—डा० वर्धिस पी० उमन को
1-8-77 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक एमकुलम स्थित
उनके समेकित मात्स्यकी परियोजना के मुख्यालय में 650-
30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-
40-1200 रुपये के वेतनमान में जी० सी० एस० शुप 'ख'
(राजपत्रित) मात्स्यकी अधिकारी के पद पर अस्थायी हैसियत से
नियुक्त किया जाता है।

डी० ए० एस० गननद्वौज
निदेशक

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

नरौरा, दिनांक 3/4 जनवरी 1978

सं० एनएपीपी/प्रशा०/2 (32)/77-80—नरौरा परमाणु
विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता विद्युत परि-
योजना इंजीनियरी प्रभाग के केन्द्रीय पूल के एक स्थायी सहायक
फोरमैन और नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में स्थानापन्न
फोरमैन श्री सतपाल सिंह चब्बा को, उसी परियोजना में,
1 अगस्त, 1977 के पूर्वाह्न से आगले आदेश तक के लिए, वैज्ञानिक
अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर, अस्थायी रूप से
नियुक्त करते हैं।

जी० जी० कुलकर्णी
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 29 दिसम्बर 1977

सं० डी० पी० एस०/2/1 (16)/77-प्रशा०-37705—
परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशालय, इस निदेशालय
की दिनांक 8 नवम्बर, 1977 की समसंलयक अधिसूचना के
क्रम में, परिवर्ती ऊर्जा साइक्सोट्रान परियोजना, क्लवस्टी 1 स्थित
क्रय एवं भंडार निदेशालय के भडार एकक के स्थानापन्न भंडार-
पाल श्री परारी किश्नाकोड्डन राधावृण्णन को उसी निदेशालय
में, तदर्थ आधार पर 28 फरवरी, 1978 को समाप्त होने
वाली अतिरिक्त अवधि के लिए सहायक भंडार अधिकारी के
पद पर नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी
सहायक कार्मिक अधिकारी

बम्बई-400001, दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० क्रमनि०/2/1 (25)/77-प्रशा०/2262—श्री बी० डी०
चौधरी स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक एवं प्रभारी सहायक लेखा
अधिकारी को तारापुर परमाणु बिजलीघर परमाणु ऊर्जा विभाग
तारापुर से स्थानान्तरित करके क्रय और भंडार निदेशालय

परमाणु ऊर्जा विभाग में दिनांक 16 नवम्बर 1977 पूर्वाह्नि से उसी पद पर नियुक्त किया जाता है।

के० पी० जोसफ
कृते प्रशासनिक अधिकारी

मद्रास-6, दिनांक 31 दिसम्बर 1977

सं० एम० आर० पी० धू०/200 (150)/77 प्रशा०—
क्य एवं भंडार के निदेशक, क्य एवं भंडार निदेशालय, रिएक्टर अनुसन्धान केन्द्र, कलपकम के एक स्थानापन्थ भंडारपाल श्री पी० बी० प्रभाकरन को, 12 दिसम्बर, 1977 के पूर्वाह्नि से 12 जनवरी, 1978 तक के लिए उसी एकक में तहायक भंडार अधिकारी के पद पर स्थानापन्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

एस० रंगचारी,
क्य अधिकारी

नाभिकीय इंधन समिक्षा

हैदराबाद-500762, दिनांक 7 जनवरी 1978

सं० पी० ए० आर०/0705/3320—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय इंधन समिक्षा, सहायक लेखाकार श्री ज० सूर्यनारायण राव को 26-8-1977 से 25-12-1977 तक की अवधि के लिए नाभिकीय इंधन समिक्षा, हैदराबाद में सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्री प० म्हांडे,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 14 जनवरी 1978

सं० ए० एम० डी०-1/28/77—प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, श्री बी० आर० एम० कुमार (स्थाई वैज्ञानिक सहायक 'ए') तथा अस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' को 1 अगस्त, 1977 के पूर्वाह्नि से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिए उसी प्रभाग में स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन,
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत भौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 17 जनवरी 1978

सं० ई० (1) 00922—वेधशालाओं के महानिदेशक डा० सी० बी० बीर भद्रम को 30 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्नि से अगले आदेश तक भारतीय भौसम सेवा, ग्रुप बी० (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप बी०) में स्थानापन्थ सहायक भौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

डा० भद्रम को प्रादेशिक भौसम केन्द्र कलकत्ता के निदेशक के कार्यालय भै तैनात किया जाता है।

सं० ई० 00932—वेधशालाओं के महानिदेशक, डा० बी० के० बसु को 18 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्नि से अगले आदेश तक, भारतीय भौसम सेवा ग्रुप बी० (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप बी०) में अस्थायी रूप में गहायक भौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

डा० बसु को वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (जलवायु विज्ञान) पुणे के कार्यालय में तैनात किया जाता है।

सं० ई० 07792—वेधशालाओं के महानिदेशक व्यावसायिक सहायक डा० गुप्ता को 12 दिसम्बर, 1977 के पूर्वाह्नि से अगले आदेश तक भारत भौसम सेवा—ग्रुप बी० (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप बी०) में स्थानापन्थ सहायक भौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

डा० दुबे को वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में तैनात किया जाना है।

गुरुमुख राम गुप्ता

भौसम विज्ञानी

कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर 1977

सं० ए० 32014/4/76-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एस० जबीवर तकनीकी सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन, गोदाटी को दिनांक 29-11-77 पूर्वाह्नि से सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उनको वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता पर तैनात किया है।

दिनांक 5 जनवरी 1978

सं० ए० 32013/2/77-ई० डब्ल्यू—राष्ट्रपति ने श्री एच० सी० राय चौधरी, वरिष्ठ अग्निशम अधिकारी को 30-6-77 से छह मास की अवधि के लिए या पद पर नियमित नियुक्त होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर उपनिदेशक (अग्निशम) के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें मुख्यालय में तैनात किया है।

एतद्वारा इस कार्यालय की दिनांक 15-9-77 की अधिसूचना सुचना ए० 32013/2/77 रद्द की जाती है।

दिनांक 11 जनवरी 1978

सं० ए० 32013/9/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों को उनके नामों के सामने दी गई कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से 6 मास की अवधि तक या पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त

किया है और उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है:—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1.	श्री के० चन्द्रचूड़न	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	वैमानिक संचार स्टेशन मद्रास	28-9-77 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एस० तिरुभलै	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	28-9-77 (पूर्वाह्न)
3.	श्री एम० अरुलदास	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास	क्षेत्रीय कार्यालय, मद्रास	28-9-77 (पूर्वाह्न)
4.	श्री पी० एस० मलिक	केन्द्रीय रेडियो निर्माण एवं विकास प्रबन्ध, नई दिल्ली	केन्द्रीय रेडियो निर्माण एवं विकास प्रबन्ध, नई दिल्ली	22-9-77 (पूर्वाह्न)
5.	श्री ही० बी० मूद	वैमानिक संचार स्टेशन, लखनऊ	वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली	15-10-77 (पूर्वाह्न)
6.	श्री टी० आर० शास्त्री	वैमानिक संचार स्टेशन, कठगोड़	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	19-11-77

मत्य देव शर्मा,
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1978

सं० ए० 32013/13/76-ई० एस०—राष्ट्रपति ने श्री एम० एम० चावला को 1 दिसम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से तथा अन्य आदेश होने तक नियमित आधार पर नियन्त्रक वैमानिक निरीक्षण के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें बम्बई में तैनात किया है।

दिनांक 13 जनवरी 1978

सं० ए० 32013/6/76-ई० एस०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से 31-12-1977 तक तदर्थ आधार पर विमान निरीक्षक के पद पर नियुक्त किया है:—

क्रम सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख	तैनाती स्टेशन
1.	ललित मोहन माथुर	12-10-77	महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय)
2.	हरिहर प्रसाद	12-10-77	क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई
3.	रमेश नारायण शास्त्री	22-12-77	क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई

सुरजीत लाल खांडपुर.
महायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहृतालय

इलाहाबाद, दिनांक 17 दिसम्बर 1977

सं० 28/1977—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, बरेली के अन्तर्गत अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बरेली में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' के रूप में तैनात श्री पी० एस० गोप्यल, दिनांक 31-10-1977 को दोपहर के बाद से सरकारी सेवा से सेवामुक्त हो गए।

ए० एल० नन्दा,
समाहृता

निरीक्षण तथा लेखा परीक्षा निदेशालय,

सीमा एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 जनवरी 1978

सं० 1/78—हरि देव शर्मा ने, आर्धक्य के कारण सेवा निवृत्त हो जाने पर दिनांक 31-12-77 (श्रवण) को प्रशासन अधिकारी, निरीक्षण निदेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 17 जनवरी 1978

सं० 2/78—श्री एस० एन० तिवारी ने, जो निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के इलाहाबाद स्थित उत्तरी प्रावेशिक यूनिट में निरीक्षण

अधिकारी (सामा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) मुफ्त 'ख' के पद पर कार्य कर रहे थे, 31-12-77 (अपराह्न) से वार्षिक एकारण सेवा निवृत्त होने पर पद का कार्य भार छोड़ दिया है।

मु० वेंटरामन
निरीक्षण निदेशक

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 12 जनवरी 1978

स० 11-टी० आर० (6)/76—राष्ट्रपति श्री प्रबीर घोष को मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय, कलकत्ता में अस्थायी तौर पर 14 नवम्बर, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक इंजीनियरी—प्राध्यापक के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० एस० सिधू
नौवहन उप महानिदेशक

(वाणिज्य पोत परिवहन)

बम्बई-400001, दिनांक 16 जनवरी 1978

स० 2 (7) सीआरए/71—नौवहन महानिदेशक, बम्बई, स्थानापन सहायक नाविकगाल, श्री ओमप्रकाश कपूर को 14 नवम्बर, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्थानापन उप नाविकपाल, बम्बई के रूप में एतद्वारा नियुक्त करते हैं।

एम० वाला,
नौवहन उप महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 12 जनवरी 1978

स० 7/5/78-प्रशा०-तीन—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, प्रधान वेतन और लेखा कार्यालय, कृषि और सिंचाई मन्त्रालय (सिंचाई विभाग) नई दिल्ली के श्री नवीन चन्द्र भंडुला, कनिष्ठ लेखा अधिकारी को समय-समय पर शंसोधित हुए वित्त मन्त्रालय के का० शा० सं०-ई०-10 (24)-ई० III (बी०)/60, दिनांक 4-5-1961 में दी गई शर्तों पर रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में एक साल की श्रवधि के लिए केन्द्रीय जल आयोग में सहायक लेखा अधिकारी (लागत) की हैसियत से एतद्वारा नियुक्त करते हैं।

श्री नवीन चन्द्र भंडुला ने 7 जनवरी, 1978 के पूर्वाह्न को केन्द्रीय जल आयोग में सहायक लेखा अधिकारी (लागत) के पद का भार सम्भाल लिया है।

जसवन्त सिंह
अवर सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1978

स० क-19012/663/77-प्रशा०-पांच—अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग श्री बी० वी० रामना शर्मा, पर्यवेक्षक को

रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया अस्थायी अधिकारी पर तदर्थ रु० 31-8-77 (अपराह्न) से मुख्य क्षेत्र अध्ययन उप-प्रभाग-दो, केन्द्रीय जल आयोग, श्रीरंगाबाद में सहायक अभियन्ता की श्रेणी में अगले आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

श्री बी० वी० रामना शर्मा ने सूखा क्षेत्र अध्ययन उप-प्रभाग-दो, श्रीरंगाबाद में 31-8-77 (अपराह्न) से सहायक अभियन्ता का पद-भार ग्रहण कर लिया है।

दिनांक 16 जनवरी 1978

स० 19012/39/77-प्रशा० पांच—अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग श्री डी० एस० कलोटी, अनुनाद्यान रहाक को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया अस्थायी अधिकारी पर तदर्थ रु० 17-12-1977 (अपराह्न) से 10-5-1978 तक या जब तक पद को स्थायी रूप से भरा जाता है जो भी पहले हो केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अनुसंधान अधिकारी (भा०टीकी) की श्रेणी में नियुक्त करते हैं।

जितेन्द्र कुमार साहा
अवर सचिव

कार्यालय महानिदेशक (निर्माण)

के० लो० नि० विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1978

स० 23/2/77-ई० सी० II—केन्द्रीय लोक निर्माण के निम्न अधिकारी वार्षिक र्का आयु (58 वर्ष) प्राप्त करके 31 दिसम्बर, 1977 (दोहर बाद) को सरकारी सेवा से नियुक्त हो गए हैं।

स० नाम और पद

कार्यालय

- श्री एस० के० बोस, मुख्य इंजीनियर पूर्वी अंचल, कलकत्ता।
- श्री एम० आर० साहा, निर्माण सर्वेक्षण दिल्ली केन्द्रीय प्रमण्डल स० 3 नई दिल्ली।

स० स० प्र० राव
प्रशासन उपनिदेशक
कृते प्रमण्डल इंजीनियर

निर्माण, आवास, पूर्ति और पुर्वाह्न मन्त्रालय

पूर्ति विभाग

राष्ट्रीय परीक्षण गृह

अनीपुर कलकत्ता-27, दिनांक 10 जनवरी 1978

स० जी० 65/शी (कात)—अप्रो हस्ताक्षरित इसी द्वारा राष्ट्रीय परीक्षण गृह, बम्बई शाखा, बम्बई के वैज्ञानिक सहायकों (रसायन) मर्जश्री बी० बी० याटेन और आर० टी० इशार्ह को

यथाक्रम 25-10-77 (पूर्वाह्न) और 23-11-77 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक उसी कार्यालय में तदर्थ वैज्ञानिक अधिकारियों (रसायन) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं 318/ए—प्रत्रो हस्ताख्यरित राष्ट्रीय परोक्षण गृह, कलकत्ता के वैज्ञानिक सहायक (ग्रन्थिक) श्रौ एन० राधाहुन को 1-12-77 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक उसी कार्यालय में तदर्थ वैज्ञानिक अधिकारी (ग्रन्थिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

वी० सी० विष्वास
युग्म निदेशक
राष्ट्रीय परोक्षण गृह

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंदालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड
कम्पनियोंके रजिस्ट्रर का व्यायालय
कम्पनी अधिनियम 1956 और बिहार साहित्य भवन
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1978

सं 16115/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एनद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बिहार साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विवरित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सिडिम इन्जीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 11 जनवरी 1978

सं 26942/500 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एनद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सिडिम इन्जीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विवरित कर दी जायगी।

एस० सी० नाथ,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रर
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम 1956 और तेली बोर्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

चन्डीगढ़, तारीख 10 जनवरी 1978

सं जी/स्टेट/560/2490/10807—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एनद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर तेली बोर्डस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रति-

कूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विवरित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाश तायल,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
पं०, हि० ब० चन्डीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मे० रंगटा स्ट्रा बोर्ड एण्ड पेपर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 17 जनवरी 1978

सं 1245/78/26—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एनद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मे० रंगटा स्ट्रा बोर्ड एण्ड पेपर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विवरित कर दी जायेगी।

जसराज बोहरा,
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कार्यालय आयकर आयुक्त,
नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1978

आयकर

फा० सं० जुरि-दिल्ली/2/77-78/33786—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वाँ) की धारा 125ए की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले जारी की गई अधिसूचनाओं में आशिक परिवर्तन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-2 निदेश देते हैं कि किसी भी क्षेत्र या व्यक्तियों या व्यक्तियों के बर्गों या आय या आय के बर्गों या मामलों या मामलों के बर्गों के बारे में आयकर अधिकारी, डि०-६ (13), नई दिल्ली को प्रदत्त की गई या सौंपी गई किसी या सभी शक्तियों अथवा कार्यों का प्रयोग या निष्पादन निरोक्ति सहायक आयकर आयुक्त, रेंज-2-ई द्वारा समर्ती रूप से किया जायेगा।

कार्यों के निष्पादन की सुविधा के लिए आयकर आयुक्त दिल्ली-2 निरोक्ति सहायक आयकर आयुक्त, रेंज 2-ई को ऐसे आदेश पास करने के लिए भी प्राधिकृत करते हैं, जैसा कि आयकर अधिनियम 1961 की धारा 125ए की उपधारा (2) के अनुसार अपेक्षित है।

यह अधिसूचना 11-1-1978 से लागू होगी।

फ० सं० जुरि/दिल्ली/2/77-78/33898—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वाँ) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस बारे में प्राप्त अन्य

सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहल के मध्ये आदेशों में आंशिक परिवर्तन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली निदेश देते हैं। कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उसी अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्टों/सर्किलों के आयकर अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के बगैं, आय या आय के बगैं तथा मामलों या मामलों के बगैं के बारे में उक्त अधिनियम के अन्तर्गत निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेगे:—

अनुसूची

रेज

आयकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल

1

2

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रेज-2-वी, नई दिल्ली।	1. डिं-6 (13) नई दिल्ली को छोड़कर डिं-6, नई दिल्ली।
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेज-2-ई, नई दिल्ली।	1. कम्पनी सर्किल-24, नई दिल्ली। 2 डिं-6 (13), नई दिल्ली।

यह अधिसूचना दिनांक 11-1-1978 से लागू होगी।

दिनांक 12 जनवरी 1978

फा० स० जुरि-दिल्ली/2/77-78/34180—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस सम्बन्ध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले के सभी आदेशों में परिवर्तन करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-2, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त उसी अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्टों/सर्किलों के आयकर अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के बगैं या आय या आय के बगैं या मामलों या मामलों के बगैं के बारे में उक्त अधिनियम के अन्तर्गत निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी कार्य करेगे:—

अनुसूची

रेज

आयकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल

1

2

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेज-2-ए, नई दिल्ली।	कम्पनी सर्किल-1, 4, 5, 6, 8, 9, 11 तथा 17, नई दिल्ली।
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेज-2-सी-तथा-सम्पदा शल्क, नई दिल्ली।	1 सम्पदा शुल्क-तथा-आयकर सर्किल

1	2
	2 अतिरिक्त सम्पदा शुल्क-तथा आयकर सर्किल, नई दिल्ली।
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त रेज-2-डी, नई दिल्ली।	1. कम्पनी सर्किल-18, 21, 22, नई दिल्ली।
	2 ठेकेदार सर्किल, नई दिल्ली।
	3. बक्सील सर्किल-1 तथा 2, नई दिल्ली।
	4 ट्रस्ट सर्किल, नई दिल्ली।

यह अधिसूचना 16-1-1978 से लागू होगी।

ए० सी० जैन,
आयकर आयुक्त, दिल्ली-2
नई दिल्ली

बम्बई, दिनांक 28 अक्टूबर 1977

(आयकर स्थापना सम्बन्धी)

स० 403—इसके द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को, उनके नाम के सामने दी गई तारीख से मौलिक रूप में वर्ग-वर्ग के आयकर अधिकारी के पदों पर नियुक्त किया जाता है:—

(1) श्री वी० एस० सावन्त	2-12-76
(2) श्री ए० एल० अरोक्तिकादास	1-2-77
(3) श्री एम० वी० सावन्त	1-3-77
(4) श्री वी० एस० गोठे	1-4-77
(5) श्रीमती डी० एस० मणी	1-6-77
(6) श्री एम० वी० पाटणकर	1-7-77
(7) श्रो एस० एन० पाटोने (अनुसूचना जाति)	1-7-77
(8) श्री वी० शिवगंकरन	1-8-77
(9) श्रो एप० एन० भीनो (अनु० जा०)	1-8-77
(10) श्रो एप० एस० अश्वारकर	1-8-77
(11) श्री टी० वी० एम० वारियर	1-8-77
(12) श्री एस० डी० धोलप	1-8-77
(13) श्री वी० के० वर्तेक	1-8-77
(14) श्रो एव० एस० आम्बे	1-8-77
(15) कु० एस० ए० मन्दी	1-8-77
(16) श्रो एस० जी० कुडव	1-8-77
(17) श्रो एस० बो० सावले (अनु० जन जाति)	1-8-77
(18) श्री वी० वी० राजवाडे	1-8-77
(19) श्री एम० एम० सुककणकर	1-8-77
(20) श्री पी० एस० पी० अर्धवंगार	1-8-77
(21) श्री एम० एस० मन्दी	1-8-77
(22) श्री के० आर० राजू	1-8-77
(23) श्री जी० एल० खुराना	1-8-77

(24) श्री एस० एल० भट्ट	.	1-8-77
(25) श्री बी० एम० भगत	.	1-8-77
(26) श्री एस० जी० ठाकुर	.	1-8-77
(27) श्री एस० पी० लम्बा	.	1-8-77
(28) श्री एस० सी० पुरंदरे	.	1-8-77
(29) श्री एम० एच० शेज	.	1-8-77

ह०/-	ह०/-
(जे० कृष्णामूर्ति)	(एस० टी० तिहमलालारी)
आयकर आयुक्त, बम्बई नगर-2, बम्बई।	आयकर आयुक्त, बम्बई नगर-1, बम्बई।
(बी० आर० तलबड़कर)	(एस० एस० कपूर)
आयकर आयुक्त, बम्बई नगर-4, बम्बई।	आयकर आयुक्त, बम्बई नगर-3, बम्बई।
(के० एन० अनुतराम अच्युतराम)	(ए० ए० काजी)
आयकर आयुक्त, बम्बई नगर-6, बम्बई।	आयकर आयुक्त बम्बई नगर-5 बम्बई।
(आर० वेंकटरामन)	(टी० एस० आर० नरसिंहम्)
आयकर आयुक्त, बम्बई नगर-8 व 11, बम्बई।	आयकर आयुक्त, बम्बई नगर-7, बम्बई।
(के० के० सेन)	(कंवल कृष्ण)
आयकर आयुक्त, बम्बई नगर-10, बम्बई।	आयकर आयुक्त, बम्बई नगर-9, बम्बई।
—	जे० के० राव
कार्यालय आयकर अपील अधिकरण	आयकर अधिकारी (मुख्या०), प्रशा०-1, बम्बई नगर, बम्बई।

कार्यालय आयकर अपील अधिकरण

बम्बई-20, दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/77-भा० III—श्री अमित्रका प्रसाद, सहायक पंजीकार, आयकर अपील अधिकरण, पटना न्यायपीठ, पटना अधिवर्षिता की आयु को प्रात होने पर दिनांक 31-12-1977 (प्रपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 13 जनवरी 1978

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/77-भा० II—श्री निरंजन दास, आयकर अपील अधिकरण के दिल्ली न्यायपीठ के स्थानापन्न सहायक अधीक्षक, जिन्हें तदर्थे आयकर अपील अधिकरण के प्रमुख सर न्यायपीठ में सहायक पंजीकार के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया गया था, (कृपया देखिये इस कार्यालय के दिनांक 28 नवम्बर, 1977 की समसंबंधीक अधिसूचना) को अब श्री सतपाल, सहायक पंजीकार, आयकर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, जिनकी छुट्टी मंजूर की गयी, के स्थान पर अवकाश रिक्षित में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में रु 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर दिनांक 14 नवम्बर, 1977 से 13 जनवरी, 1978 तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया गया था, (कृपया देखिये इस कार्यालय के दिनांक 28 नवम्बर, 1977 की समसंबंधीक अधिसूचना) को अब श्री सतपाल, सहायक पंजीकार, आयकर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, जिनकी छुट्टी मंजूर की गयी, के स्थान पर अवकाश रिक्षित, में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ नई दिल्ली में दिनांक 14 जनवरी, 1978 से 10 फरवरी, 1978 तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

पंजीकार के पद पर और छह महीने के लिए अर्थात् 17-1-78 (प्रवाह्न) से 16-7-1978 तक या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीघ्रतर हो, कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थे आधार पर है और यह श्री निरंजन दास को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थे आधार पर प्रदत्त सेवाएँ न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिणित की जायगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोत्तर किए जाने की पावता ही प्रदान करेगी।

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/77-भा० II—श्री ए० हनुमन्थ राव, पंजीकार, आयुर्वेद और होमियोपैथी बोर्ड, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद को आयकर अपील अधिकरण के इन्दौर न्यायपीठ में सहायक पंजीकार के पद पर अस्थायी क्षमता में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर दिनांक 28-12-1977 (प्रवाह्न) से अगला आदेश होने तक नियुक्त किया जाता है।

वे दिनांक 28-12-1977 (प्रवाह्न) से दो वर्षों के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे।

दिनांक 16 जनवरी 1978

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/77-भा० II—श्री ए० के० दलबी, जो आयकर अपील अधिकरण के उत्तरी अंचल, नई दिल्ली के उपाध्यक्ष के वैयक्तिक सहायक है और जिन्हें श्री सी० एल० भनोट, सहायक पंजीकार, आयकर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, जिनकी छुट्टी मंजूर की गयी, के स्थान पर अवकाश रिक्षित में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में रु 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर दिनांक 14 नवम्बर, 1977 से 13 जनवरी, 1978 तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया गया था, (कृपया देखिये इस कार्यालय के दिनांक 28 नवम्बर, 1977 की समसंबंधीक अधिसूचना) को अब श्री सतपाल, सहायक पंजीकार, आयकर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, जिनकी छुट्टी मंजूर की गयी, के स्थान पर अवकाश रिक्षित, में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ नई दिल्ली में दिनांक 14 जनवरी, 1978 से 10 फरवरी, 1978 तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थे आधार पर है और यह श्री ए० के० दलबी को उसी को श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थे आधार पर प्रदत्त सेवाएँ न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिणित की जायगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोत्तर किए जाने की पावता ही प्रदान करेगी।

पी० डी० माथुर
अध्यक्ष

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 जनवरी, 1978

निदेश सं० सीएचडी/34/77-78:—यतः मुझे रविन्द्र कुमार पठानिया,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1290, सैकटर 21-बी० है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में प्रै. उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, वर्षतः—

1. श्रीमती करतार कौर पत्नी श्री किशन सिंह निवासी मकान नं० 2064, सैकटर 15-बी० चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. (1) डा० सूरज प्रकाश शर्मा पुत्र स्व० डा० कृष्ण शर्मा,

(2) श्रीमती राज शर्मा पत्नी डा० सूरज प्रकाश शर्मा निवासी मकान नं० 1290, सैकटर 21-बी०, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी मकान नं० 1290, सैकटर 21-बी०, चण्डीगढ़ और जिसका रकवा 249.40 वर्ग गज है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता चण्डीगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक नं० 278 तिथि 8 जून, 1977 पर दर्ज है)।

रविन्द्र कुमार पठानिया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 17 जनवरी, 1978

मोहर :

प्रलूप प्राई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 जनवरी 1978

निदेश सं० केटीएल/1/77-78 :—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० विलिंग जो कि पार्कन्यू रेस्टोरेंट के नाम से है तथा जो सिटी रोड, कथल में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कथल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) वे बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिविस में बास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है :—

(क) प्रभारण से हुई किसी आय की बाबत, उस अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरीश चन्द्र पुत्र श्री ईश्वर दास अरोड़ा ट्रैडिंग कारपोरेशन, कृष्णगढ़, थानेश्वर (कुरुक्षेत्र)।
(अन्तरक)

2. डा० राम नाथ पुत्र श्री शेर चन्द्र, मावन बाजार, कैथल।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विलिंग जोकि पार्कन्यू रेस्टोरेंट के नाम से पुकारी जाती है और जो सिटी रोड, कैथल में स्थित है और जिसका रकमा 69.5 वर्ग गज है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता कथल के कार्यालय में रजिस्ट्री कराक 239, मास मई, 1977 में दर्ज है)।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज, रोहतक।

दिनांक : 9 जनवरी 1978

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

कार्यालय, अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 जनवरी, 1978.

निर्देश सं० ए० आर० II/2468-1/मई-77:—अतः मुझे,
जी० ए० जेम्स,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सीटी० मव० नं० सी०/1014 सी०/1015, है
तथा जो भानोमाला रोड में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पुर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 7 मई, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए
तथा पारा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए:

अतः श्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपप्रारा
(1) के विवेत निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यत —

1. श्रीमती श्रीमा ईचं नादिरगाह एण्ड कावरजी रस्तमजी
जुस्मा इन्फ रंगु पत्र रुक्काकूटिक्स एड एक्जूक्यूटर, शेरीने
हरमुसजी जमशीदजी अनिता मसस (अन्तरक)

2. मैसर्स, गजश कन्ट्रक्शन कं० (अन्तरिती)

3. (1) श्रीमती शेख मुहम्मद वाई ऊमर, (2) श्रीमती
एस० एस० कुलकर्णी, (3) श्रीमती डी० जे० सतदाना

(4) श्रीमती फर्नांडीम, (5) श्रीमती ई० डिस्ट्रूजा, (6)
श्री आर० एस० चावर्ग्या, (7) श्रीमती पूर्णिमा बी०

देसाई, (8) श्री बी० दोगवजी वटगरा, (9) श्री पी०
एल० आर० शेनाय, (10) श्री एस० एम० पारीख, (11)

श्री शामश कुर्गियन, (12) श्री थोमस कुर्गियन, (13)

श्रीमती मीरा एम० देशपाणे, (14) श्रीमती मीरा एस०
देशपाणे, (15) श्री एन० ग० नारान्धा, (16) श्री अस्पी

ए० जोशी (17) श्रीमती जे० पी० फरेरा, (18) श्री पी०
एम० बनकदिया, (19) श्रीमती मेनिका डी० मोहिन्दा।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग न सम्पत्ति है)

4. श्रीमती/ कोशलया संपत्ति (कनफर्मिंग पार्टी)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधिओहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिओहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं,
वही प्रथम होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया
है।

अनुसूची

पहला :—रैयतावारी पट्टे की जमीन या मदान का वह
तमाम टकड़ा या भाग, उस पर खड़ी बाड़ी किराए के और रिहा-
यशीधरों सहित, जो बम्बई द्वीप बम्बई उपनगर जिले और बम्बई
महानगर के बान्धा रजिस्ट्री उप-जिले में मौजूद पड़ा हुआ डांडा
स्कीम का प्लाट नं० 44 है। माप में 781 वर्ग गज या उसके आस-
पास (यानी 653.30 वर्ग मीटर) है। इसका सिटी सर्वें सं०
100-1015—बम्बई उपनगर संभाग है और बम्बई महानगर
निगम के रिकार्ड म नगर पालिका के एच० वार्ड नं० 1900 डांडा
स्कीम के अंतर्गत दर्ज है और इसकी सीमा इस प्रकार है:—

पूर्व की ओर : सी० टी० एन० सं० 1016,

पश्चिम की ओर : सी० टी० एस० नं० 1031,

उत्तर की ओर : नीचे बताया गया प्लाट और दक्षिण की ओर
एक लेन।

दूसरा :—रैयतावारी पट्टे की जमीन का वह तमाम टकड़ा
या भाग उस पर खड़ी बाड़ी और किराये तथा रियाहायशी घरों
सहित जो बम्बई द्वीप, बम्बई उप-जिले और बम्बई महानगर के
बान्धा उपजिले में मौजूद पड़ा हुआ है। डांडा स्कीम का प्लाट नं०
44 है तथा जो माप में 115 वर्ग गज (अर्थात् 96.15 वर्ग मीटर
के बाराबर है)। इसका सी० टी० सर्वेक्षण सं० सी०/1014
बम्बई उपनगर संभाग है और चारों ओरसे से इस प्रकार से घिरा
हुआ है और इसकी सीमाएँ इस प्रकार हैं:—

पूर्व में : सी० टी० एस० सं० 1010,

पश्चिम में : 1013

दक्षिण में : जमिन का वह प्लाट है जिसका वणन पहले
में किया गया है और

उत्तर में : सी० टी० एस० 1013 है।

जी० ए० जेम्स

सक्षम प्राधिकारी,

महायकर आयकर आयुक्त (निरोक्षण),

अर्जन इलाका 2, बम्बई.

तारीख : 12 जनवरी, 1978

मोहर :

प्रस्तुति आई०टी०एन०एस०-----
अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अधिकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जनवरी, 1978

निर्देश सं० अ० इ० १२/२४७१-४/सई०८८०-८८०-प्रतः मुझे
जी० ए० जम्स,

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकारा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० प्लाट नं० 16 और 16ए या ए०ए० ए०स०
नं० 4, डांडा है तथा जो पेरी रोड में स्थित है (और इससे उपावड़
ग्रन्तुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 9-५-१९७७ को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अलू: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

1. दि सन्तुल बैंक एक्ज़क्यूटर एंड इंस्ट्री कम्पनी लिमिटेड
(अन्तरक)
2. दि यणमिना अपार्टमेंट्स को० आ०प हाउ० स०० लि०
(अन्तरिती)

3. (1) श्रीमती जेड० य० रहमान, (2) श्रीमती ए०ए०
बटाटावाला, (3) श्रीमती सलमा इस्माइल, (4) श्री ए०
ए० शलूमा सेथना, (5) कु० पी० ए०म० गनूना, (6) डा०
धरमवाल अध्रवाल, (7) श्री सी० बी० परेरा, (8) श्रीमती
ई० सी० फनसेका, (9) श्री आर० ए० फनन्डीज, (10)
श्री ए० अली, (11) श्री आई० ए० काजी, (12) श्रीमती
जे० मनचन्दा, (13) श्री ए० दावस्तानी, (14) श्री ए० बी०
दारुवाला, (15) श्री ए० बी० दारुवाला, (16) श्री रेगे
अलीमदा, (17) श्री पी० ए० अलेकजन्डर, (18) कु० जे०

बपोस्ता, (19) श्रीमती ए० एल० चेनांय, (20) श्री
ए० खा० न, (21) श्री ए० डी० अदाजनिया, (22)
(23) श्रीमती सी० अल्लमस, (23) श्री य० ए० जी०
मरचेन्ट, (24) श्री ए० वाई० लीली।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. (1) श्रीमती जेड० य० रहमान, (2) श्रीमती ए० ए०
बटाटावाला, (3) श्रीमती ए०स० आर० इस्माइल, (4) श्रीमती
ए०म० आर० इस्माइल, (5) श्री ए०ए०म० सेथना, (6) कु०
पी० ए०म० गनूना, (7) डा० सी० बी० परेरा, (8) श्री ई० सी०
फनसेका, (9) श्री ई० सी० फनसेका, (10) श्री ए० आर०
फनन्डीज, (11) श्री भगवा ए०म० ई० ए० अच्चीज़, (12)
श्री आई० ए० काजी, (13) श्रीमती जे० मनचन्दा जेटी०
(14) श्रीमती ए० दावस्तानी, (15) श्री उस० बी० दारुवाला
(16) श्री ए० बी० दारुवाला, (17) श्री आर० बी० अलोमदा
(18) श्री पी० ए० अलेकजन्डर, (19) कु० जे० बपिस्ता,
(20) श्रीमती ए० ए० चेनांय, (21) श्री ए० खा० न, (22)
श्री ए० डी० अदाजनिया, (23) श्रीमती सी० अल्लमस,
(24) श्री य० ए० जी० मरचेन्ट, (25) श्रीमती जेड० ए०म०
लीली जवाहर, (27), मैसर्स, द्वासेन सेनसेय नाथ० गाँड़ क०।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधिभोग सम्पत्ति है)
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिभोग सम्पत्ति के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।
अनुसूची

पहला :— सरकारी जमीन का वह तमाम टकड़ा जो माप में
958 वर्गांज या उसके समकक्ष 800. 98 वर्गमीटर । उसके
लगभग है, वह पेरी रोड, बांद्रा में म्युनिसिपल सीमा में, जिला बम्बई
उपनगर (अब बृहत्तर बम्बई) के रजिस्ट्रेशन उपजिला बांद्रा में
स्थित है जो उपनगर स्कीम सं० ४: (डांडा) की एन्ड्री सं० 1625,
प्लाट सं० 16 है तथा जिसका निर्धारण उस पर बने स्टूक्चर सहित
बांद्रा म्युनिसिपालिटी में एच० बाई० 1849 नं० 16 डांडा स्कीम के
अंतर्गत किया है तथा उसकी सीमायें इस प्रकार हैं :—

पूर्व की ओर : कातवाडी रोड है, पश्चिम की ओर : प्लाट
सं० 17 ए०स० ए० न० ४: है, उत्तर की ओर : पेरी रोड है,
और दक्षिण की ओर : प्लाट सं० 16-ए०, ए०स० ए०स० सं० ४:
(जैसा कि यहां नीचे दूसरे में वर्णित है) ।

द्वितीय :—सरकारी खाली जमीन का वह तमाम टकड़ा जो
माप में 694 वर्गांज या उसके समकक्ष 580. 25 वर्गमीटर या
उसके लगभग है वह पेरी रोड, बांद्रा, बांद्रा म्युनिसिपल सीमा
में डांडा में, जिला बम्बई उपनगर (अब बृहत्तर बम्बई) के रजिस्ट्रेशन
उपजिला बांद्रा में स्थित है कि उपनगर स्कीम सं० ४:
(जो यहां नीचे पहले में वर्णित है) ,

देखिये में प्लाट सं० 16-बी० एम० एम० सं० छ० है
पूर्व मे कान्तवाडी रोड है श्रीग
पश्चिम मे प्लाट सं० 17, एम० एम० न० छ० है।

(जे० ए० जेस्ट्र.),

सक्षम प्राधिकारी

गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन इलाका-2, बम्बई।

तारीख : 12 जनवरी, 1978

मोहर :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 21 जनवरी, 1978

निर्देश सं० अ० ई० -1/2037-13/77:—अतः मुझे,
एफ० जे० फर्नांडीज़,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एम० नं० 756, (अंश) माला एंड कंपा
हिल डिवीजन है तथा जो बी० रेसाई रोड, मे स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वार्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता,
अधिकारी के कार्यालय, बम्बई, मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 मई, 1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
असरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित
किया गया है:—

(क) अन्तरण मे हुई किसी प्राप्त की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या प्रन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या

अनु-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे
सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अनुसरण
मे, मे, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. 1. फामरोजे एम० पोचबानवाला,

2. शेरो ए० सूरदाम और

3. दिनशा मिनोचर स्पेन्सर

(अन्तरक)

2. श्री पुष्कराज लक्ष्मनदाम जैन

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 913/72/बंबई उप रजिस्ट्रार
अधिकारी द्वारा दिनांक 16 मई, 1977 को रजिस्टर्ड किया
गया है।

एफ० जे० फर्नांडीज़,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बम्बई।

तारीख : 21 जनवरी, 1978

मोहर :

प्ररूप ग्राह्य ३० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण),

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी 1978

निदेश सं० एलडीएच/यू०/६१/७७-७८:—अतः, मुझे,
नव्यु राम,
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० हिस्सा इमारत नं० बी०-23.59 थेटफल,
164½ वर्ग गज है तथा जो इण्डस्ट्रीयल एरिया 'ए' लुधियाना में स्थित
है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई,
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
रूप में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपद्यारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमर नाथ पुत्र श्री नन्द लाल निवासी बी०-४,
५५३ ब्रह्मपुरी, लुधियाना (अन्तरक)
2. श्री सतीश कुमार भघर पुत्र श्री ब्रिज लाल
सघर निवासी संजीव सांस्टिफिक, डायरेक्टर इण्डस्ट्रीयल एरिया,
'ए' लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कायबाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

हिस्सा इमारत नं० बी० 23.59 थेटफल 164½ वर्ग
गज जो कि इण्डस्ट्रीयल एरिया लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्री कर्ता के अभिलेख नं० 586
मई, 1977 में लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)।

नव्यु राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना।

तारीख : 13 जनवरी, 1978

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी 1978

निदेश सं० एलडीएच/201/77-78/—अतः, मुझे, नथ्य
राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० हिस्सा इमारत नं० बी०-23.59 क्षेत्रफल 164½ वर्ग गज है तथा जो इण्डस्ट्रीयल एरिया 'ए' लुधियाना में स्थित है (ग्रीष्म इससे तापबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बाल किशन दास पुत्र श्री नन्द लाल निवासी 551/बी-4, ब्रह्मपुरी, लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्री सतीश कुमार सघर पुत्र श्री बिज लाल सघर निवासी संजीव सांशिकिक डायरेक्टर इण्डस्ट्रीयल एरिया 'ए' लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

हिस्सा इमारत नं० बी० 23.59 क्षेत्रफल 164½ वर्ग गज जो कि इण्डस्ट्रीयल एरिया 'ए' लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता के अभिलेख नं० 587 मई, 1977 लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)।

नथ्य राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 13 जनवरी, 1978

मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एम०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी 1978

निदेश सं० एनडीएच/202/77-78:—अतः, मुझे, नथ्य
गम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० हिस्सा इमारत नं० बी० 23.59 क्षेत्रफल
164½ वर्ग गज है तथा जो इण्डस्ट्रीयल एरिया 'ए' लुधियाना
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रथ्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—446GI/77

1. श्री सुरिन्द्र मोहन पुत्र श्री किंदार नाथ निवासी
बी०-१, 1226, महला रजिन्द्र नगर, सिवल लाईन,
लुधियाना।
(अन्तरक)

2. मतीश कुमार सघर पुत्र श्री अंजलि लाल सघर, निवासी
संजीव सांहितिक डायरेज इण्डस्ट्रीयल एरिया 'ए',
लुधियाना।
(अन्तरीती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अस्थि व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एप्पेलिकेशन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रयोग्य 20-क में परिभासित है, वही
मर्थ होगा जो उस प्रयोग्य में दिया गया है।

अनुसूची

हिस्सा इमारत नं० बी० 23.59 क्षेत्रफल 164½
वर्ग गज जो कि इण्डस्ट्रीयल एरिया लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता के अभिलेख नं० 588,
मई, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय
में लिखा है)।

नथ्य राम
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 13 जनवरी, 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी 1978

निदेश सं० प्रलडीएच/4/39/77-78/—अतः, मुझे, नथू
राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी प्लाट खसरा नं० 1197/424 क्षेत्रफल 158.70 वर्ग गज है तथा जो गहलेवाल नजदीक भारत नगर चौक लुधियाना मेरे स्थित है (और इसे उपबाहु अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना मेरे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1098 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मेरा वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:—

1. श्रीमती भगवाना कौर विधवा श्री गुलजारा सिंह निवासी भगवान कलां तहसील: जगराऊं, जिला लुधियाना, खुद मुख्तियारे आम दिलजीत कौर पुत्री श्री गुलजारा सिंह, जीत मिह पुत्र श्री गुलजारा सिंह। (अन्तरक)

2. श्री रामेण कुमार खुराना पुत्र श्री चमन लाल खुराना निवासी 57 एल माडल टाउन लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सम्पत्ति नं० 1197/424 क्षेत्रफल 158.70 वर्ग गज जो कि गहलेवाल नजदीक भारत नगर चौक लुधियाना मेरे स्थित है।

(जायदाद जैसे के रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 433 मई, 1977 मेरी लुधियाना के कार्यालय में दर्ज है)।

नथू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज, लुधियाना।

तारीख : 13 जनवरी, 1978

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी 1978

निदेश सं० एलडीएच/4/108/77-78—अतः, मुझे,
नथू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु
से अधिक है

और जिसकी प्लाट खमरा नं० 1197/424, और थोकफल
158 57 वर्ग गज है तथा जो गहलेवाल नजदीक भारत नगर
चौक लुधियाना मे स्थित है (और इसमे उपावढ़ अनुसूची मे और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
लुधियाना मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जून, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायित्व में कमी करने या उसमे बदलने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनु-
मरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

1. श्रीमती भगवान कौर विधवा श्री गुलजारा सिंह
निवासी भोरेवाल कला नहसील: जगराऊ, जिला लुधियाना
खुद मुख्यात्यार याम दिलजीत कौर पुत्री श्री गुलजारा सिंह, श्री
जीत सिंह पुत्र श्री गुलजारा सिंह। (अन्तरक)

2 श्री परविन्द कुमार पुत्र श्री चमन लाल खोशला निवासी
57 एल माडल टाऊन लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आधेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

प्रत्यक्षी

प्लाट सम्पत्ति खमरा नं० 1197/424 थोकफल 158 70
वर्ग गज जो कि गहलेवाल नजदीक भारत नगर चौक लुधियाना
मे स्थित है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 954
जून, 1977 मे लुधियाना के कार्यालय मे दर्ज है)।

नथू राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना।

तारीख : 13 जनवरी, 1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी 1978

निदेश सं० एलडीएच/4/180/77-78 :—अतः, मुझे,
नथू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी प्लाट क्षेत्रफल 158.70 वर्ग गज और जिसका खसरा नं० 1197/424 है तथा जो गांव : गहलेवाल नजदीक भारत नगर चौक लुधियाना तहसील में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्षात् :—

1. श्रीमती भगवान कौर विधवा श्री गुलजारा सिंह निवासी गांव : भारोवाली कलां तहसील : अगराऊँ, जिला : लुधियाना। रेआम खुद मुख्यत्वार रेमाम दिलजीत कौर पुत्री श्री गुलजारा, श्री जीत सिंह पुत्र श्री गुलजारा सिंह।
(अन्तरक)

2. श्री चन्द्र कुमार पुत्र श्री चमन लाल, निवासी : 57 एल माडल टाउन, लुधियाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका खसरा नं० : 1197/424 क्षेत्रफल 158.70 वर्ग गज है जो गहलेवाल नजदीक भारत नगर चौक लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसे के रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 1674 अगस्त, 1977 में दर्ज है जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)।

नथू राम,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 13 जनवरी, 1978

मोहर :

प्रलूप प्राईंटी० एन० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी 1978

निदेश सं० एन० बी०ए० 3/77-78:—अतः मूँझे, नव्यराम, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० प्लाट है तथा जो सखुलर रोड, नाभा में स्थित है, (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रथतः—

1. सर्व श्री जगदीश सिंह और बल विन्दर सिंह पुत्र श्री अर्जन सिंह निवासी नाभा।

(अन्तरक)

2. मैसर्स अग्रवाल मिल्डा सखुलर रोड नाभा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वर्णीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमिक्षेत नं० 95 खत्तीनी नं० 149 खसरा नं० 49/7 मिन (7-11), 14 मिन (1-3), कुल 8 कनाल-14 मट्टे 1/2 भाग जो कि नाभा में स्थित है।

(जायदाद जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के अभिलेख नं० 347, मई, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता नाभा के कार्यालय में लिखा है,

नव्य राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रज, लुधियाना।

तारीख : 13 जनवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी 1978

निदेश सं० ना० भा०/7/77-78— अतः मुझे, नथ
राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो सरकुलर रोड, नाभा में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नाभा में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, जून,
1977,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे चरने में सुविधा के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-
सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वे श्री सुरजीत सिंह और श्री दर्शन सिंह पुर श्री अर्जन
सिंह निवासी नाभा।

(अन्तरक)

2. मैसर्स अग्रवाल मिल्ज सरकुलर रोड, नाभा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कायवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोदत्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

हप्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि थेनफल 4 कनाल-7 मरले-खेत नं० 95, खतौनी,
नं० 149, खसरा नं० 49/7 मिन (7-11), 14 मिन (1-3)
कुच 8 कनाल-14 मरले-कुच भाग जो कि सरकुलर रोड नाभा
में स्थित है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता के अभिलेख नं० 609
जून, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता नाभा के कार्यालय में लिखा है)।

नथू राम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 13 जनवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269वा

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी 1978

निदेश मं० एम्यारडी/21/77-78:—अन्तः, मुझे, नथू
राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी में भूमीवेती बाड़ी जोग है तथा जो गाव राजिन्दर नगर तहसील मरहंद जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मरहंद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से दूर्दृष्टि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 वा के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 वा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्व श्री भान सिह धकड़ पुत्र श्री नद सिह और श्री पृथ्वी सिह पुत्र सिह मल सिह गांव भोटरी जिला पटियाला।

(अन्तरक)

2. सर्व श्री भगत सिह, जीत सिह पुत्रां श्री हरभजन सिह, श्री केसर सिह और श्री बलजिन्दर सिह पुत्र श्री हाकम सिह, श्री महिन्दर सिह त्र श्री हाकम सिह, निवासी गांव : रजिन्दर नगर तहसील : सरहंद जिला : पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती बाड़ी वाली भूमि—खेत नं० 31 खतौनी नं० 64 और खसरा नं० 25/21/2-5 कनाल-2 मरले, 22/1-5 कनाल-2 मरले, 35/1-8, कनाल-0 मरला, 2-8 कनाल-0 मरले 9-8 कनाल, 10-8 कनाल, 11-8 कनाल, 12-8 कनाल, 19-8 कनाल, 36/4-8 कनाल, 20-8 कनाल, 5-8 कनाल, 6-8 कनाल, 7-8 कनाल, 14-8 कनाल, 15-8 कनाल, 16-8 कनाल, 17-8 कनाल, कुल 135 कनाल-4 मरले जो कि राजिन्दर नगर तहसील सरहिन्द में है।

(जायदाद जि कि रजिस्ट्रीकर्ता के अभिलेख नं० 676 मई, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरहिन्द के कार्यालय में लिखा है)।

नथू राम,
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 13 जनवरी, 1978

मोहर :

प्रेरूप आई० दी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी 1978

निदेश सं० एचएमपी/1/77-78/—अतः, मुझे, नथू
राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि थेटफल 2 कनाल-5 मरले साथ में एक
मकान है तथा जो हमीरपुर में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हमीरपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मई, 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269य के अनुसरण में
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269य की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सतनाम सिंह वेदी (आईटीओ), आई टी० ओ०
बठिंडा और श्री रजिन्द्र सिंह वेदी निवासी हमीरपुर

(अन्तरक)

2. (i) श्रीमती दमयन्ती देवी पत्नी श्री ओ० पी० गुप्ता ।
(ii) श्री भदन लाल और वर्गेरा-वर्गेरा पुत्र श्री लाहौरी राम
मारकत : ओ० पी० गुप्ता निरीक्षक खुराक और सिविल स्प्लाई,
गांधी चौक हमीरपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि थेटफल 2 कनाल-5 मरल साथ में एक मकान जो कि
हमीरपुर में स्थित है ।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 558 मई, 1977
में हमीरपुर के कार्यालय में लिखा है) ।

नथू राम,
सभाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 13 जनवरी, 1978

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी, 1978

निदेश सं० के एजेंट्स/1/77-78:—अतः मुझे, नत्यू
राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

ग्रीष्म जिसकी सं० एक घर जो कि तिरानी विलास गैस्ट हाउस
कुलू में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, कुलू
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख मई, 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम,
के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बदले में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य मासितियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपभारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—

5—446 GI 77

1. कनवर कुबेर सिंह पुत्र सर्वगवासी राजा भगवत सिंह
निवासी कुलू (हिमाचल प्रदेश)।

(अन्तरक)

2. शिमला चण्डीगढ़ डासिस सोसायटी विडपस हाउस,
मैन्टर, नं० 19-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
भव्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधायाय 20क म परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक घर जो तिरानी विलास गैस्ट हाउस के नाम से जाना
जाता है तथा जो कुलू में स्थित है।

(जायदाद जैसे के रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 189 मई,
1977 में दर्ज है जो के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कुलू कार्यालय,
में लिखा है।)

नत्यू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख . 13 जनवरी, 1978

मोहर :

प्रस्तुप शाई० टी० एन० प्स०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी, 1978

निवेदन सं० एलडीएच/49/77-78 :—श्रतः मुझे, नत्थू

राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० इमारत नं० बी- XV-992 क्षेत्रफल 316 वर्ग गज है तथा जो दौलेवाल जी० टी० रोड मिलरगंज लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबूझ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चव्यंति विभाग से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिसमें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवानः—

1. मसरज गुरु नानक फलैट वर्क्स मिलरगंज लुधियाना दुयारा श्री जगत सिंह पुत्र श्री विजन सिंह मिलरगंज लुधियाना।

(अन्तरक)

2. मैसर्स श्री राम किशन साइकल हॉटस्ट्रीज मिलरगंज जी० टी० रोड लुधियाना द्वारा श्री राम कुण्ठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इमारत नं० बी०-XV-992 क्षेत्रफल 316 वर्ग गज जो दौलेवाल जी० टी० रोड मिलर गंज लुधियाना में स्थित है।

(जयदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 488 मई, 1977, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय, में लिखा है)।

नत्थू राम,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लुधियाना।

तारीख : 13 जनवरी, 1978
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी 1978

निवेश सं० आरपीएन/6/77-78:—अतः मुझे, नव्य राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमी खंडफल 33 विधा 15 विधवे खेफत और खतोनी नं० 105/256 है तथा तथा जो गांव : बेली तहसील जिला : रूप नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रूप नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित तथा नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधिन निम्नलिखित अवक्षियों, अर्थात् :—

1. श्री गुलजार पुत्र श्री गंडा निवासी मीजा बेली, तहसील व जिला : रूप नगर।

(अन्तरक)

2. (i) श्री दिलबरा सिंह पुत्र श्री छोटा मिह निवासी गांव : बेली तहसील व जिला : रूप नगर।

(ii) श्रीमती सवरन कौर पत्नी श्री दिलबारा सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ;

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि अक्षफल 33 विधा विधवे खबत और खतोनी नं० 105/256 खसरा नं० 619/4 जो कि गांव : बेली तहसील रूप नगर में स्थित है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 537 मर्ट, 1977 दर्ज है, जैसे के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रूपनगर के कार्यालय में लिखा है)।

नव्य राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 13 जनवरी, 1978

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी 1978

निवेश सं०आर एन आई०/25/77-78—अतः मुझे नथु राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जि की सं० भूमि क्षेत्रफल 33 बिघे 16 विस्ते खेत और खतौनी नं० 108/299 खसरा नं० 619/2 है तथा जो गांव बेली तहसील रूपनगर में स्थित है अौर इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रूपनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः:—

1. श्री फैज मुहम्मद पुत्र श्री माना निवासी रायपुर खेतदार मौजा : बेली तहसील जिला : रूपनगर। (अन्तरक)

2. श्री गियान सिंह, पुत्र श्री विसाखी निवासी: गांव बेली तहसील: खरड़ जिला रूपनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशालियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 33 बिघा 16 विस्ते खेत खतौनी नं० 108/299 खसरा नं० 619/2 जो कि मौजा: बेली तहसील रूपनगर में स्थित है।

(जायेदाद जो कि रजिस्ट्री कर्ता के विलेख नं० 1086 जून 1977 में दर्ज है जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रूपनगर के कार्यालय में लिखा है।

नथु राम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 13 जनवरी, 1978
मोहर :

प्रलेप प्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भट्टडा

भट्टडा, दिनांक 19 जनवरी 1978

निवेश सं० गपी 81/बीपी/77-78:—यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके, पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, है तथा जो किलोयां-बाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अबोहर मेरजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथात्:—

1. श्रीमती महेन्द्र कौर विधवा जगत मिह पुन लाल सि निवासी पतरेयाला तहसील काजिनका।

(अन्तरक)

2. श्री कृष्ण कुमार पुन बृज लाल पुन दौलत राम निवासी भट्टडा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

80 कनाल जमीन किलोयांबाली गांव में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 304, मई, 1977 सब-रजिस्ट्रार अबोहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायश आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भट्टडा।

तारीख : 19 जनवरी, 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 19 जनवरी 1978

निदेश सं० ए पी ८०/ बीटीआई ७७-७८:—यतः मुझे,
पी० एन० मलिक,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो किलियाँ
वाली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अबोहर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मई, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के फलाह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रतिरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
माना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अद्वीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्रीमती महेन्द्र कौर विधवा जगत सिंह पुत्र लाल मिह
निवासी पतरेवाला तहसील फाजिल्का द्वारा बलदेव सिंह, पुत्र
जगत सिंह निवासी पतरेवाला ।

(अन्तरक)

2. श्री कुशल द्वोप सिंह सधुपुत्र रणधीर राज सिंह पुत्र
निरंजन सिंह सधु निवासी पतरेवाला अब सिरसा (हरियाणा) ।

(अन्तरिक्ती)

3. जैसा कि नं० 2 मे है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति
जिनके बार मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है ।

अनुसूची

80 कनाल जमीन गांव किलियां वाली तहसील फाजिल्का
जैसा कि रजिस्ट्री नं० 303 मई, 1977 सब-रजिस्ट्रार अबोहर
मे लिखा है ।

पी० एन० मलिक
सक्षय प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा ।

तारीख : 19 जनवरी, 1978

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 19 जनवरी 1978

निवेश सं० ए.पी 79/बी-टी/77-78—यतः मुझे,
पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो किलिया-
वाली में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी ऊर्जे या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती महेन्द्र कौर विधवा जगत सिंह पुत्र लाल सिंह
निवासी पतरेवाला तहसील फाजिल्का द्वारा बलदेव सिंह पुत्र
जगत सिंह मुख्यत्वारे आम निवासी पतरेवाला तहसील फाजिल्का
(अन्तरक)

2. श्री अमनदीप सिंह पुत्र रणधीर राज सिंह पुत्र निरंजन
सिंह निवासी सिरसा (हरियाणा)।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

82 कनाल 12 मरले जमीन किलियांवाली गांव में जैसाकि
रजिस्ट्री नं० 302 मई 1977 में लिखा है। सब-रजिस्ट्रार
अबोहर।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भटिंडा।

तारीख : 19 जनवरी, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 19 जनवरी 1978

निवेश नं० ए० पी० 78/1317/77-78.—गत: मुझे, पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किलियां वाली में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती महेन्द्र कौर विधवा जगत सिंह पुत्र लाल रिह निवासी पतरे वाला तहसील फजिलका द्वारा बलदेव सिंह पुत्र जगत सिंह मुख्यारे आम बासी पतरे वाला।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जगमोहन कौर पत्नी डा० रणधीर राज सिंह पुत्र निरजन सिंह निवासी सिरसा (हरियाणा)।

(अन्तरिती)

3. जैसाकि नं० 2 में दी गई है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

80 कनाल 7 मरले जमीन गांव किलियां वाली में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 301 मई, 1977 सब-रजिस्ट्रार अबोहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा।

तारीख: 19 जनवरी, 1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष्ठ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, अर्जन रेज भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 19 जनवरी 1978

निवेदन नं० ए पी 83/1377/77-78 :—यतः मुझे,
पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष्ठ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसाकि अनुसूची में लिखा है तथा, जो किलियां
वाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अबोहर में रजिस्ट्री
करता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ष्ठ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
6-446GI/77

1. श्रीमणी महेन्द्र कौर विधवा जगत सिंह सुपुत्र लल मिंह
निवासी पतरेवाला तहसील काजिल्का द्वारा बलदेव सिंह पुत्र
जगत सिंह निवासी पतरेवाला।

(अन्तरक)

2. श्री गुरबचन सिंह पुत्र चूहर सिंह पुत्र धर्म सिंह निवासी
भटिंडा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

.इवांटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

94 कनाल 16 मरले जमीन कलियांवाली गांव में हैं जैसा
कि रजिस्ट्री नं० 306 मई, 1977 सब-रजिस्ट्रार अबोहर में
लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, भटिंडा।

तारीख : 19 जनवरी, 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी०एन०एम०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भट्टडा

भट्टडा, दिनांक 19 जनवरी 1978

निदेश मा० ना० गा०पी० 8२/१३७७/७८-७८— यत० मन्त्री० पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० में अधिक है

और नमकीन सूचना के अनुसूची में लिखत है, तथा जो किलिया वाली में स्थित है (और इसमें उपांबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कालिय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरङ्ग (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने का अन्तरक के दायित्व में कमी नहीं या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या हिसी घन या अन्य आस्तियों का, जिन्हे मार्गीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में नुविधा के लिए;

अस प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्ननिखित व्यक्तियों, अर्पात्:—

1 श्रीमती महेन्द्र कौर विधवा जगत १२ पुत्र वा १५ निवासी पतेरे वाला तहसील फाजिलका।

(अन्तरक)

2 श्री गुरवंज सिंह पुत्र ज्ञान सिंह पुत्र गुलाब सिंह निवासी भट्टिडा।

(अन्तरिती)

3 जैमा कि ना० 2 में लिखा है।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

4 जो अवित सम्पत्ति में सूचित है।

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधो व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही ग्रन्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

84 कनाल 1 मरला जमीन किलियाका वा गाव तहसील फाजिलका मेंजैसा कि रजिस्ट्री ना० 305 मई, 1977 सब-रजिस्ट्रार अबोहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भट्टडा।

तारीख 19 जनवरी 1978
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एम० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 जनवरी 1978

निदेश सं० ए० पी०-1741—यतः, मुझे, बी० एस०
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है जो बस्ती बाबा खेल
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः ग्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रकाश कौर पस्ति श्री कुलदीप सिंह 33-ग्राम०
माडल टाउन, होशियार पुर।

(अन्तरक)

2. म० डायमंड रबड़ हण्डस्ट्रीज बस्ती गोखा रोड, जालन्धर
शहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में भमाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रापरटी जैसा कि विलेख नं० 704 मई, 1977 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 17 जनवरी, 1978
मोहर

प्रस्तुप ग्राइंड ट्रॉय एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीजन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 जनवरी, 1978

निदेश सं० ए० पी०/1742/77-78:—यतः मुझे, बी० एस० दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और

जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो मोता सिंह नगर में स्थित है (प्रा० इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जालन्धर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए।

ग्रन्तः श्री, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री स्वर्ण सिंह पुत्र श्री महेंद्र चन्द निवासी जंडियाला, तहसील फिल्हौर, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री खुशाल सिंह पुत्र श्री मुन्नी सिंह निवासी परागपुर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सूची रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिप्रयोग :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि विलेख नं० 1752 जून, 77 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रीजन रेज, जालन्धर

तारीख : 17 जनवरी 1978

माहर :

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 जनवरी 1978

निदेश सं० ए० पी०/1743/77-78 :—यतः मुझे, वी० एस० दिह्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है

और जिमकी म० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गांव धनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री गुरनाम सिंह पुत्र श्री लैहना सिंह, निवासी धनाल, तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री इन्द्र सिंह अडापटिड पुत्र श्री केमर सिंह पुत्र श्री तुलसा सिंह निवासी गुरु नानक नगर जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा या।

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 1983 जून, 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता जालन्धर में लिखा गया है।

श्री एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 17 जनवरी, 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11 दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1978

निर्देश सं० आई० ए० मी०/क्व०/11/1289/77-78—

अतः मुझे, एन० एस० चौपडा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० 14 है तथा जो बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ब) ऐसो किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रष्ठा-तः:—

1. श्री महेश कुमार, सुपुत्र श्री शंकर दास, निवासी एस०-40, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती दर्शन कुमारी मेहता, पत्नी श्री एस० के० मेहता, निवासी 11-बी, जवाहर नगर, दिल्ली-7।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जो कि 200 वर्ग गज क्षेत्रफल के फ्रीहोल्ड प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 14, ब्लाक नं० 'एफ' है, बालीनगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व :	प्लाट नं० एफ०-13
पश्चिम :	प्लाट नं० एफ०-15
उत्तर :	सर्विस लेन
दक्षिण :	रोड।

एन० एस० चौपडा,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-11, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 11 जनवरी, 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०—
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1
4/14क, आसफाली मार्ग नई दिल्ली
नई दिल्ली-1, दिनांक 11 जनवरी 1978
निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1290/77-78:—
अतः मुझे एन० एम० चौपड़ा,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 2919-22 का 1/2 हिस्मा है तथा जो बहादुर-
गढ़, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 28 मई, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक
इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने की
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (i) श्री बनवारी लाल, सुपुत्र स्वर्गीय श्री मूल चन्द्रगुप्ता,
निवासी एच-74, कीर्ति नगर, नई दिल्ली ,
- (ii) सरदारी लाल गुप्ता, सुपुत्र स्वर्गीय श्री मूल चन्द्र
गुप्ता, 80-82 नागदेवी स्ट्रीट, बम्बई। इनके
आठारनी श्री बनवारी लाल गुप्ता के द्वारा,
- (iii) श्री गुलजारी लाल गुप्ता, सुपुत्र स्वर्गीय श्री

मूल चन्द्र गुप्ता, उनके घटारनी श्री बनवारी
लाल गुप्ता के द्वारा, सुपुत्र श्री मूल चन्द्र
गुप्ता।
(अन्तरक)

2. (i) मोहम्मद शाकिल, सुपुत्र श्री दोस्त मोहम्मद,
निवासी 7373, गुरुद्वारा बस्ती के पास, कुरेश
नगर, कामापुरा दिल्ली,
 - (ii) श्रीमती जीनत बेगम, पत्नी श्री दोस्त मोहम्मद,
7373, गुरुद्वारा बस्ती के पास, कुरेश नगर,
कामापुरा, दिल्ली,
 - (iii) श्रीमती जामीला, पत्नी, श्री श्री नूर मोहम्मद,
निवासी 5454, बस्ती हरफ्ल मिह, सदर
बाजार, दिल्ली।
(अन्तरिती)
3. (i) श्री तारा चन्द्र,
 - (ii) श्री एन० डी० जार्ज,
 - (iii) मै० हिन्द लैंदर स्टोरस,
 - (iv) मदन लाल,
 - (v) श्री गोपाल दास।

(वह व्यक्ति जो जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अज्ञाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

दुमंजिला मकान का 1/2 हिस्सा जैसा कि 200 वर्ग गज
क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 2919-22 है,
बहादुरगढ़ रोड, सदर बाजार, दिल्ली में है।

पूर्व :	मै० दिल्ली स्कीन ट्रैडिंग की जायदाद,
पश्चिम :	फूटा रोड,
उत्तर :	तेलीबाड़ा रोड,
दक्षिण :	मै० मण्डी तथा सैफ कंसियर की जायदाद।

एन० एस० चौपड़ा,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-१

तारीख : 11 जनवरी, 1978

मोहर :

प्रस्तुप आर्ड० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंजन रेज-11, दिल्ली-1
4/14क, आसफाली मार्ग, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1291/77-78:—

अतः मुझे, एन० एस० चौपडा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० एफ-14/5 है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6 मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के असरक के क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. श्री गोपाल कृष्ण, सुपुत्र श्री भगवान दास तथा श्रीमती कृष्ण दुलारी, पत्नी श्री गोपाल कृष्ण, निवासी एफ-14/5 माडल टाउन, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री मनोहर लाल बाटरा, सुपुत्र श्री जीवन्द राम, बाटरा, निवासी 6015-32 य० प०, जवाहर नगर, दिल्ली-7 ।

(अन्तरिती)

3. श्री टी० जी० फोअस

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के लिए कार्यवाहियों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के संबंध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला मकान जो कि 190 वर्ग गज क्षेत्रफल के फीहोल्ड प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 5, ब्लॉक नं० एफ-14 है, माडल टाउन कालौनी, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जायदाद नं० एफ-14/4

पश्चिम : लेन

उत्तर : रोड़

दक्षिण : रोड़ ।

एन० एस० चौपडा,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्रंजन रेज-11, दिल्ली, नई दिल्ली-1 ।

तारीख : 16 जनवरी, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/11/1292/77-78:—
अतः मुझे, एन० एस० चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० खारी बावरी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1903 (1903 ना 16) के प्रधोन, 8 जून, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविरुद्ध रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

7-446GI/77

1. श्रीमती कैलाश बती, पत्नी, सदगिय श्री दिशन चन्द
(2) श्री शिव कुमार, सुपुत्र श्री विश्वन चन्द, निवासी
1879, कुचा चेलन, खारी बाबली, दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री सोताराम (गोद लिया हुआ), सुपुत्र फकीर चन्द,
निवासी 1865, खारी बाबली, दिल्ली।
(अन्तरिती)

3. श्रीसीताराम , (वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला मकान जोकि 30 1/2 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 1865 है, मन, खारी बाबली, दिल्ली में है।

एन० एस० चौपड़ा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, , दिल्ली, नई दिल्ली-11

तारीख : 16 जनवरी, 1978

मोहर :

प्रस्तुप स्वाई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 जनवरी 1978

निदेश स० ए० एस० आर० /49/77-78—पत्र, मुझे,
एस० के० गोयः।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास अनु
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- सुधे में अधिक है,

और जिसकी स० भू-खण्ड है जो लारेम रोड, अमृतसर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शहर अमृतसर में है
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
मई, 1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तररु (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रानिकन
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावन उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भा-हा
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, जी धारा 269-ग के अनुमरण में
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अस्तियों अर्थात् :—

1. श्री माहन मिह पुत्र अर्जन सिंह निवासी 60-लारेस रोड,
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री स्वर्ण सिंह पुत्र शेर मिह ग्राम-तलवन्डी, डोगरान,
तहसील, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर क्रमांक न० 2 पर अक्ति है और यदि
कोई विरोध हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो प्राप्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अब्राहामाक्षरी
जानता है फिर वह सम्पत्ति में रुचि रखता है)
को यह सूचना जाने करके दूर्वोक्ता सम्पत्ति रुचि अन्तर्न ने निए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति रुचि अन्तर्न में कोई भी आवश्यक —

(क) इस सूचना के गाजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी अस्तित्वाता;

(ख) इस सूचना के गाजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में यथाविभागित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भू-खण्ड 415 वर्गगज, लारेम रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री-
क्षत विलेख संख्या 506 मई, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल,
भारतीय अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख . 4 जनवरी, 1978
मोहर .

प्रारूप आई० टो० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 जनवरी 1978

निकेंद्र मं० ए० एम० आर०/५०/७७-७८—यतः मुझे,
एस० के० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बता गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने वाले बारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसको स० भू-खण्ड नं० 66 है, ता जो जोगी कालोनी अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपचाल अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिदारा, के कार्यालय, शहर-अमृतसर में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का बारण है कि गत्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल ता पद्धति प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) आर अन्तरितो (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी दिसी आव या दिसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हे भारतीय आयन्कर अधिनियम, 1922 (1922 ना 11) या उक्त अधीनियम प्राधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्ता अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्ता अधिनियम को धारा 269-घ को उपग्राहा (1) के प्रत्योतनिभित्ति व्यक्तियों, प्रयत्नत:-

1. श्रीमती कुमारी कपूर पत्नी श्री चिमनलाल निवासी कोटी नं० 3, माल रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2 श्री वेद प्रह्लाद पुत्र श्री भंजनराम निवासी अन्दर हा ती गेट, कटरा परजा, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अवित है और यदि कोई फिरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे से अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अर्यवाहिया शुरु करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं; वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भू-खण्ड नं० 66, जोगी कालोनी, अमृतसर जैसाकि रजिस्ट्री-घृन विनेक सखा 655 मई, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गहर अमृतसर में लिखी है।

एस० के० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 7 जनवरी 1978

मोहर :

प्रलेप भाई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज अमृतसर
अमृतसर, 12 जनवरी 1978

निदेश सं० ए० एस० आर०/51/77-78—यतः मुझे,
एस० के० गोयल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन
सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मं० नं० 355/XII-3 एवं 304/XII/3, एम०
सो० ए०/नं० 106/XII खाना समारी है तथा कटरा एवं कचा
मिस्सर बेलोराम, अमृतसर में स्थित है (और इस उपायद्वारा अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिक्रिया की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत
से अधिक है और प्रतिक्रिया (प्रतिक्रिया) और प्रतिरिति (प्रतिरितियों)
के बोच ऐसे अन्तरण के लिए संय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रतिरिति लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्य
में कमी करने या उससे बचने के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना
चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,
समिक्षित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री रोशन लाल पुत्र श्री गंगा विश्वन श्री सतपाल,
विश्वनाथ पुत्रगण श्री गंगा विश्वन श्री फकीरचन्द्र पुत्र श्री
गंगा विश्वन खन्ना, श्री राम प्रकाश खन्ना पुत्र श्री नरायण दास
खन्ना द्वारा श्री सरदारी लाल संचेवा, एड्वोकेट, अमृतसर।
(अन्तरक)

2. सर्वेश्वी बलदेव राज, केवल कुण्ठ पुत्रगण श्री सीता राम
म० नं० 355/XII-3 एवं 304/XII-3 एम० सी० ए० 106/XII
खाना समारी कटरा एवं कूचा मिस्सर बेलोराम अन्दर हाथीगेट
अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर अमांक 2 पर अधीन है और यदि कोई
किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हाचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितवद्धि है
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रायित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

म० नं० 355/XII-3 एवं० 304/XII-3, एम० सी० ए०
106/12 खाना समारी कटरा एवं कूचा मिस्सर बेली राम अन्दर
हाथीगेट अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 645
मई, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, शहर अमृतसर में हितवद्धि
है।

एस० के० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतहर।

दिनांक : 10 जनवरी 1978

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद।

अहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1978

निश्चे स० ए० सी० क्य० 23/1/1300 (624)/16-6/
77-78—ग्रप: मुझे एस० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु से अधिक है,

और जिसकी सं० जागनाथ प्लाट शेर नं० 2, स्ट्रीट नं० 2,
जो जागनाथ प्लाट, राजकोट में स्थित है (अत्र इससे उपबद्ध
अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी
के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 24-5-1977

को पूर्वोक्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपषारा
(1) के ग्रन्ति निम्ननिबित व्यक्तियों, प्रार्थना:—

(1) डा० चौलाल अव०ल० ट६व०,
मंगा भुवन करणमिराजी रोड, राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सवीतावेन वाव०ल० ट६व०,
जलाराम निवास, 2, जागनाथ प्लाट,
राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मबद्द में कोई भी आंश्वप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्कालीन दर्ज तथा पर सूचना
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में नमाप्त होती हो, के भाने पूर्वान्तर अवित्यो
में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्राप्ति की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्तक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भासित हैं, वही अथ दी गया जा, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसंधी

एक अवन सम्पत्ति जो 360 वर्ग गज भूमि पर स्थित है
तथा जो जागनाथ प्लाट शेरी नं० 2, स्ट्रीट नं० 2, राजकोट म
स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 24-5-1977 वाले विक्री
दस्तावेज नं० 1117 में दिया गया है।

एस० सी० परीख,
मंगा प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 5-1-78

मोहर :

प्रस्तुप प्राईंटी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 जनवरी, 1978

निवेदण सं० पी० आर० 540/पक्य० 23-949/19-8/
77-78 :—यत मुझे, डी० सी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन संस्थम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी मं० नोंदृ नं० 1902, से 1905 वार्ड नं० 12
सूरत है तथा जो, राजवाडी, मदयपुरा, सूरत मे स्थित है (और
इससे डपावड़ अनुसूची मे श्रीग पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सूरत मे, 'रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 24 मई, 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा
के लिए; और/ वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी ब्रन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमनी अमीनाबीबी सुनेमान नाथाथी दक्षिण अफ्रीका
वासी, कुल मुख्तार: अहमद प्राहीम शेठ, बालेश्वर, ता०
पालमाना, जिला : सूरत।

(अन्तरक)

(2) 1. अहमद दाउद देदात,
2. आयेशा दाउद देदात मोटा, मीयां, मांग्रोल,
जिला सूरत।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
विषय कार्यवाहियां करगा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों मे मे किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हिन्दवन्द
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदा का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उप अध्याय मे दिया
गया है।

अनुसूची

जीमत तथा मकान जो, वार्ड नं० 7, नोंदृ नं० 1902 से 1905
रामपुरा, सूरत मे स्थित है और जिनका कुल माप 30, 10,
7, 10, 86, 97, 27, 59, 23, 10, 93 और 36 वर्गमीटर
है तथा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के मई, 1977
के रजिस्ट्रीकृत विनेम नं० 906 मे प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल,
संस्थम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 12 जनवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राप्ति ० टी० एन० ८३०

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वां (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाराष्ट्र आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 जनवरी, 1978

निदेश सं० पी० आर० 543/ग० सी० वय० 23-1008/
77-78—यह मुझे उ० सी० गोयल
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सप्तनि, फिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० में अधिक है।

और जिमकी सं० खुनी जपान वडौदा वभ्रा, स० न० 532/36
प्लाट न० 35 है तथा जा प्रबन्धापुर शापिंग सेंटर के पीछे, विश्वास
कालोनी, रेस बोस रोड, वडौदा में स्थित है (प्रौढ़ इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय वडौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1977
को पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सप्तनि
का उचित बाजार मूल्य—सबै दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान
प्रतिफल के मध्य प्राप्ति में मधिक है प्रौढ़ अन्तरक (अन्तरको)
प्रौढ़ अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तेसे अन्तरण के
लिए तथा पाया गया प्रतिफल 'उन्नति वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में गास्तवेन रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण म हूंड किमी ३।५ नी बावत उक्त प्रधि-
नियम व अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी
न हो या उसमें प्रवत न मुक्ति के लिए; और/या

(ख) एमी किमी ग्राम या किमी ग्रन या अन्य अस्तियों
का जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगजाती अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, तिनाने के
लिए सुकर बनाना।

प्रन. प्रव, उस प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रति-
स्तुप में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वां की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जति:—

1. श्री सतीश मनुभाई देसाई मार्फत मनुभाई शकर
भाई देसाई ११, कुज सोसाइटी, बड़ौदा-५।

(अन्तरक)

2 (1) श्री सुमत लाल शाह रमणलाल शाह

(2) विद्यागौरी सुमत लाल शाह,
परसन को० आ० हाउसिंग सोसाइटी, लि०
आर० बी० देसाई रोड, बड़ौदा।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त मम्पति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सप्तनि के अर्जन के मबद्द में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन बीं अवधि या तत्त्वाद्धी व्याप्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सप्तनि में हिस-
बद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापक-
भावित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका स० न० 532/36 लाट न० 35 कुल
माप 515 बर्ग मीटर है तथा जो अलकापुरी शापिंग मैन्टर, विश्वास
कालोनी, रेस बोस रोड, वडौदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी वडौदा के मई, 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख न०
865 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोप्तव
सभम प्राधिकारी,
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, अहमदाबाद

तारीख : 12 जनवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुत ग्राही ३० टो० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 जनवरी 1978

निवेदण सं० पी० आर०-५४४/ए० सी० क्य० २३-१००९/
६-१/७७-८—यतः मुझे, छी० सी० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी दो ग्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिभी सं० ५० फ्लैट नं० १-डी० है, तथा जो अलकापुरी
शार्पिंग सेंटर, विश्वास कालोनी, आर० सी० रोड, बड़ौदा में
स्थित है, (और इसे उपावद्ध अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीर्ड ऑफिसर के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्वयित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आर या किसी धन या अन्य आस्तियों,
जैसे जिन्हे मार्नीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में
मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्,—

(1) मै० ए० एम० पटेल, एण्ड कं० 205, यशकमल
बिल्डिंग, स्टेशन रोड, बड़ौदा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रभीला वेन मधुभाई श्रमीन कोठी नं०, चार०
रास्ता, बड़ौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या स्थानवंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रेयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

पनुमूल्यी

अवल संपत्ति जो फ्लैट नं० ४-डी० है जो अलकापुरी शार्पिंग
सेंटर, विश्वास कालोनी आर० सी० रोड, बड़ौदा में स्थित है और
जिसका कुल माप 1120 वर्गफुट है। जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी बड़ौदा के मई, 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
989 में प्रदर्शित है ।

डी० सी० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 12 जनवरी, 1978
मोहर

प्रृष्ठ प्राई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 जनवरी 1978

निदेश सं० पी० आर०—545/ए० सी० क्य०/23-1010/
6-1/77-78 :—यतः मुझे, डी० सी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एक फ्लेट नं० 4-सी० है, तथा जो अलकापुरी शार्पिंग सेंटर, विश्वास कालोनी, आर० सी० रोड, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण म हुई किसी आय को बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो भरने या उसमें वरने में सुविधा के लिए; प्रार० पा।

(ब) ऐसी किसी प्रार० या छिसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आप कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः पर, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

g—446GT/77

(1) मै० ए० पटेल ए०ड क०, 1 205 यशकमल बिल्डिंग, स्टेशन रोड, बड़ौदा-5।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मधुभाई जगभाई अमीन, 'तृप्ती' कोठी चार रास्ता, बड़ौदा।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वा. में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि सी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अच्छु संपत्ति जो फ्लेट नं० 4-सी० है, जो अलकापुरी शार्पिंग सेंटर, विश्वास कालोनी, रेस कोर्स रोड, बड़ौदा में स्थित है तथा जिसका कुल माप 1120 वर्गफट है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बड़ौदा 8 मई, 1977 के रजिस्ट्रीकृत थिलेक्स नं० 990 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 12 जनवरी, 1978

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 दिसम्बर 1977

निदेश सं० जी० आई० आर० नं० एस-158/ए० सी० क्य० ७७-७८:—अतः मुझे, प्रमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाजा टाकिज औब फील्मिश्टान सिनेमा नं० 31/60, महात्मा गांधी मार्ग, लखनऊ है तथा जो लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 मई, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिहें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात्:—

1. (1) महाराजा मानवेन्द्र शाह,

(2) तथा महाराज कुमार शाहदूल विक्रम शाह, 5, भगवान्दास रोड दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री शिवनारायण शाह मैनेजिंग डायरेक्टर साहू इन्वेस्ट-मेंट कं० हजरत गंज, लखनऊ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही पर्याय होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मशीनरी प्लान्ट सहित बिल्डिंग नं० 31/60, महात्मा गांधी मार्ग, लखनऊ जो प्लाजा टाकिज और औब फिल्मस्टान सिनेमा कहलाती है। क्षेत्र 8907 स्कूयर फीट तथा वह सब विवरण जो सेत डीड तथा फार्म 376 नं० 1626 I व तारीख 20 मई, 1977 में सब रजिस्ट्रार पर, लखनऊ के कार्यालय में दर्ज है।

प्रमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 19 दिसम्बर 1977
मोहर:

प्र० र० प्र० आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज लखनऊ
लखनऊ, दिनांक 9 जनवरी 1978

निरेंग सं० नं० 4-एफ०/ए० सी० क्य०/77-78:-—अतः
मुझे, अमर सिंह बिसेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नामार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है

और जिसकी सं० One House including shop at Kasdi Tale Muradbad
है तथा जो, मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 24 मई, 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नामार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नामार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने के लिये सुविधा
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अब्दुल अहद पुत्र अहमद बक्स

(अन्तरक)

2. श्री फजल हलाही

(अन्तरिती)

3. श्री अब्दुल अहद

(वह व्यक्ति, जिसके

अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौत पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान मय दो किते इकानात बाके मोहल्ला कासदी
टोला, मुरादाबाद जैसा कि फार्म 37-जी० संख्या 1210/77 में
वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में 24
मई, 1977 को दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 9 जनवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 जनवरी, 1978

निदेश सं० ओ०-११/ए० सो० कम०/७७-७८:—अतः

मुझे श्रमर सिह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इस के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के अधीन सकम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि
स्थ वर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसका सं० दि० रोमा सुगर वर्क्स ग्राम चौधेरी धूनधरिया
तथा रोसार शाहजहांपुर है तथा जो शाहजहांपुर में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शाहजहांपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27
मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रति फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
जो : अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जा
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269व के
अनुराण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्यास:—

1. मैसर्स कैरियर एण्ड कं० इण्डस्ट्री हाउस लि० कलकत्ता
(अन्तरक)
2. मैसर्स अवध सुगर मिल्स हरगाव सीतापुर।
(अन्तरिती)
3. मै० रोसा सुगर वर्क्स
(वह व्यक्ति जिसके अभियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

दि० रोसा सुगर वर्क्स स्थित ग्राम चौधेरा, धून धरिया
तथा रोसार ।

- (1) समस्त मकानात, स्टाफ क्वार्ट्स, शेष, स्टूक्चर,
बंगले, दफ्तर, आदि ।
- (2) फैक्ट्री भूमि पैमाईश 24.30 एकड़
- (3) समस्त चल सम्पत्ति—प्लान्ट्स, एलेक्ट्रिकल इन्टरनेशन्स
ट्यूब बैल, ब्वालर्स तथा अन्य सब प्रकार की मशीनरीयरियों, टूल्स
और आर्टिकल्स तथा सब सम्पत्ति जो सिलेण्ड एवं फार्म 37 जो
की संख्या 1588/77 निनादक 27 मई, 1977 में वर्णित है जो
सब रजिस्ट्रार शाहजहांपुर के कार्यालय में दर्ज है ।

श्रमर सिह बिसेन,
सकम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 12 जनवरी, 1978
मोहर :

प्ररूप आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

1. श्रीमती हुस्न जहां वेगम

(अन्तरक)

2. श्री दिलशाद हुसैन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 जनवरी 1978

निदेश सं० 28-डी०/ए० सी० क्य०/77-78:- यतः मुझे,
अमर सिंह विसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 199/196 है तथा जो, वजीर गंज फैजाबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फैजाबाद में भारतीय रजिस्ट्री
-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
16 मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपबारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यादा :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्त्वांधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 199/196 क्षेत्रफल 4602 स्कूयर फीट है तथा
जो वजीर गंज फैजाबाद में स्थित है जैसा कि 37-जो० नं० 761/3
ता० 16 मई, 1977 तथा सैल डीड में वर्णित है जो सब रजिस्ट्रार
फैजाबाद में कार्यालय के दर्ज है।

अमर सिंह विसेन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ।

दिनांक : 12 जनवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिसंबर 20 दिसंबर 1977

निर्देश सं० 397/एक्विजीशन इन्स०-III/77-78/कल०:-
अतः मुझे किशोर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 1/1, है तथा जो बृद्धावाण मल्लिक, लेन कलकत्ता
में स्थित है और (इसे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
13 मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के मध्येन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्यात् :—

1. श्री अरुण कुमार चट्टर्जि बी० -255, लेन टाउन
कलकत्ता।

(अन्तरक)

2. श्री दीनेश चन्द्र चटोपाध्याय बविकम चन्द्र चट्टर्जि 1/1
बृद्धावाण मल्लिकलेन, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

3. (1) गोरी देवी,
(2) प्रदीप कुमार चट्टर्जि

(3) मतींग कुमार चट्टर्जि, 808 लेन टाउन
ए-ब्लाक कलकत्ता।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताश्री के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
प्रय॑ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रजिस्ट्रार आफ रायसुर्रेस कल० में 1977 भाल का 2098
डील अनुसार रजिस्ट्रीकरण 1/1, बृद्धावाण मल्लिक लेन, में ग्रब
स्थित-5 कक्ष 2 छटाक, जमिन साथ तिन, तल्ला मकान का अभि-
भक्त 1/4 हिस्सा।

किशोर सेन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज कलकत्ता।

तारीख : 20 दिसंबर 1977

मोहर :

प्रलेप माई० टो० एन० एस०—

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन मूच्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कार्यालय, बंगलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 दिसम्बर 1977

निर्देश मं० 398/पक्वांजोराम रेज-III/77-78/—अतः
मुझे, किशोर लेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'स्वस अधिनियम', कहा गया है), वी धारा
269-घ के प्रधीन सक्षम आधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1/1 है तथा जो बृद्धावण मलिलक लेन, कलकत्ता
में स्थित है और इसने उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख
13 मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरग मे हुई नियो आय की वापत उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उसमे वचने में उपचार
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति:—

1. (1) श्रीमती गोरी देवी,
(2) श्री प्रदीप कुमार चटर्जी,
(3) सतीश कुमार चटर्जी, 808 लेक टाउन, ए-ब्लॉक
कलकत्ता।

(अन्तरक)

2. (1) श्री दिनेश चन्द्र चटोपाध्याय,
(2) बम्मिक चन्द्र चटोपाध्याय, 1/1 बृद्धावण मलिल
लेन कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह मूच्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के
लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

- (क) इस मूच्चना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
गूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद मे गमान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में भी किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूच्चना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

रजिस्ट्रार आफ एयसुरेन्स कलकत्ता में 1977 साल का 2099
डीड नं० अनुसार रजिस्ट्रीकरण 1/1, बृद्ध वण मलिलक लेन कलकत्ता
में अब स्थित, पांच कट्टा, 2 छटाक जमीन साथ तीन तल्ला मकान
का अविभक्त 1/4 हिस्मा।

किशोर लेन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रधीन रेज, कलकत्ता

तारीख : 20 दिसम्बर, 1977

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज काकीनाडा

दिनांक 30 दिसम्बर 1977

सं० नं० 539— यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 22-1-16 है, जो वैजाग में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, विवाहपटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-5-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, पर्याप्तः—

- (1) श्री पि० कोदनडरामाराव (2) पि० श्रीनिवासा नरसिंगराव (3) पि० मुरलीष्ठाण, विसाखपटनम-4 (अन्तरक)
(2) श्री के० वेंकटा सुब्रह्मन्यम, वैजाग-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशनी तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विवाहपटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-5-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1189/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ती

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 30 दिसम्बर 1977
मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी० ईम० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज काकीनाडा

दिनांक 30 दिसम्बर 1977

सं० नं० 540—पतः मुझे एन० के० नागराजन
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० 11-1-10 है, जो काकीनाडा में स्थित है और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20 मई 77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विख्यात में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से मुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के प्रधीन कर देने के प्रस्तावक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

पतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रष्टातु:—
9—446GI/77

(1) श्रीमती जिं सूमा, काकीनाडा

(अन्तरक)

(2) श्री के० सुप्रहान्यम, के० नरसिंहमती, काकीनाडा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कायबाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

इष्ट्याकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के प्रध्याय 20-क
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

काकीनाडा रजिस्ट्री प्राधिकारी से पाठिक अंत 31-5-77 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 2083/77 में निगमित अनुसूची
सम्पत्ती।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 30 दिसम्बर 1977

मोहर:

प्रूप आई०टी०एन०एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाड़ा

दिनांक 5 जनवरी 1978

सं० नं० 541—यतः मुझे, एन० के० नागराजन
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिस की सं० 12 है, जो गुन्टूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी
के कार्यालय, गुन्टूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 20 मई 77 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष
(प्रत्यक्षों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रत्यक्षण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
महीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
प्रधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
वायित्व में कर्मी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों
को, जिहें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, तिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त प्रधिनियम, को धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-घ की
उपषारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

(1) श्री बूर्ग विश्वनाथन अदरस, बि० सूर्य प्रकाशराव
सिकन्द्राबाद

(अन्तरक)

(2) श्री जि० सांबसिवराव, (2) जि० बैकटेस्वरराव
गुन्टूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री प्रधिकारी से पाक्षिक अंत 31-5-77 से
पंजीकृत दस्तावेज नं० 2344/77 तिगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाड़ा

दिनांक : 5 जनवरी 1978
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

दिनांक, 5 जनवरी 1978

सं० नं० 542—यतः मृम्मे, एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

और जिसकी सं० 12 है, जो गुन्टूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, गुन्टूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 20 मई 1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिक्ष की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री वि० राजेस्वरराव पाटनर वि० विस्वनाथम
ब्रदरस, सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री जि० सांबसिवराव (2) जि० वेंकटेस्वरराव,
गुन्टूर

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे

टप्पटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-5-77 म
पंजीकृत दस्तावेज नं० 2390/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेज : काकीनाडा

दिनांक : 5 जनवरी 1977

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुमरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269^व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

दिनांक 5 जनवरी 1978

सं० नं० 543—यतः मुझे, एन० के० नागराजन
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्रम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 6/26 है, जो गुडवल्ली में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और रूपरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, चैल्कुपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30 मई 77 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वावत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) ~ अन्तरित निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री जिं बीरा वरा प्रसाद (2) जि० राज्यसक्षमी भट्टप्रोलु
(अन्तरक)
(2) श्री के० राम मोहन राव गुडवल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्याय होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चैल्कुपल्ली रजिस्ट्री प्रधिकारी से पाक्षिक अत 31-5-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 376/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन,
सक्रम प्रधिकारी,
संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज: काकीनाडा

दिनांक: 5 जनवरी 1978।

मोहर:

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस० —

(1) श्री के० अन्जनेश्वरु, विजयवाडा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 196(1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्री जि० मंगला, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकीनाडा
दिनांक, 5 जनवरी 1978

सं० नं० 544—यतः मुझे, एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 5
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 4-4-132 भी है, जो गुन्टूर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट
अधिकारी के कार्यालय, गुन्टूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5 मई 1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और या

(ख) ऐसी फिसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से .30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधौहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री अधिकारी से पौर्वीक अंत 15-5-77 में पंजीकृत
दस्तावेज नं० 2004/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकीनाडा

दिनांक : 5 जनवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जनरेज, काकीनाडा

दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० नं० ५६६—प्रतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 15/नई बार्ड है, जो मचलीपटनम में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूण्ड्ररूप से वर्णित है) रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मचलीपटनम में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, "मई"
महीने में
को पूर्वोक्त सन्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० श्री रामलु (2) के० वेंकटा गंगाधर प्रसादराव
(3) के० वेंकटाकृष्ण सत्यनरसिंहाराव, मचली-
पटनम।
(अन्तरक)

(2) श्री पी० लक्ष्मी पांडुरंगाराव, मचलीपटनम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधीक्षताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मचलीपटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक ध्रुत 31-5-77
में पंजीकृत दस्तावेज नं 1325/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति
मिसनरी के सात।

एन० के० नागराजन,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकीनाडा

दिनांक : 9 जनवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —

(2) श्रीमती पी० आनडालम्मा' मचलीपटनम् ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

दिनांक, 9 जनवरी 1978

सं० नं० 567—यत्. मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० 15/नई वाड़ है, जो मन्त्रीपटनम् में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वृणता है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मचलीपटनम् में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, "मई"

महीने में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रतिरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब्लेम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुपरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात्:—

(1) श्री के० श्रीरामलु (2) के० वेंकटगंगाधर प्रसादराव
(3) के० वेंकट कृष्ण भत्यनरसिहाराव मचलीपटनम्
(अन्तरक)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मचलीपटनम् रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-5-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1326/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति मिसनरी के सात।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकीनाडा

दिनांक : 9 जनवरी 1978।

मोहर :

प्रस्तुप प्राइंटी० टी० एन० एस०

(1) श्री गन० एम० सदतुल्ला और के० इदयदुल्ला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269 व (1) के अधीन सूचना

(2) श्रोमती प्रवीन सदान०

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जनवरी, 1978

निदेश सं० 7/म०/1977—यतः मुझे ए० टी० गोविन्दन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इष्ट से अधिक है

और जिसको सं० सेम्बाक्कम गांव, वेलूर तालुका है, जो में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ०-१, वेलूर डाकुमेंट 1199/77 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन में 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्रासितियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घरें कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के घरें के संबंध में कोई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना की लाभील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अविति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य अविति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वेलूर तालुका, सेम्बाक्कम गांव, म० 1.30 एकर का भूमि (मकान के साथ) (सर्व० सं० 158/2, 158/1 बी०/24; 158/1 बी०/24; 158/1 बी०/24 और 158/1, बी०/6।

ए० टी० गोविन्दन,
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1, मद्रास

तारीख : 3 जनवरी, 1978

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

स्वेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिसेज परीक्षा, 1978

नई दिनांक 4 फरवरी, 1978

स० एफ० 5/3/77-ई०-I (बी०) —भारत के राजपत्र, दिनांक 4 फरवरी, 1978 में रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुमार यांत्रिक इजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में स्पेशल क्लास अप्रैटिस के पदों पर नियुक्ति हेतु चयन के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अद्यतावाद, इलाहावाद, बगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोचीन, कटह, दिल्ली, दिमपुर (गोदाटी), हैदराबाद, जधपुर, जम्मू, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटियाला, पटना, शिलांग, शिमला, श्रीनगर तथा निवेदन में 20 जून, 1978 से एक परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो परीक्षाओं के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रविष्ट किए गए उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए उपांक्ष II, पैरा 11)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या 10 है। इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

इन रिक्तियों में से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित संख्या के अनुमार किया जाएगा।

3. परीक्षाओं में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धोलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षाओं से संबंध पूर्ण विवरण दो रुपये दकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धोलपुर, हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपए की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट 1 :—आवेदन प्रपत्र तथा परीक्षा के पूर्ण विवरण डाक द्वारा मांगने के लिए भेज जाने वाले अनुरोध आयोग के कार्यालय में 13 मार्च, 1978 के पहले पहुंच जाने चाहिए। परन्तु ये प्रपत्र आयोग के कार्यालय में काउंटर पर स्वयं जाकर मांगने वालों को 20 मार्च, 1978 तक मिल सकते हैं।

नोट 2 :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र स्पेशल क्लास रेलवे अप्रैटिसेज परीक्षाओं, 1978 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में हो प्रस्तुत करें। स्पेशल क्लास रेलवे अप्रैटिसेज परीक्षाओं, 1978 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. भरा हुआ आवेदन पत्र आवश्यक प्रमाण-पत्रों के साथ मन्त्रिवाल, संघ लोक सेवा आयोग, धोलपुर, हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 20 मार्च, 1978 को या उससे पहले (3 अप्रैल, 1978 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार तथां लक्ष्यांपत्र में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 20 मार्च, 1978) तक श्रवण पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्ष्यांपत्र में रहने वाले उम्मीदवार से, आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 20 मार्च, 1978 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्ष्यांपत्र में रह रहा था।

5. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ रु 36.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु 9.00) का शुल्क जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर के रूप में हो या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहां के भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि, जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में निर्धारित शुल्क जमा करें जिससे वह “051 लोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क” के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए गौर उम्मीद आवेदन-पत्र के साथ भेज दें।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक दम अस्वीकार कर किया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होगा जो पैराग्राफ 6 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

6. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात ने संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 की अवधि में भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या वह वर्मा से वास्तविक रूप में वास्तविक मूलतः भारतीय व्यक्ति है।

और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद प्रव्रजन कर भारत प्राया है या अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन श्रीलंका से मूलतः भारतीय व्यक्ति है जिसके प्रव्रजन करने की संभावना है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

7. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो, तो उसे ₹ 21.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में ₹ 5.00) की राशि वापस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नोट II की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जावा है कि वह अर्धक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट के उपबन्धों की शर्तों की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सके तो वह शुल्क वापसी का इकाई नहीं होगा।

उपर्युक्त उपबंधित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबद्ध किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

आर० एस० गोयल
उप सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

उपायन्ध

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियम ध्यान से पढ़ कर यह देख ले कि वे परीक्षा में बैठने के पाव भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवारों को नोटिस के पैराग्राफ 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

मरकारी नौकरी में या मरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उद्यमों या इस प्रकार के अन्य संगठनों या निजी रोजगारों में पहले से काम करने वाले सभी उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए। यदि कोई पैसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह सभ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचता है तो भी उस पर विचार नहीं किया जाएगा। भले ही वह तिरोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

किन्तु जो वर्कित पहले ही मरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थाई ईसियत से अथवा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर नियमित नियमित नैतिक रूप से प्रवेश दिया जाए उन्हे अपने कार्यालयाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष की अनुमति प्राप्त करना अपेक्षित है। उन्हे आवेदन-पत्र के अन्त में दिए गए प्रमाण-पत्र के प्रपत्र की 2 नियमित नियालरुपरूप अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेज देने चाहिए और प्रमाण-पत्र के प्रपत्रों को तुरन्त ही अपने कार्यालयाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष को इस अनुरोध के साथ प्रस्तुत कर देना चाहिए कि वे विधिवत् भरे प्रमाण-पत्र के प्रपत्र को एक प्रति सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली को याची भेज और हर हालत में प्रमाण-पत्र में विनिर्दिष्ट तारीख से पहले भिजवा दे।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के माध्यमिति प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए:—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिये रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आईंड या बैंक ड्राफ्ट (देखिए नोटिस का पैरा 5)
 - (ii) प्राप्ति के रागत्र को अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
 - (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
 - (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सेंटीमीटर × 7 सेंटीमीटर) के फोटो की तीन एक जैसी प्रतिलिपियाँ।
 - (v) स्कूल और कालेज में उम्मीदवार के शिक्षण काल का मञ्चित्रिवरण जिसमें उसकी शैक्षिक तथा खेलकूद से संबद्ध मरनताओं का उल्लेख हो तथा जिसे वह स्वयं अपने हाथ से लिखे और उस पर हस्ताक्षर करे।
 - (vi) जहाँ लागू हो वहा अनुसूचित जाति जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र के अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
 - (vii) जहाँ लागू हो वहा आयु में छूट शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र को अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि। (देखिए नीचे पैरा 5 और 6)।
- नोट:—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के माध्यमिति उपर्युक्त मद (ii), (iii), (vi) तथा (vii) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियोगी ही प्रस्तुत करनी हैं जो मरकार के

किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित हो अथवा स्वयं उम्मीदवार द्वारा मही रूप में सत्यापित हो। लिखित परीक्षा के परिणाम अगस्त, 1978 महीने में घोषित किए जाने की सभावना है। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिये अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किये जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल पतिया प्रस्तुत करनी होगी। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को व्यक्तित्व परीक्षण के समय प्रस्तुत करने हेतु तैयार रखना चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्रों को मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और आगे विचार के लिए उन उम्मीदवारों का कोई दावा नहीं होगा।

मद (i) में (iv) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिये गये हैं और मद (vi) और (vii) में उल्लिखित प्रलेखों का विवरण पैरा 1, 5 और 6 में दिया गया है।

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिये रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर —

प्र-प्रैक्ट पोस्टल आर्डर अनिवार्यत रेखांकित किया जाए तथा उस पर “सचिव सघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाक घर पर देय” लिखा जाना चाहिए।

किसी ग्रन्थ डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किये जाएंगे। विस्तृपित या कटे फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

ममी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर तो रेखांकित किए गए हों और नहीं सचिव, सघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय हों उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित ग्रन्ट के लिये रेखांकित बैक ड्राफ्ट

बैक ड्राफ्ट स्टेट बैक आफ इण्डिया की किसी शाखा से प्राप्त किया जाये और सचिव, सघ लोक सेवा आयोग, को स्टेट बैक आफ इण्डिया, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय हो तथा विधिवत् रेखांकित किया गया हो।

किसी ग्रन्थ बैक में देय बैक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विस्तृपित या कटे फटे बैक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र — आयोग सामान्यतः जन्म को वह नारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के मनुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो। जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र अथवा समकक्ष प्रमाण-पत्र को अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इन भाग में प्राप्त मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के प्रारंभित उपर्युक्त बैकलिपक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

उम्मीदवारों परिचय/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस स्थान के हैडमास्टर/प्रिसिपल से लिये गये प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजना चाहिए जहाँ से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस स्थान के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवार को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिये कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट 1 — जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे उस प्रमाण-पत्र को केवल आयु से सबद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ही भेजनी चाहिए।

नोट 2 — उम्मीदवार को ध्यान रखना चाहिए कि किसी परीक्षा में प्रवेश के लिये उनके स्वारा जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और किसी परीक्षा में प्रवेश के लिये आयोग द्वारा उसके स्वोकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उपर्युक्त बैक ड्राफ्ट करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र — उम्मीदवार को फिसी प्रमाण-पत्र को अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यात्रों में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस अधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या अन्य परीक्षा

निराय) का होता चाहिए जिसमें उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण बताना चाहिए और अर्थें त योग्यता से संबद्ध अपने दावे के समर्थन में कोई अन्य प्रमाण प्रस्तुत करना चाहिए। आयोग इस प्रमाण के औचित्य पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिये बाध्य नहीं है।

यदि उम्मीदवार द्वारा अपनी शैक्षिक योग्यताओं के समर्थन में प्रस्तुत किए गए विश्वविद्यालय के इंटरमीडिएट या कोई अन्य अर्हक परीक्षा पास करने के प्रमाण-पत्र में सभी उत्तीर्ण विषयों का उल्लेख नहीं है तो उसे प्रिसिपल के इस आशय के प्रमाण-पत्र को अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए निः उसे अर्हक परीक्षा गणित के साथ-साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर उत्तीर्ण की है।

जिस उम्मीदवार पर नियम ६ (ख) या नियम ६ (झ) लागू होता हो तो उसे अपनी शैक्षिक योग्यताओं के प्रमाण स्वरूप सन्दर्भ प्रिसिपल के रजिस्ट्रार/कालेज के प्रिसिपल/संस्था के प्रधान से नोटे दिये गये निर्धारित फार्म में लिए गए प्रमाण-पत्र को प्रतिलिपि अवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म—
प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*—
सुपुत्र/सुपुत्री *श्री—

इन विश्वविद्यालय/कालेज/संस्था* के/को* वास्तविक छात्र/छात्रा* हैं/थे / थी

२. उन्होंने त्रिवर्षीय डिग्री कोर्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा/पंचवर्षीय इंजीनियरी डिग्री कोर्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा ग्रामीण उच्चतर शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद की ग्रामीण सेवाओं में त्रिवर्षीय डिप्लोमा कोर्स की प्रथम परीक्षा जो को समाप्त हुई, उत्तीर्ण कर ली है और उन्हें प्रथम वर्ष के लिए निर्धारित विषयों में से किसी में भी फिर से परीक्षा में नहीं बैठना है।

अथवा

उन्होंने ————— विश्व-
विद्यालय द्वारा संचालित त्रिवर्षीय डिग्री कोर्स की प्रथम/
द्वितीय* वर्ष को परीक्षा/पंचवर्षीय इंजीनियरी डिग्री* कोर्स की
प्रथम वर्ष की परीक्षा—
श्रेणी में उत्तीर्ण कर ली है।

३. उनके परीक्षा-विषय निम्नलिखित थे :—

१.

2.

3.

4.

5.

*पंचवर्षीय इंजीनियरी डिग्री कोर्स के विद्यार्थियों पर लागू नहीं होगा।

(रजिस्ट्रार/प्रिसिपल के हस्ताक्षर)
(विश्वविद्यालय/कालेज/संस्था का नाम)

तारीख—

स्थान—

*जो शब्द लागू न हो, उसे काट दें।

जिस उम्मीदवार पर नियम ६ के नीचे दिया गया नोट १ लागू होता हो उसे जिन संस्था से उसने परीक्षा पास की हो उसके प्रिसिपल/हेडमास्टर से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि उपके कुल अंक विश्वविद्यालय/बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रथम या द्वितीय श्रेणी की अंक सीमाओं के अंतर्गत आते हैं।

नोट :—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठना हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पाव हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में यह इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। किन्तु ऐसे उम्मीदवारों को निम्नलिखित निर्धारित फार्म में संबद्ध कालेज/संस्था के प्रिसिपल से एक प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि वे अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उनको परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अंतिम मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में १५ जुलाई, १९७८ से पहले प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

परीक्षा में इन प्रकार बैठने की अनुमति प्राप्त उम्मीदवार को, चाहे वह इस परीक्षा के लिखित भाग में उत्तीर्ण हो अथवा नहीं, उपर्युक्त अधिकारी के भीतर अर्हक परीक्षा करने का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। इस अनुदेश का पालन न करने पर उसको उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और वह अपना परिणाम जानने का अधिकारी नहीं होगा।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र
का फार्म :-

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी* ---
सुपुत्र/सुपुत्री* --- निम्न-
लिखित विषय लेकर ---
द्वारा सचालित ---
परीक्षा में ---
19 --- में बैठने वाले/
वाली* हैं बैठ चुके/चुकी* हैं :-

- (i)
- (ii)
- (iii)
- (iv)
- (v)

प्रिंसिपल के हस्ताक्षर
(कालेज/संस्था* का नाम)

तारीख ---

स्थान ---

*जो शब्द लागू न हो उन्हें काट दें।

(IV) फोटो की दो प्रतियाँ :—उम्मीदवार को अपने हाल ही के, पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. ०×७ सें. मी. ० के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नत्थी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्थाही से हरकार करने चाहिए।

ध्यान दें :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि कोई आवेदन-पत्र उपर्युक्त पैरा 3(ii), 3(iii), 3(iv), तथा 3(v) के अन्तर्गत उल्लिखित प्रमाण-पत्रों में से किसी के साथ प्रस्तुत नहीं किया जाता और इसे न भेजने के लिए कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया जाता तो आवेदन-पत्र अस्वीकृत किया जा सकता है तथा इसकी अस्वीकृति के लिए किसी अपील पर विचार नहीं किया जाएगा। जो प्रमाण-पत्र आवेदन-पत्र के साथ प्रस्तुत नहीं किए जाते वे आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के तुरन्त बाद भेज दिए जाने चाहिए और वे हर हालत में आयोग के कार्यालय में (उपर्युक्त पैरा 3(iii) के नोट में दी गई अवस्था के अतिरिक्त) आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख से एक महीने के भोतर अवश्य पहुंच जाने चाहिए। अन्यथा आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर से रहते हों, जिला

अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी से, जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में लिये गये प्रमाण-पत्र की अधिकारी प्रमाणित प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो वह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहाँ उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी प्रयोजन से आमतौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :-

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी* ---

सुपुत्र/सुपुत्री* श्री ---

जो गांव/कस्बा* ---

जिला/मण्डल* --- राज्य/संघ* राज्य

क्षेत्र* के/की*

निवासी हैं ---

जाति/जन जाति* के/की* हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति* के रूप में मान्यता दी गई है :—

संविधान (अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1950) *

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) आदेश, 1950 *

संविधान (अनुसूचित जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951 *

संविधान (अनुसूचित जन जातियाँ) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951 |

(अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जन जातियाँ सूची (आंशोधन) आदेश, 1956, बम्बई, पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 तथा अनुसूचित जातियाँ और अनुसूचित जन जातियाँ (संशोधन) अधिनियम, 1976, द्वारा यथा संशोधित) | *

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1956 | *

संविधान (ग्रंडमान और निकोबार-द्वीप समूह) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1959* अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जातियाँ (संशोधन) अधिनियम, 1974 द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियाँ आदेश, 1962 | *

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश)
आदेश, 1967*

संविधान (गोआ, दमन और दिल्ली) अनुसूचित जातियां
आदेश, 1968*

संविधान (गोआ, दमन और दिल्ली) अनुसूचित जन
जातियां आदेश, 1968*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश,
1970*

2. श्रो/श्रोमती/कुमारी* —————
श्रो/या* उनका परिवार आमतौर से गांव/कस्बा* —————
ज़िला/
मण्डल* ————— राज्य/संघ*
राज्य क्षेत्र —————
म रहते/रहती* हैं।

हस्ताक्षर —————
पदनाम —————
(कार्यालय की मोहर)

स्थान —————

तारीख —————

राज्य*

संघ राज्य क्षेत्र

*जो शब्द लागू न हों उन्हें काट दें।

नोट:—यहां “आम तौर से रहते/रहती* हैं” का अर्थ वही होगा जो “रिप्रेजेटेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950” को धारा 20 में है। अनुसूचित जाति जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम श्रधिकारी।

(i) ज़िला मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त ज़िला मजिस्ट्रेट/क्लैक्टर/डिप्टी कमिश्नर/एडिशनल डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी क्लैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मजिस्ट्रेट/एकजीकूटिव मजिस्ट्रेट/एकट्रा असिस्टेंट कमिश्नर।

(प्रथम श्रणी के स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट से कम श्रोहदे का नहीं)।

(ii) चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/एडीजनल चीफ प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।

(v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव उचलपत्रमें अप्रमाण, लक्ष्यद्वारा।

5. (i) नियम 5 (ख) (ii) अथवा 5 (ख) (iii) के अन्तर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में प्रवर्जन कर भारत आया है:—

(1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के केन्द्र कमांडेंट।

(2) उस क्षेत्र का ज़िला मजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।

(3) संबद्ध ज़िलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त ज़िला मजिस्ट्रेट।

(4) अपने ही कार्यभार के अधीन संबद्ध सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर।

(5) उभ-शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बंगाल/निवेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

(ii) नियम 5 (ख) (iv) अथवा 5 (ख) (v) के अन्तर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिये गये इस आण्डे के प्रमाण पत्र को अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964, के भारत श्रीलंका सम्प्रीतों के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।

(iii) नियम 5 (ख) (vi) अथवा 5 (ख) (vii) के प्रांतीत आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति का भारतीय राजूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिलान प्रमाण पत्र को अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके तिन मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1968 को या उसके बाद भारत आया है।

(vi) नियम 5(ख) (viii) अथवा 5(ख) (ix) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए, विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनर्वासन, रक्षा मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वा प्रमाण-पत्र का फार्म
प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट—
के रैक नं०—

रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/अशांतिग्रस्त* क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर —————
पदनाम —————
तारीख —————

*जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दें।

(v) नियम 5(ख) (x) अथवा 5(ख) (xi) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म
प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट—
के रैक नं०—
की सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक शत्रुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर —————
पदनाम —————
तारीख —————

(vi) नियम 5(ख) (vii) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले विषयनाम से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को, फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभि-प्रमाणित/

प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह विषयनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और विषयनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।

6. जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 5(i), (ii) और (), में किसी भी वर्ग के नोटिस के अन्तर्गत नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपत्रित अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिखाने के लिए कि वह निर्धारित शुल्क बेने की स्थिति में नहीं है, इस आशय का एक प्रमाणित पत्र लेकर उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी प्रस्तुत करनी होगी।

7. यदि किसी व्यक्ति के लिए पाकिस्तान-प्रमाण पत्र (एलिजिबिलिटि) सर्टिफिकेट आवश्यक हो तो उसे अभीष्ट पाकिस्तान-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) को आवेदन करना चाहिए।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा व्यौरा न दें अथवा किसी सही सूचना को न छिपायें।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे प्रमाण-पत्र अथवा उनके द्वारा प्रस्तुत की गई प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें त उसमें परिवर्तन को और न उसमें कोई फेरबदल करे और न ही फेरबदल किए गए सूठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

9. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-प्रपत्र का भेजा आना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

10. यदि परीक्षा से संबद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की अखिरी तारीख से एक मास के भीतर उम्मीदवार को आने आवेदन-पत्र को पावतो (एकतालिजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता है परिणाम कब सुचित किया जाएगा। परन्तु यदि परीक्षा के मुख्य होने की तारीख से एक महीने के पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से बंचित हो जाएगा।

12. पिछों पांच परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न-पत्रों से सबद्ध पुस्तिकालों को विक्री प्रकाशन नियंत्रक, मिथिल लाइन्स, दिल्ली (110054) के द्वारा की जाती है और उन्हें वहाँ से मल ओडर श्रवण नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त निया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने एम्पोरिया बिल्डिंग सी० ब्लॉक बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 (ii) प्रकाशन शाखा का विक्री काउन्टर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 तथा संघ लोक सेवा आयोग का कार्यालय धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 और (iii) गवर्नरमेट आफ इंडिया बुक डिपो, 8 के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1 से भी केवल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएँ विभिन्न मुफ्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

13. आवेदन-पत्र से सम्बद्ध पत्र व्यवहार:—आवेदन-पत्र से सम्बद्ध सभी पत्र आदि सचिव संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नोके लिंग बौद्ध अनिवार्य रूप से दिया जाए।

1. परीक्षा का नाम

2. परीक्षा ता महीना श्रीर वर्ष

3. रोल नम्बर अववा उम्मीदवार की जन्म-तिथि यदि रोल नम्बर सूचिन नहीं किया गया हो।

4. उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)

5. आवेदन पत्र में दिया गया पत्र—व्यवहार का पता ध्यान दें।—जिन पत्रों आदि में यह ब्यौदा नहीं होगा सम्भवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

14. पते में परिवर्तन:—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 12 में उल्लिखित ब्यौदे के साथ यथा योग्य दी जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है। किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 9th January 1978

No. F.6/78-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri B. M. Chandwani, Private Secretary to Hon'ble Judge, as Officiating Assistant Registrar with effect from the forenoon of 9 January, 1978, until further orders.

The 16th January 1978

No. F 6/78-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri C. M. Rajagopalan, Assistant, presently on deputation to the Shah Commission of Inquiry, New Delhi, as Officiating Court Master with effect from the forenoon of 10 January, 1978, until further orders.

2. The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri H. D. Pathak, Assistant, as Officiating Section Officer with effect from the forenoon of 10 January, 1978, until further orders.

3. The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri V. K. Deora, Assistant, as Officiating Court Master with effect from the forenoon of 10 January, 1978, until further orders.

MAHESH PRASAD
Deputy Registrar (Admn.)
Supreme Court of India

New Delhi, the 16th January 1978

No. F 6/78-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri R. Narasimhan, Deputy Registrar to officiate as Registrar (Judl.) with effect from the forenoon of 16 January, 1978, until further orders.

M. P. SAXENA
Registrar (Admn.)
Supreme Court of India

ENFORCEMENT DIRECTORATE

(FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT)

New Delhi, the 23rd December 1977

No. A-11/32/77.—Shri B. C. Guha, Assistant Enforcement Officer, Calcutta Zonal Office is appointed to officiate as Enforcement Officer at Calcutta Zonal office on *ad hoc* basis with effect from 4-11-77 and until further orders.

J. N. ARORA
Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS)

New Delhi, the 13th January 1978

No. A-19036/16/77-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appointed Shri Sunil Kumar Ghosh, Inspector of Police, C.B.I., Calcutta Branch and an officer of West Bengal State Police to officiate as Deputy Supdt. of Police in Central Bureau of Investigation Special Police Establishment with effect from the forenoon of 23-11-77 in a temporary capacity until further orders.

A. K. HUI
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

New Delhi, the 13th January 1978

No. A-19014/1/78-Ad.V.—Shri A. K. Hui, Under Secretary, Ministry of Home Affairs, on transfer from the Ministry of Home Affairs, has taken charge of the office of Administrative Officer in the Central Bureau of Investigation, Head Office, New Delhi with effect from the afternoon of 31-12-77 and until further orders.

V. P. PANDEY
Administrative Officer (A)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE

New Delhi-110001, the 16th January 1978

No. O.II-1042/76-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Nibaran Mohanty as Junior Medical Officer in the CRPF on an *ad hoc* basis with effect from 7-1-1978 (F.N.) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever, is earlier.

The 18th January 1978

No. O.II-1032/75-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Jyotsnai Nayak as Junior Medical Officer in the CRP Force on *ad hoc* basis with effect from 11-1-1978 (F.N.) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-24, the 11th January 1978

No. E-38013(3)/15/77-Pers.—On transfer from Hyderabad Shri J. Gomes, assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Group HQs Bombay with effect from the forenoon of 22nd December 1977 vice Shri P. A. Pandarkar, Asstt. Commandant who relinquished the charge of the said post with effect from the same date.

I. S. BISHT
Inspector General CISF

MINISTRY OF FINNACE
DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS
BANK NOTE PRESS

Dewas, the 15th January 1978

F. No. BNP/C/23/77.—In continuation to the notification of even number dated 13.10.77 the ad-hoc appointment of Shri S. K. Mathur as Deputy Control Officer in the Bank Note Press, Dewas is extended for a further period of 3 months w.e.f. the forenoon of 19-1-78 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

P. S. SHIVARAM
General Manager

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPTT.

New Delhi, the 17th January 1978

O.O. No. Admn. I/603.—In partial modification of notification No. Admn. I/PF/R. K. Anand/O-O-546/194 dated 19.12.1977.

Consequent on attaining the age of superannuation, Shri R. K. Anand, while holding charge of Dy. Accountant General in the office of the Accountant General Central Revenues, New Delhi retired from Govt. service in the afternoon of 30th November, 1977.

His date of birth is 8-11-1919.

No. Admn. I/5-5/Promotion/O.O. 598/2121.—Consequent on attaining the age of superannuation, Shri D. B. Ghoshal, a

permanent Accounts Officer of this office has retired from Government service in the afternoon of 31st December, 1977.

His date of birth is 30-12-1919.

K. H. CHHAYA
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL : BIHAR

Ranchi, the 13th January 1978

No. OEI-Audo-4471.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Chandrika Pandey, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 31.10.77 (forenoon).

Sd/- ILLEGIBLE
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL : GUJARAT

Ahmedabad-380 001, the 13th January 1978

No. Estt.(A)/60/3703.—The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint Shri D. K. Puranik permanent member of the Subordinate Accounts Service to officiate as Accounts Officer in the office of the Accountant General, Gujarat, Ahmedabad with effect from 15-12-1977 (F.N.) until further orders.

K. P. LAKSHMANA RAO
Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF ACCOUNTS

CENTRAL BOARD OF EXCISE AND CUSTOMS

New Delhi, the 4th January 1978

No. Admn/1(4)53/77-78/2403.—Shri B. N. Nag, an Officiating Pay and Accounts Officer of this office, expired on 29th December, 1977.

D. P. MITTAL
Deputy Controller of Accounts (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF ACCOUNTS (POSTAL)

Kapurthala, the 13th January 1978

NOTICE

O.M. No. Admn/A-VI/Discip/Lalit Kumar/422.—Shri Lalit Kumar S/o Shri Dhanpat Rai previously Junior Accountant, of this office had been on unauthorised absence since 13-6-1977 and failed to acknowledge receipt of any of the memoranda issued to him at his known address. After following the necessary disciplinary proceedings under the Departmental rules, it was decided to remove him from service w.e.f. 12.12.1977 (F.N.) and the order of his removal from service was sent to him at his available address in the office. As the registered cover containing the order of removal of the official from service sent to him at his available address has been received back undelivered, it is hereby notified that Shri Lalit Kumar s/o Shri Dhanpat Rai stands removed from service w.e.f. 12.12.1977.

R. C. BHANDARI,
Director of Accounts (Postal),
Kapurthala

MINISTRY OF DEFENCE

**DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SCHOOL SERVIC**

Calcutta, the 7th January 1978

No. 1/78/School—The D.G.O.F. is pleased to appoint the undermentioned Teachers as Offg. Head Master (High School) (Class II Gazetted) w.e.f. 23-4-77, until further orders:—

1. Shri G. S. Narula . in Gun Carriage Factory, Jabalpur, High School.
2. Shri J. N. Gaur . in Clothing Factory, Shahjahanpur, High School.
3. Shri P. L. Verma . in Ordnance Factory, Katni, High School.
4. Shri M. G. Kanner in Ordnance Factory, Bhandara, High School.
5. Shri G.D.S. Rao . in Ordnance Factory, Chanda, High School.
6. Shri B. P. Singh . in Ordnance Factory, Muradnagar, High School.

The 11th January 1978

No. 1/78/A/E-1.—On attaining the age of superannuation, Smt. Banalata Majumdar, Offg. ASO/Subst. & Permt. Asstt. retired from Service with effect from 31-12-77 (A.N.).

No. 2/78/A/E-1.—On attaining the age of superannuation, Shri Deboprasad Dutta, Offg. ASO/Subst. & Permt. Asstt. retired from Service with effect from 31-12-77 (A.N.).

D. P. CHAKRAVARTI
ADG/Admin. II
for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR

DIRECTORATE-GENERAL OF MINES SAFETY

Dhanbad-826001, the 11th January 1978

No. 9(1)77-Adm.I/741.—1. On his transfer as Director of Mines Safety (SAPICOM), Shri H. S. Ahuja, Director of Mines Safety (SS) relinquished charge of his office in the forenoon of 25th October, 1976 and assumed charge of the office of the Director of Mines Safety (SAPICOM), Dhanbad on the same date and time.

2. On his transfer to Northern Zone, Ajmer Shri A. C. Srivastava, Director of Mines Safety, Dhanbad relinquished charge of his office in the afternoon of 23rd October, 1976 and assumed charge of the office of the Director of Mines Safety, Northern Zone, Ajmer in the forenoon of 5th November, 1976.

3. On his transfer as Director of Mines Safety (SS), Dhanbad Shri A. N. Sinha, Director of Mines Safety, Headquarters, relinquished charge of his office in the forenoon of 12th October, 1976 and assumed charge of the office of the Director of Mines Safety (SS) Dhanbad on the same date and time.

4. On his transfer to Ranchi Region, Ranchi, Shri A. N. Mukhopadhyay, Joint Director of Mines Safety, Nagpur Region, Nagpur relinquished charge of his office in the afternoon of 13th August 1976 and assumed charge of the office of the Joint Director of Mines Safety, Ranchi Region, Ranchi in the forenoon of 23rd August, 1976.

5. On his transfer to Nagpur Region Shri P. N. Mehta, Joint Director of Mines Safety, Hyderabad Region, Hyderabad, relinquished charge of his office in the afternoon of 31st July, 1976 and assumed charge of the office of the Joint Director of Mines Safety, Nagpur Region, Nagpur in the forenoon of 18th September, 1976.

6. On his transfer to Udaipur Region Shri Inderjit Singh, Joint Director of Mines Safety, Oorgaum Region, Oorgaum, relinquished charge of his office in the afternoon of 4th

September, 1976 and assumed charge of the office of the Joint Director of Mines Safety, Udaipur Region, Udaipur in the forenoon of 18th September, 1976.

7. On his transfer to Dhanbad Shri A. K. Burman, Joint Director of Mines Safety, Sitarampur Region No. III, relinquished charge of his office in the afternoon of 31st December, 1976 and assumed charge of the office of the Joint Director of Mines Safety (MD), Dhanbad in the forenoon of 3rd January, 1977.

8. On his transfer to Dhanbad Shri S. P. Gupta, Joint Director of Mines Safety Digboi Region, Digboi relinquished charge of his office in the afternoon of 30th October, 1976 and assumed charge of the office of the Joint Director of Mines Safety (SID-I), Dhanbad in the forenoon of 15th November, 1976.

9. On his transfer to Oorgaum Region, Oorgaum Shri G. R. Srikantan, Joint Director of Mines Safety, Chaibasa Region, Chaibasa relinquished charge of his office in the afternoon of 13th October, 1976 and assumed charge of the office of the Joint Director of Mines Safety, Oorgaum Region, Oorgaum in the forenoon of 25th October, 1976.

10. On his transfer to Bhubaneshwar Region, Bhubaneshwar, Shri N. Mishra, Joint Director of Mines Safety (MD), Dhanbad relinquished charge of his office in the afternoon of 25th September, 1976 and assumed charge of the office of the Joint Director of Mines Safety, Bhubaneshwar Region, Bhubaneshwar in the forenoon of 4th October, 1976.

11. On his transfer to Hyderabad Region, Hyderabad Shri V. P. Parth, Joint Director of Mines Safety, Shahdol Region, Shahdol relinquished charge of his office in the afternoon of 22nd July, 1976 and assumed charge of the office of the Joint Director of Mines Safety, Hyderabad Region, Hyderabad in the forenoon of 1st August, 1976.

12. On his transfer to Shahdol Region, Shahdol, Shri S. S. Bajaj, Joint Director of Mines Safety, Sitarampur relinquished charge of his office in the afternoon of 17th July, 1976 and assumed charge of the office of the Joint Director of Mines Safety, Shahdol Region, Shahdol in the forenoon of 18th July, 1976.

13. On his transfer to the Head quarters (Plan Scheme) Shri S. N. Thakar, Joint Director of Mines Safety, Dhanbad, relinquished charge of his office in the afternoon of 3rd June, 1976 and assumed charge of the office of the Joint Director of Mines Safety, Headquarters (Plan Scheme), Dhanbad in the forenoon of 4th June, 1976.

14. On his transfer to Chaibasa Region, Chaibasa Shri V. K. Agast, Joint Director of Mines Safety, Nagpur Region, Nagpur, relinquished charge of his office in the afternoon of 13th October, 1976 and assumed charge of the office of the Joint Director of Mines Safety, Chaibasa Region, Chaibasa in the forenoon of 25th October, 1976.

15. On his transfer to Digboi Region, Digboi Shri H. K. Roy, Joint Director of Mines Safety, Oorgaum Region Oorgaum relinquished charge of his office in the afternoon of 4th October, 1976 and assumed charge of the office of the Joint Director of Mines Safety, Digboi Region, Digboi in the afternoon of 15th October, 1976.

16. On his transfer as Joint Director of Mines Safety, (Headquarters), Shri B. K. Sharan, Joint Director of Mines Safety, Dhanbad relinquished charge of his office in the forenoon of 7th August, 1976 and assumed charge of the office of the Joint Director of Mines Safety (head quarters) Dhanbad on the same date and time.

17. On his Promotion to the post of Joint Director of Mines Safety, Shri S. P. Chakrabarty, relinquished charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Sitarampur Region No. III, Sitarampur in the forenoon of 27th December, 1976 and assumed charge of the office of the Joint Director of Mines Safety, Region No. I, Sitarampur on the same date and time.

18. On his transfer to Sitarampur Region No. II Shri A. C. Nag, Dy. Director of Mines Safety (VT), Eastern Zone, Sitarampur, relinquished charge of his office in the forenoon of 20th December, 1976 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Sitarampur Region No. II, Sitarampur on the same date and time.

19. On his transfer to Udaipur Region, Udaipur Shri N. L. Mehtani, Dy. Director of Mines Safety, Ajmer Region, Ajmer relinquished charge of his office in the afternoon of 4th October, 1976 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Udaipur Region, Udaipur in the forenoon of 13th October, 1976.

20. On his transfer to Ajmer Region, Ajmer Shri S. K. Mukherjee, Dy. Director of Mines Safety Region No. I, Dhanbad relinquished charge of his office in the afternoon of 1st June, 1976 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Ajmer Region, Ajmer in the forenoon of 15th June, 1976.

21. On his transfer to Dhanbad Region No. II, Dhanbad Shri S. K. Banerjee, Dy. Director of Mines Safety, Vizianagram Sub-Region relinquished charge of his office in the afternoon of 18th December, 1976 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Dhanbad Region No. II, Dhanbad in the forenoon of 30th December, 1976.

22. On his transfer to Dhanbad (Headquarters) Shri P. K. Verma, Dy. Director of Mines Safety, Sitarampur Region No. II, relinquished charge of his office in the afternoon of 20th December, 1976 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety (Headquarters), Dhanbad in the forenoon of 27th December, 1976.

23. On his transfer to Vizianagram Sub-Region, Shri K. B. Mazumdar Dy. Director of Mines Safety, Ranchi Region, Ranchi relinquished charge of his office in the afternoon of 4th December, 1976 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Vizianagram Sub-Region, Vizianagram in the forenoon of 15th December, 1976.

24. On his transfer to Udaipur Region, Udaipur Shri O. N. Saxena, Dy. Director of Mines Safety, Bhilwara Sub-Region, Bhilwara relinquished charge of his office in the afternoon of 29th November, 1976 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Udaipur Region, Udaipur in the forenoon of 4th December, 1976.

25. On his transfer to Dhanbad (Headquarters) Shri R. S. Mishra, Dy. Director of Mines Safety, Dhanbad Region No. II Dhanbad relinquished charge of his office in the forenoon of 28th April, 1976 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety (Head quarters) Dhanbad on the same date and time.

26. On his transfer to Dhanbad Region No. III, Dhanbad Shri T. K. Mazumdar, Dy. Director of Mines Safety (VI) Central Zone, Dhanbad relinquished charge of his office in the forenoon of 29th March, 1976 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Region No. III, Dhanbad on the same date and time.

27. On his transfer to Bhubaneshwar Region, Bhubaneshwar Shri Srinivas, Dy. Director of Mines Safety, Chaibasa Region, Chaibasa relinquished charge of his office in the afternoon of 15th December, 1976 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Bhubaneshwar Region, Bhubaneshwar, in the forenoon of 27th December, 1976.

28. On his transfer to Dhanbad Region No. I, Dhanbad Shri K. M. Prasad, Dy. Director of Mines Safety (Head quarters), Dhanbad relinquished charge of his office in the forenoon of 9th March, 1976 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Dhanbad Region No. I, Dhanbad on the same date and time.

29. On his transfer to Dhanbad Region No. III, Dhanbad Shri Raia Ram, Dy. Director of Mines Safety (Head Quarters), Dhanbad relinquished charge of his office in forenoon of 7th July, 1976 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Dhanbad, Region No. III, Dhanbad on the same date and time.

30. (i) On his transfer to Sitarampur Region No. III, Shri S. K. Samanta, Dy. Director of Mines Safety, Sitarampur Region No. II, relinquished charge of his office in the forenoon of 15th April, 1976 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Sitarampur Region No. III, Sitarampur on the same date and time.

30. (ii) On his transfer to Sitarampur Region No. I, Shri S. K. Samanta, Dy. Director of Mines Safety, Sitarampur

Region No. III relinquished charge of his office in the forenoon of 17th July, 1976 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Sitarampur Region No. I, Sitarampur on the same date and time.

31. On his transfer to Chaibasa Region, Chaibasa Shri K. C. Choudhury, Dy. Director of Mines Safety, Goa Region, Goa relinquished charge of his office in the afternoon of 18th June, 1976 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Chaibasa Region, Chaibasa in the forenoon of 29th June, 1976.

32. On his transfer to Dhanbad Region No. II, Shri Dasarath Singh, Dy. Director of Mines Safety (Headquarters), Dhanbad, relinquished charge of his office in the forenoon of 6th July, 1976 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety, Region No. II, Dhanbad, on the same date and time.

33. On his transfer to Sitarampur, Electrical Circle, Sitarampur, Shri V. V. Ramana Rao, Dy. Director of Mines Safety (Electrical), Dhanbad relinquished charge of his office in the afternoon of 16th October, 1976 and assumed charge of the office of the Dy. Director of Mines Safety (Electrical) Sitarampur Electrical Circle, Sitarampur, in the forenoon of 3rd November, 1976.

34. On his transfer to Sitarampur Region No. II, Shri S. K. Samanta, Assistant Director of Mines Safety, Sitarampur Region No. III, relinquished charge of his office in the forenoon of 28th January, 1976 and assumed charge of the office of the Assistant Director of Mines Safety, Sitarampur Region No. II, Sitarampur on the same date and time.

35. On his transfer to Ajmer Region, Shri V. K. Jain Assistant Director of Mines Safety, Gazababad Sub-Region, relinquished charge of his office in the forenoon of 27th March, 1976 and assumed charge of the office of the Assistant Director of Mines Safety, Ajmer Region, Ajmer, in the forenoon of 12th April, 1976.

36. On his transfer to Chaibasa Region, Chaibasa, Shri R. S. Singh, Assistant Director of Mines Safety, Dhanbad relinquished charge of his office in the afternoon of 21st August 1976 and assumed charge of the office of the Assistant Director of Mines Safety, Chaibasa Region, Chaibasa, in the forenoon of 24th August, 1976.

S. D. PRASAD,
Director-General of Mines Safety.

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad, the 11th January 1978

Adm.12(7)77.—Shri A. S. Singh, Asstt. Welfare Administrator is promoted as Welfare Administrator (F.W.) in the pay scale of Rs. 650—1200/- with effect from 8-11-1977 (F/N).

Shri Singh has been posted under the Coal Mines Welfare Organisation, Dhanbad.

H. H. QURAISHY,
Addl. Coal Mines Welfare Commissioner

MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

New Delhi, the 16th January 1978

No. 6/1110/76-Admn(G)/703.—On attaining the age of superannuation, Shri G.B.S. Monis, an officer of the Integrated Grade II and III of the General Cadre of IFS(B) relinquished the charge of the post of Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 31st December, 1977.

No. 6/1023/74-Admn(G)/714.—On attaining the age of superannuation, Shri A. K. Sen Gupta an officer of the Section Officer's grade of the CSS, relinquished charge of the

post of Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 31st December, 1977.

K. V. SESADRI,
Chief Controller of Imports and Exports.

MINISTRY OF INDUSTRY OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 22nd December 1977

No. A-19018/301/77-Admn(G).—On the recommendation of the U.P.S.C. The President is pleased to appoint Shri K. Sham Jee, Assistant Director (Gr. I) (Chem) in the Small Industries Development Organisation w.e.f. the forenoon of 26-10-77, until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri K. Sham Jee assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (Chem) in the Small Industries Service Institute, Srinagar w.e.f. the forenoon of 26th October, 1977.

The 10th January 1978

No. 12/96/61-Admn(G).—The President is pleased to appoint Shri S. B. Sen Gupta, Asstt. Director (Gr. II) (GAD) as Assistant Director (Gr. I) (GAD) on adhoc basis in the Small Industries Development Organisation w.e.f. 29-10-1977 (F.N.) and upto 31-12-1977 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. Consequent upon his appointment as Assistant Director (Gr. I), (GAD) Shri S. B. Sen Gupta assumed the charge of his post in the Small Industries Service Institute, Ludhiana w.e.f. 29-10-1977 (F.N.).

No. 12/559/67-Admn.(G).—The President is pleased to appoint on ad-hoc basis Shri P. K. Guha, Assistant Director (Gr. II) (GAD) as Assistant Director (Gr. I) (GAD) in the Small Industry Development Organisation w.e.f. the forenoon of 10-10-77 to 31-12-77 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

2. Consequent on his appointment as Assistant Director (Gr. I) Shri P. K. Guha assumed charge of the post of Asstt. Director (Gr. I) w.e.f. the forenoon of 10-10-1977 in the Small Industries Service Institute, Jaipur.

No. A-19018/231/75-Admn(G).—The Development Commissioner Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri M. L. Sarin, a permanent U.D.C. and officiating superintendent in the Small Industries Service Institute, Kanpur as Assistant Director (Gr. II) (General Administration) in the same Institute on ad-hoc basis for a period from 22-10-1977 (AN) to 31-12-1977 or till a regular Assistant Director (Gr. II) (GAD) is posted whichever is earlier.

2. Consequent upon his appointment, Shri M. L. Sarin, assumed charge of his post as Assistant Director (Gr. II) (GAD) on the afternoon of 28-10-1977 in the Small Industries Service Institute, Kanpur.

No. A-19018(294)/77-Admn.(G).—On the recommendations of the Union Public Service Commission the President is pleased to appoint Shri Pankaj Kumar Lahiri as Deputy Director (Hosiery) in the Small Industries Development Organisation w.e.f. the forenoon of 24-11-1977, until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri Pankaj Kumar Lahiri has assumed charge of the post of Deputy Director (Hosiery) at the Small Industries Service Institute, Madras w.e.f. the forenoon of 24-11-1977.

No. A-19018/297/77-Admn.(G).—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Mrs. Sunita Kumar as Assistant Director (Gr. I) (Chemical) in the Small Industries Development Organisation w.e.f. the forenoon of 28-10-77, until further orders.

2. Consequent upon her appointment, Mrs. Sunita Kumar assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (Chem.) in the Small Industries Service Institute, Bombay, w.e.f. 28-10-1977 (F.N.).

No. A-19018/307/77-Admn.(G).—On the recommendation of the U.P.S.C., the President is pleased to appoint Shri Anil Kumar Gogia as Deputy Director (Electrical) in the Small Industry Development Organisation with effect from the forenoon of 9th November, 1977, until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri A. K. Gogia, assumed charge of the post of Deputy Director (Electrical) in the SISI, New Delhi w.e.f. the forenoon of 9th November, 1977.

The 16th January 1978

No. 12/513/66-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri D. C. Karmakar, Assistant Director (Gr. II) (GAD) as Assistant Director (Gr. I) (GAD) on *ad-hoc* basis w.e.f. the forenoon of 11-10-77 to 31-12-77 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. Consequent upon his appointment Shri D. C. Karmakar assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. I) in the Small Industries Service Institute, Calcutta, w.e.f. the forenoon of 11-10-77.

No. 12(664)/70-Admn.(G).—On his appointment as Commissioner (Industrial Cooperatives) in the Department of Industrial Development, Shri K. P. Parameshwaran, has relinquished charge of the post of Director (Gr. II) in Small Industry Development Organisation on the forenoon of 5-12-77.

No. A-19018/176/75-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri Shiv Dayal, Superintendent, Small Industries Service Institute, Jaipur to officiate as Assistant Director (Gr. II) (GAD) in the same Institute on *ad-hoc* basis w.e.f. 9-5-77 (F.N.) upto 16-7-77 (AN) vice Shri P. K. Guha, granted leave.

No. A-19018/190/75-Admn.(G).—The President is pleased to relieve Shri K. Rangarajan, Assistant Director (Gr. I) (Mechanical) in the Small Industry Development Organisation w.e.f. 7-9-77 (AN) on his revision to Integral Coach Factory, Madras.

2. Consequent upon his revision to Integral Coach Factory, Madras, Shri K. Rangarajan, relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (Mechanical) on the afternoon of 7-9-77 in the Small Industries Service Institute, Ahmedabad.

No. A-19018/238/76-Admn.(G).—In continuation of this office notification of even No. dt. 18-8-77, the President is pleased to continue the *ad-hoc* appointment of Shri Vinod Lall, I.A.S., as Director (Gr. I) (GAD) in the Small Industries Development Organisation for a further period upto 30-4-1978 or till the post is filled up on a regular basis, whichever is earlier.

No. A-19018/316/77-A(G).—The President is pleased to appoint Shri Gulam Qadir Lone (I.A.S.) as Deputy Director on deputation basis in Small Industries Development Organisation w.e.f. the forenoon of 5th December, 1977, until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri Gulam Qadir Lone, I.A.S. has assumed charge of the post of Deputy Director (C.S.S. Grade I) in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi, with effect from the forenoon of 5th December, 1977.

V. VENKATARAYULU,
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

New Delhi, the 5th December 1977

No. A-6/76(4)/58/XV-Met. (I)—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Inspection Wing of the Directorate General of Supplies & Disposals substantively in the permanent posts of Assistant Directors of Inspection (Metallurgical) in the Metallurgical Branch of Grade III, of the Indian Inspection Service, Class I with effect from the date indicated against the name of each officer :

S. No.	Name of the Officer	Post held at present	Permanent post in which appointed substantively.	Date of substantive appointment	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
S/Shri (1) S. K. Ghosh	.	DDI (Met) (Retired)	ADI (Met)	*21-9-64 %24-2-67	*Adjusted against the permanent supernumerary post of ADI (Met) created w.e.f. 21-9-64 to 23-2-67 vide Deptt. of Supply letter No. A. 31013/2/75-ESII dated 26-9-77 and %subsequently w.e.f. 24-2-67 adjusted vice Shri B. C. Mukherjee retired.
(2) G. P. Gupta	.	DDI (Met)	Do.	6-4-67	Vice Shri D. K. Roy confirmed in the grade of DDI (Met.).
(3) K. P. Sahay	.	DDI (Met) (Retired)	Do.	6-4-67	Vice Shri K. C. Dutta Gupta confirmed in the grade of DDI (Met.).
(4) J. P. Sen	.	DDI (Met) (Retired)	Do.	28-2-68	Vice Shri A. K. Guha confirmed in the grade of DDI (Met.).
(5) P. C. Bose	.	DDI (Met)	Do.	1-3-69	Vice Shri K. N. Lulla confirmed as DDI (Met.).
(6) S. M. Das Gupta	.	DDI (Met) (Retired)	Do.	13-3-69	Vice Shri P. C. Mustafi confirmed as DDI (Met.).
(7) K. Chatterjee	.	DDI (Met)	Do.	1-4-69	Vice Shri S. M. Das Gupta at (S. No. 6) (Retired).

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
S/Shri (8) P. K. Mustafi	DDI (Met)	ADI (Met)	23-12-69	Adjusted against one of the 5 posts of ADI (Met) converted into permanent one vide Deftt. of Supply Letter No. 42/28/68 ESII Dt. 23-12-69.	
(9) R. M. Rudra	DDI (Met) (Retired)	Do.	23-12-69	No.	
(10) S. K. Pandey	DDI (Met)	Do.	Do.	No.	
(11) T. M. Warrier	ADI (Met) (Retired)	Do.	Do.	No.	
(12) R. S. Dubey	ADI (Met)	Do.	Do.	No.	
(13) Vishwa Prakash	ADI (Met)	Do.	12-11-71	Adjusted against temporary post of ADI (Met) Converted into permanent one vide Deftt. of Supply Letter No. A/11012/5/71-ESII Dt. 10/12-11-71.	
(14) M. D. Babylon	ADI (Met)	Do.	17-1-74	Vice Shri T. M. Warrier at (S. No. 11) (Retired)	
(15) J. C. Shankhary	ADI (Met)	Do.	29-1-74	Vice Shri K. P. Sahay at (S. No. 3) (Retired)	
(16) S. K. Das	ADI (Met)	Do.	1-11-74	Vice Shri J. P. Sen at (S. No. 4) (Retired).	

No. A-6/76(4)/58/XV-Met (II)—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Inspection Wing of the Directorate General of Supplies and Disposals substantively in the permanent posts of Deputy Director of Inspection (Metallurgical) in the Metallurgical Branch of Grade II of the Indian Inspection Service, Class I with effect from the date indicated against the name of each officer:—

S. No.	Name of the officer	Post held at present	Permanent post in which appointed substantively	Date of substantive appointment	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
S/Shri (1) A. K. Guha	D. I. (Met).	DDI (Met)	24-2-1968	Vice Shri S. K. Lahiri confirmed as Director of Insp.	
(2) S. K. Ghosh	DDI (Met) (Retired)	Do.	14-5-1971	Adjusted against temporary post of DDI (Met) converted into permanent one vide Deftt. of Supply Letter No. 42/28/68-ESII dated 23-12-1969.	
(3) K. M. Taneja	DDI (Met)	Do.	14-5-1971	Adjusted against temporary post of DDI (Met) converted into permanent one vide Deftt. of Supply Letter No. 42/28/68-ESII dated 23-12-1969.	
(4) S. B. Gupta	DDI (Met)	Do.	14-5-1971	No.	
(5) G. P. Gupta	DDI (Met)	Do.	12-11-1971	Adjusted against temporary post of DDI (Met) converted into permanent one vide Deftt. of Supply letter No. A-11012/5/71-ESII Dt. 10/12-11-71.	
(6) J. P. Sen	DDI (Met) (Retired)	Do.	12-4-1973	Vice Shri D. K. Ray expired on 11-4-1973.	

No. A-6/76(4)/58/XV-Met (III)—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Inspection Wing of the Directorate General of Supplies and Disposals substantively in the permanent posts of Deputy Director of Inspection (Textiles) in the Textiles Branch of Grade II of Indian Inspection Service, Class I with effect from the date indicated against each officer:—

S. No.	Name of the officer	Post held at present	Permanent post in which appointed substantively.	Date of substantive appointment	Remarks
1	2	3	4	5	6
(1) A. T. BASAK	DDI (Tex)	DDI (Tex)	26-6-72	Adjusted against the temporary post of DDI (Tex) converted into permanent	

1	2	3	4	5	6
S/Shri					one vide Deptt. of Supply Letter No. A. 11012/5/71-ESII dated 10/12-11-1971.
(2) S. C. Bakshi		DDI (Tex) (Retired)	DDI (Tex)	26-6-72	Vice Shri A. K. Parmanik, DDI (Tex) retired on 25-6-72 (A.N.).
(3) M. R. Haldar		DDI (Tex)	Do.	1-11-74	Vice Shri S. C. Bakshi, DDI (Tex) at S. No. 2 retired on 31-10-74 (A.N.).

No. A-6/76(4)/578/XV-Met (IV)—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Inspection Wing of the Directorate General of Supplies and Disposals substantively in the permanent posts of Deputy Director of Inspection (Metallurgical Chemical) in the Metallurgical Chemical Branch of Grade II of the Indian Inspection Service, Class I with effect from the date indicated against the name of each officer:—

S. No.	Name of the officer	Post held at present	Permanent post in which appointed substantively	Date of substantive appointment	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
s/Shri					
(1) S. N. Das Gupta		DDI (Met-Chem) (Retired)	DDI (Met-Chem)	23-12-69	Adjusted against the Tempy. post of DDI (Met. Chem) Converted into permanent one vide Deptt. of Supply Letter No. 42/28/68/ESI 1, Dt. 23-12-69.
(2) B. B. Banerjee		Do.	Do.	1-3-73	Vice Shri S. N. Das Gupta at S. No. 1 retired w.o.f. 28-2-73 (A.N.).

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 9th January 1978

No. 221/B/3/64/19C.—The following officers are confirmed in the grade of Driller Group 'B', Scale of pay—Rs. 650—30—740—35—810 — EB — 35—880—40—100—EB—40—1200/-) in the Geological Survey of India with effect from the dates as shown against each.

Sl. No., Name of officers & Date of confirmation

- Shri H. N. N. Murthy—8-12-1967.
- Shri S. K. Babuta—4-6-1973.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 12th January 1978

CORRIGENDUM

No. 5/59/68-SI.—For "Kum. D. E. Meherjee" Occurring at S. No. 6 of this Directorate's Notification No. 4(4)/76-SI (Vol. II) dated the 3rd December, 1976 regarding appointment of Kum. D. E. Meherji as a Programme Executive on an *ad hoc* basis please read as "Kum. D. E. Meherji".

N. K. BHARDWAJ
Deputy Director of Administration
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 11th January 1978

No. 17/42/49-Est.I.—On attaining the age of superannuation, Shri P. Das Gupta, Permanent Branch Manager, Films Division, Calcutta, retired from service from the afternoon of the 31st December, 1977.

M. CHANDRAN NAIR
Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 10th January 1978

No. A.12025/48/76(NMEP)/Admn.I.—The President is pleased to appoint the following officers to the post of Deputy Assistant Director (Entomology) at the National Malaria Eradication Programme, Delhi, with effect from the dates noted against each, till further orders:—

- Shri Prithvi Raj Malhotra—30th September, 1977 (Forenoon).
- Shri Mahadeo Sadashiv Bendle—5th October, 1977 (Forenoon).

The 11th January 1978

No. A.19019/52/76(SJ)Admn.I.—Consequent on the acceptance of his resignation Dr. K. Chandramouli relinquished charge of the post of Bio-Chemist in Safdarjung Hospital, New Delhi, on the afternoon of 6th December, 1977.

No. A.32013/3/77(HQ)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri D. R. Sharma to the post of Senior Architect in the Directorate General of Health Services, New Delhi, with effect from 14th November, 1977 in a temporary capacity until further orders.

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Administration

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION
 (DEPARTMENT OF AGRICULTURE)
 OFFICE OF THE DIRECTOR, INTEGRATED FISHERIES
 PROJECT

Cochin-16, the 23rd August 1977

No. A2/7-55/65.—Shri K. Ravinathan is appointed as Marketing Officer G.C.S. Gr. B (Gazetted) in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Integrated Fisheries Project with his Headquarters at Ernakulam in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1-8-1977 until further orders.

B. KRISHNAMURTI

Cochin-16, the 23rd August 1977

No. A2/7-275/69.—Dr. Varghese P. Oomen is appointed as Fishery Officer, G.C.S. Gr. B. (Gazetted) in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Integrated Fisheries Project with his Headquarters at Ernakulam, in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1-8-1977 until further orders.

D. A. S. GNANADDOSS

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
 NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandsahr-202397, the 3rd January 1978

No. NAPP/Admin/2(32)/77.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, appoints Shri Satpal Singh Chadda a permanent Asstt. Foreman in the Central Pool of Power Project Engineering Division and an officiating Foreman in the Narora Atomic Power Project as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Project, in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1977 until further orders.

G. G. KULKARNI
 Sr. Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 29th December 1977

No. DPS/2/1(16)/77-Adm./37705.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated November 8, 1977, Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Parari Kizhakkodan Radhakrishnan, officiating Storekeeper in the Stores Unit (DPS) VEC Project at Calcutta as an Assistant Stores Officer on an *ad hoc* basis in the same Directorate for a further period ending February 28, 1978.

B. G. KULKARNI
 Assistant Personnel Officer

Bombay-400001, the 9th January 1978

No. DPS/2/1(25)/77-Adm./2262.—On transfer from Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, Shri V. D. Choudhary, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accounts Officer in Tarapur Atomic Power Station has been appointed in the Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy with effect from the forenoon of November 16, 1977 in the same capacity.

K. P. JOSEPH
 for Administrative Officer

MADRAS REGIONAL PURCHASE UNIT

Madras, the 31st December 1977

No. MRPU/200(150)/77 Adm.—The Director, Purchase & Stores is pleased to appoint Shri P. V. Prabhakaran an

officiating Storekeeper in the Directorate of Purchase & Stores, Reactor Research Centre Stores, Kalpakkam as officiating Assistant Stores Officer in the same unit with effect from the forenoon of December 12, 1977 to January 12, 1978.

S. RANGACHARY
 Purchase Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 7th January 1978

No. PAR/0705/3320.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri J. Suryanarayana Rao, Assistant Accountant, as Assistant Accounts Officer, in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, for the period from 26-8-1977 to 25-12-1977.

S. P. MHATRE
 Senior Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 14th January 1978

No. AMD/1/28/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri B. R. M. Kumar, Permanent Scientific Assistant 'A' and officiating Scientific Assistant 'C' of Atomic Minerals Division as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st August, 1977 until further orders.

S. RANGANATHAN
 Sr. Administrative & Accounts Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 17th January 1978

No. E(I)00922.—The Director General of Observatoics, hereby appoints Dr. C. V. Veera Bhadram as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30th November, 1977 and until further orders.

Dr. Bhadram is posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(I)00932.—The Director General of Observatoics, hereby appoints Dr. B. K. Basu as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in a temporary capacity with effect from the forenoon of 18th November, 1977 and until further orders.

Dr. Basu is posted to the office of the Dy. Director General of Observatoics (Climatology), Pune.

No. E(I)07792.—The Director General of Observatoics hereby appoints Dr. S. K. Dube, Professional Assistant, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) with effect from the forenoon of 12th December 1977 and until further orders.

Dr. Dube is posted to Headquarters office of the Director General of Observatoics, New Delhi.

G. R. GUPTA
 Meteorologist
 for Director General of Observatoics

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 29th December 1977

No. A.32014/4/76-FC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. Xavier, Technical

Assistant, ACS, Gauhati to the grade of Assistant Technical Officer on ad-hoc basis with effect from the 29-11-77 (F.N.) and to post him at Aeronautical Communication Station, Calcutta.

The 5th January 1978

No. A.32013/2/77-EW.—The President is pleased to appoint Shri H. C. Roy Choudhury, Senior Fire Officer to the grade of Deputy Director (Fire) on ad-hoc basis with effect from 30.6.77 for a period of six months or till regular appointment to the grade is made whichever is earlier and to post him at the Headquarters.

This office Notification No. A.32013/2/77-EW dated the 15.9.77 is hereby cancelled.

The 11th January 1978

No. A. 32013/9/77-EC.—The President is pleased to appoint the following Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer on ad-hoc basis for a period of six months with effect from the date of taking over charge of the higher post or till regular appointment to the grade are made, whichever is earlier with effect from the date indicated against each and to post them at the stations indicated against each:—

Sl. No.	Name	Present station of posting	Station to which taken over charge	Date of posting
1.	Shri K. Chandrachudan .	ACS, Madras.	ACS, Madras.	28-9-77 (FN)
2.	Shri S. Thirumalai .	ACS, Madras.	ACS, Madras.	28-9-77 (FN)
3.	Shri M. Aruldas .	ACS, Madras.	Regional Office Madras.	28-9-77 (FN)
4.	Shri P. S. Mullick .	DRC& DU, N. Delhi.	DRC & DU, N. Delhi.	22-9-77 (FN)
5.	Shri D. B. Sud .	ACS, Lucknow.	ACS, Safdarjung Airport, N. Delhi.	19-10-77 (FN)
6.	Shri T. R. Shastri .	ACS, Keshod	ACS, Bombay,	19-11-77 (FN)

S. D. SHARMA,
Deputy Director of Administration.

New Delhi, the 11th January 1978

No. A.32013/13/76-ES.—The President is pleased to appoint Shri M. M. Chowla to officiate as Controller of Aeronautical Inspection on Regular basis and until further orders with effect from 1st December, 1977 (F.N.) and to post him at Bombay.

The 13th January 1978

No. A. 32013/6/76-ES.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers to the grade of Aircraft Inspector on an ad-hoc basis w.e.f. the date noted against each upto 31-12-1977:—

Sl. No.	Name	Date of appointment	Station of posting
1.	Sh. Lalit Mohan Mathur	12-10-77	D.G.C.A. (Hqrs.)
2.	Sh. Harihar Prasad	12-10-77	R. D., Bombay
3.	Sh. Ramesh Narain Sastry	22-12-77	R. D., Bombay

S. L. KHANDPUR,
Assistant Director of Administration.

12 - 446/31/77

COLLECTORATE OF CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

Allahabad, the 47th December 1977

No. 28/1977.—Shri P. S. Goel, Superintendent of Central Excise Group 'B' posted as Superintendent Central Excise, Bareilly in the Central Excise Integrated Divisional Office, Bareilly has retired from Government service in the afternoon of 31-10-1977.

A. L. NANDA
Collector

DIRECTORATE OF INSPECTION AND AUDIT, CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 12th January 1978

No. 1/78.—Consequent on his retirement on superannuation, Shri Hari Dev Sharma relinquished charge of the post of Administrative Officer (Customs & Central Excise) in the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise, New Delhi on 31.12.77 (A.N.).

The 17th January 1978

No. 2/78.—On his retirement on superannuation Shri S. N. Tewari relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' in the North Regional unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise at Allahabad on 31.12.1977 (AN).

S. VENKATARAMAN
Director of Inspection

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING)

Bombay-400001, the 12th January 1978

No. 11/TR(6)/76.—The President is pleased to appoint Shri Prabir Ghosh as Lecturer-in-Engineering in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta, on ad-hoc basis, with effect from the forenoon of the 14th November 1977, until further orders.

K. S. SIDHU
Dy. Director General of Shipping

Bombay-1, the 16th January 1978

(MERCHANT SHIPPING)

No. 2(7)CRA/71.—The Director General of Shipping, Bombay hereby appoints Shri Om Parkash Kapoor, Offg. Asstt. Shipping Master, Bombay, to officiate as Dy. Shipping Master, Bombay with effect from the forenoon of the 14th November, 1977 and until further orders.

M. WALA
Dy. Director General of Shipping

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 1st January 1978

No. 7/5/78-Adm.III.—The Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri Naveen Chandra Bhandula, Junior Accounts Officer of the Office of Principal Pay and Accounts Office, Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Irrigation), New Delhi as Assistant Accounts Officer (Costing) in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 on deputation in Central Water Commission for a period of one year on the terms and conditions as laid down in the Ministry of Finance O.M. No. E-10(24)-E.III(B)/60 dated 4.5.1961 as amended from time to time.

Shri Naveen Chandra Bhandula assumed charge of the Office of the Assistant Accounts Officer (Costing) in the Central Water Commission on the forenoon of 7th January, 1978.

JASWANT SINGH
Under Secretary
Central Water Commission

New Delhi, the 11th January 1978

No. A-19012/663/77-Adm.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri V. V. Ramana Sarma, Supervisor to the grade of Assistant Engineer in the Drought Area Study Sub-Division II, CWC, Aurangabad on a purely temporary and ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 31.8.77 (AN) until further orders.

Shri V. V. Ramana Sarma assumed charge of the post of Assistant Engineer, Draught Area Study Sub-Division II, Aurangabad with effect from 31.8.1977 (AN).

The 16th January 1978

No. A-19012/39/77-Adm.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri. D. S. Kaloti, Research Assistant to the grade of Assistant Research Officer (Physics) in the Central Water Commission, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and ad-hoc basis w.e.f. the afternoon of 17.12.1977 upto 10.5.1978, or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

J. K. SAHA
Under Secy.
Central Water Commission

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF

New Delhi, the 11th January 1978

No. 23/2/77-EC.II.—The following Officers of Central Public Works Department on attaining the age of superannuation (58 years) have retired from Government service with effect from 31-12-1977 A.N.:

Name & Designation S/Shri	Office
1. S. K. Bose, Chief Engineer	Eastern Zone, Calcutta.
2. M. R. Saha, Surveyor of Works	Delhi Central Circle No. 3, New Delhi.
S. S. P. RAU Deputy Director of Administration for Engineer-in-Chief	

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION

(DEPARTMENT OF SUPPLY)

NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE

Calcutta-27, the 10th January 1978

No. G-65/B(CON).—The undersigned hereby appoints Sarvashri P. B. Patel and R. T. Desai, Scientific Assistants (Chemical) in the National Test House, Bombay Branch, Bombay to officiate as Scientific Officer (Chemical) in the same office w.e.f. 25/10/77(F/N) and 23/11/77 (F/N) respectively on an ad-hoc basis until further orders.

No. G-318/A.—The undersigned hereby appoints Shri N. Radhakrishnan, Scientific Assistant (Mechanical), National Test House, Calcutta as Scientific Officer (Mechanical) in the same office on an ad-hoc basis with effect from 1/12/77 (F/N), until further orders.

B. C. BISWAS
Joint Director
National Test House, Calcutta.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Bihar Sahitya Bhawan Private Limited

Calcutta, the 11th January 1978

No. 16115/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section 3 of Section 560 of the Companies Act, 1956,

that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bihar Sahitya Bhawan Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
CIDIM Engineering Private Limited

Calcutta, the 11th January 1978

No. 26942/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section 3 of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the CIDIM Engineering Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

S. C. NATH
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Telc Voice Private Limited.

Chandigarh, the 10th January 1978

No. G/Stat/2490/560/10807.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Telc Voice Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies
Punjab, H. P. & Chandigarh

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Rungta Straw Board & Paper Products Private Limited.

Gwalior, the 7th January 1978

No. 1245/78/261.—Notice is hereby given pursuant to sub-section 3 of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Rungta Straw Board & Paper Products Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

J. R. BOHRA
Registrar of Companies
Madhya Pradesh, Gwalior

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX DELHI-II

New Delhi, the 11th January 1978

(INCOME-TAX)

1. No. JUR-DLI/II/77-78/33786.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 125A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notifications issued earlier on the subject, C.I.T., Delhi-II hereby directs that all or any of the powers or functions conferred on, or assigned to the Income-tax Officer, District-VI(13), New Delhi in respect of any area or persons or classes of persons or incomes or classes of income, or cases or classes of cases shall be exercised or performed concurrently by the I.A.C., Range-II-E.

2. For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.T., Delhi-II also authorises the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-II-E to pass such orders as contemplated in sub-section(2) of Section 125A of the Income-tax Act, 1961.

This notification shall take effect from 11.1.78.

F. No. JUR/DLI/II/77-78/33898:—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and and in modification of earlier orders on the subject the Commissioner of Income-tax, Delhi-II, New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax mentioned in Col. 1 of the schedule herein below shall perform all the functions of Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax under said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons of such incomes or classes of income or of such cases of classes of cases as fall within the jurisdiction of the ITOs of the Districts/Circles mentioned in col. 2 of the said schedule:—

SCHEDULE

Range	Income-tax Distt./Circles
1.	2.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-II-B, New Delhi.	1. Distt.-VI, New Delhi excepting Distt. VI (13), New Delhi. 2. Distt. VI (13), New Delhi.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-II-E, New Delhi.	1. Companies circle-XXIV, New Delhi. 2. Distt. VI (13), New Delhi.

This notification shall take effect from 11-1-1978.

The 12th January 1978

F. No. JUR-DLI/II/77-78/34180:—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject the commissioner of Income-tax Delhi-II, New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax mentioned in Col. 1 of the schedule herein below shall perform all the functions of Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax under said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons of such incomes or classes of income or of such cases of classes of cases as fall within the jurisdiction of the ITOs of the Districts/Circles mentioned in Col. 2 of the said schedule:—

SCHEDULE

Range	Income-tax Distt/Circles
1.	2.
Inspecting Assistant, Commissioner of Income-tax, Range-II-A, New Delhi.	Companies Circles-I, IV, V, VI, VIII, IX, XI & XVII, New Delhi.
Inspecting Assistant, Commissioner of Income-tax, Range-II-C-cum-ED New Delhi.	(1) Estate-Duty-cum-Income-tax circle. (2) Additional Estate Duty-Cum-Income tax Circle, New Delhi.
Inspecting Assistant, Commissioner of Income-tax, Range-II-D, New Delhi.	(1) Companies Circle-XVIII, XXI, XXII, New Delhi. (2) Contractors' Circles, New Delhi,

(3) Lawyers Circle I & II, New Delhi.

(4) Trust Circles, New Delhi.

This notification shall take effect from 16-1-1978.

A. C. JAIN,
Commissioner of Income-tax,
Delhi. II, New Delhi.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
BOMBAY CITY

Bombay-400029, the 28th October 1977

INCOME-TAX ESTABLISHMENT

No. 403:—The following officers are hereby appointed substantively to the posts of Income-tax Officer, Group-B with effect from the dates mentioned against their names:—

(1) Shri V. S. Sawant	.	.	.	2-12-1976
(2) Shri A. L. Arokidas	.	.	.	1-2-1977
(3) Shri M. V. Sawant	.	.	.	1-3-1977
(4) Shri B. S. Gothe	.	.	.	1-4-1977
(5) Smt. D. S. Mani	.	.	.	1-6-1977
(6) Shri M. V. Patankar	.	.	.	1-7-1977
(7) Shri S. L. Patole (S.C.)	.	.	.	1-7-1977
(8) Shri V. Shrivashankaran	.	.	.	1-8-1977
(9) Shri S. S. Bonsale (S.C.)	.	.	.	1-8-1977
(10) Shri S. S. Adarkar	.	.	.	1-8-1977
(11) Shri T. V. M. Warrier	.	.	.	1-8-1977
(12) Shri S. D. Gholap	.	.	.	1-8-1977
(13) Shri B. K. Virtak	.	.	.	1-8-1977
(14) Shri H. S. Ambe	.	.	.	1-8-1977
(15) Kum. S. A. Mantri	.	.	.	1-8-1977
(16) Shri S. G. Kudav	.	.	.	1-8-1977
(17) Shri S. B. Sable (S.T.)	.	.	.	1-8-1977
(18) Shri V. B. Rajwade	.	.	.	1-8-1977
(19) Shri M. M. Sukhtankar	.	.	.	1-8-1977
(20) Shri P. S. P. Iyengar	.	.	.	1-8-1977
(21) Shri M. S. Mantri	.	.	.	1-8-1977
(22) Shri K. R. Raju	.	.	.	1-8-1977
(23) Shri G. L. Khurana	.	.	.	1-8-1977
(24) Shri S. L. Bhatt	.	.	.	1-8-1977
(25) Shri B. M. Bhagat	.	.	.	1-8-1977
(26) Shri S. G. Thakur	.	.	.	1-8-1977
(27) Shri S. P. Lamba	.	.	.	1-8-1977
(28) Shri S. D. Purandare	.	.	.	1-8-1977
(29) Shri M. H. Shaikh	.	.	.	1-8-1977

Sd/-
(J. KRISHNAMURTHY)
Commissioner of Income-tax,
Bombay City II, Bombay

Sd/-
(S. T. TIRUMALACHARI)
Commissioner of Income-tax,
Bombay City I, Bombay

Sd/-
(V. R. TALVADKAR)
Commissioner of Income-tax,
Bombay City IV, Bombay

Sd/-
(S. S. KAPUR)
Commissioner of Income-tax,
Bombay City III, Bombay

Sd/-
(K. N. ANANTHARAMA
AYYAR)
Commissioner of Income-tax,
Bombay City VI, Bombay

Sd/-
(A. A. KAZI)
Commissioner of Income-tax,
Bombay City V, Bombay

Sd/-
(R. VENKATARAMAN)
Commissioner of Income-tax,
Bombay City VIII & XI,
Bombay.

Sd/-
(T. S. R. NARASIMHAM)
Commissioner of Income-tax,
Bombay City VII, Bombay

Sd/-
(K. K. SEN)
Commissioner of Income-tax,
Bombay City X, Bombay

Sd/-
(KANWAL KRISHAN)
Commissioner of Income-tax,
Bombay City IX, Bombay.

OFFICE OF THE INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-20, the 9th January 1978

No. F. 48-Ad(AT)/77-P.III.—Shri Ambika Prasad, Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Patna Benches has retired from Government service with effect from 31.12.1977 (AN) on reaching the age of superannuation.

The 13th January 1978

No. F. 48-Ad(AT)/77-P.II.—Shri Niranjan Dass officiating Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches who was appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on ad hoc basis in a temporary capacity for a period of three months with effect from the forenoon of 17th October 1977, vide this office Notification of even number dated 1st November, 1977, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on ad-hoc basis for a further period of six months from 17.1.1978 (forenoon) to 16.7.1978 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri Niranjan Dass a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

No. F. 48-Ad(AT)/77-Part II.—Shri A. Hanumantha Rao, Registrar Boards for Ayurveda & Homoeopathy, A. P. Hyderabad is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Indore Bench, Indore in a

temporary capacity with effect from 28-12-1977 (FN) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 until further orders.

He will be on probation for two years with effect from 28.12.1977 (FN).

The 16th January 1978

No. F. 48-Ad(AT)/77.P.II.—Shri M. K. Dalvi, Personal Assistant to Vice-President, Income-tax Appellate Tribunal, (Northern Zone), New Delhi, who was appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi in the leave vacancy in the pay-scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the 14th November, 1977 to 13th January, 1978 vice Shri C. L. Bhanot, Asstt. Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, granted leave vide this office Notification of even number dated 28th November, 1977 is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi in the leave vacancy with effect from 14th January, 1978 to 10th February, 1978 vice Shri Sat Pal, Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, granted leave.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri M. K. Dalvi a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

P. D. MATHUR
President

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 3rd January 1978

Ref. No. 7/MAY/1977.—Whereas, I, A. T. GOVINDAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Sembakkam Village, Vellore Taluk (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.O., I. Vellore (Doc. No. 1199/77) on May 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of '922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri N. M. Sadatullah
S/o N. M. Habibullah Sahib
Ambur Town
1. K. Idayadullah
S/o K. Abdul Salam Sahib
9 T. Rahman Sahib Street
Ambur Town

(Transferor)

(2) Smt. Parveen Sadat
W/o N. M. Sadatullah Sahib
15/2 N. High Road,
Vepery, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building measuring one acre and 30 cents at Sembakkam Village, Vellore Taluk bearing the following S. Nos.

Survey No. 158/2	0.29 acres
Survey No. 158/1B/24	0.17 acres
Survey No. 158/1B/24	0.46 acres
Survey No. 158/1B/24	0.28 acres
Survey No. 158/1B/6	0.10 acres
	1.30 acres

A. T. GOVINDAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 3-1-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kartar Kaur W/o Shri Kishan Singh,
R/o 2064, Sector 15-C, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD,
ROHTAK

Rohtak, the 17th January 1978

Re. No. CHO/34/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 1290 ,Sector 21-B, situated at Chandigarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in June 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Residential house (2½ storey) bearing No. 1290, Sector 21-B, Chandigarh. Total area of the land is 249.40 Sq. Yds.

(Property as mentioned in the sale deed registered at Sl. No. 278 dated 8-6-1977 of the Registering Authority, Chandigarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 17-1-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD,
ROHTAK

Rohtak, the 9th January 1978

Ref. No. KTL/1/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Commercial-cum-residential building known as Park View Restaurant, City Road, situated at Kaithal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kaithal in May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri Harish Chand
S/o Shri Ishar Dass Atora,
Trading Corporation, Krishna Gate,
Thanesar (Kurukshetra)

(Transferor)

(2) Dr. Ram Nath
S/o Shri Sher Chand,
Sawan Bazar, Kaithal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property consists of commercial-cum-residential building known as Park View Restaurant, City Road, Kaithal. Total area of the land attached to property is 69.5 Sq. Yds.

(Property as mentioned in the sale deed registered at Sl. No. 239 of May, 1977 of the Registering Authority, Kaithal.)

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

"Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely:—

Date : 9-1-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-JI, BOMBAY**

Bombay, the 12th January 1978

Ref. No. A.R.II/2468-1/May 77.—Whereas, I, G. A. JAMES, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

City Survey No. C/1015, C/1014 situated at Palimala Rd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 7-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Amy Frach Nadirshah and Cooverji Rustomji Jussawalla Executrix & Executor of the will of late Sherene Hormusji Jamshedji Antia (Deed) (Transferor)
- (2) M/s Rajesh Construction Co. (Transferee)
- (3) 1. Mrs. Shaikh Mohammed Y. Omar
2. Mrs. S. S. Kulikarni
3. Mrs. D. J. Saldana
4. Mrs. Fernandes
5. Mrs. E. Dsouza
6. Mr. R. S. Chabria
7. Mrs. Purnima B. Desai
8. Mr. B. Dorabji Katgara
9. Mr. P. L. R. Shenoy

- 10. Mr. M. M. Patelk
11. Mr. Thomas Kurion
12. Mr. Thomas Kurien
13. Mrs. Meera S. Deshpande
14. Mrs. Meera S. Deshpande
15. Mr. N. A. Noronha
16. Mr. Aspi A. Jokhi
17. Mrs. J. P. Ferreira
18. Mr. P. M. Vankadia
19. Mrs. Monica D. Mohindru
[Person in occupation of the property]
(4) Kousalya Sampat (Confirming Party)
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FIRST : ALL that piece or parcel of land or ground of Rayatwari Tenure with the messuage tenement or dwelling house standing thereon situate lying and being plot No. 44 of DANDA SCHEME, Bandra, Greater Bombay in the Registration Sub-District of Bombay, Suburban District in the Island of Bombay containing by admeasurement 781 square yards or thereabouts (i.e. to say 653.30 sq. metres) and bearing City Survey No. C-1015 of Bombay Suburban Division and in the Books of the Municipal Corporation of Greater Bombay under Municipal H Ward No. 1900 Danda Scheme and bounded as follows : that is to say on or towards the East by C.T.S. No. 1016 on or towards the West by C.T.S. No. 1031, on or towards the North by plot of land Secondly described and on or towards the South by a Lane.

SECONDLY : ALL that piece or parcel of land of Rayatwari Tenure together with the messuage tenement or dwelling house standing thereon situate lying and being plot No. 44 of Danda Scheme, Bandra, Greater Bombay in the Registration Sub-District of Bombay Suburban District in the Island of Bombay containing by admeasurement 115 sq. yds. (i.e. to say 96.15 sq. metres) bearing City Survey No. C/1014 of Bombay Suburban District and bounded as follows : that is to say on or towards the East by C.T.S. No. 1010, on or towards the West by C.T.S. No. 1033, on or towards the South by the plot of land First described and on or towards the North by C.T.S. No. 1013.

G. A. JAMES
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bombay

Date : 12-1-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th January 1978

Ref. No. A.R.II/2471-4/May 77.—Whereas, I, G. A.

JAMES,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 16 & 16A of S.S. No. VI (Danda) situated at Perry Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 9-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) The Central Bank Executor and Trustee Co. Ltd.
(Transferor)
- (2) The Yasmina Apartments Cooperative Housing Society Limited.
(Transferee)
- (3) 1. Mrs. Z. U. Rehman
 2. Mrs. A. A. Batatawala
 3. Mrs. Salma Ismail
 4. Mr. H. M. Sethna
 5. Miss P. M. Shanuna
 6. Dr. Dharampal Agarwal
 7. Mr. C. B. Pereira
 8. Mrs. E. C. Fonseca
 9. Mr. R. A. Fernandez
 10. Mr. S. Ali
 11. Mr. I. A. Kazi
 12. Mrs. J. Manchanda
 13. Mrs. N. Dabastani
 14. Mr. S. B. Daruwala
 15. Mr. M. B. Daruwala
 16. Mr. Reggie Almeida
 17. Mr. P. A. Alexander
 18. Miss J. Baptista

- 19. Mrs. H. N. Chinoy
 20. Mr. N. Khan
 21. Mr. L. D. Adajania
 22. Mrs. C. Allams
 23. Mr. U. A. G. Merchant
 24. Mr. M. Y. Lele.
[Person in occupation of the property])

- (4) 1. Mrs. Z. U. Rehman
 2. Mrs. A. A. Batatawala
 3. Mrs. S. R. Ismail
 4. Mrs. S. R. Ismail
 5. Mr. H. M. Sethna
 6. Miss P. M. Shanuna
 7. Dr. D. Agarwal
 8. Mr. C. B. Pereira
 9. Mrs. E. C. Fonseca
 10. Mr. R. A. Fernandez
 11. Mr. Magba M. E. A. Aziz
 12. Mr. I. A. Kazi
 13. Mrs. J. Manchanda Jt.
 14. Mrs. N. Dabastani
 15. Mr. S. B. Daruwala
 16. Mr. M. B. Daruwala
 17. Mr. R. V. Almeida
 18. Mr. P. A. Alexander
 19. Miss J. Baptista
 20. Mrs. H. N. Chinoy
 21. Mr. N. Khan
 22. Mr. I. D. Adajania
 23. Mrs. C. Allams
 24. Mr. U. A. G. Merchant
 25. Mrs. Z. M. Lelc Joint
 26. M/s Hoosein Nensey Nathoo & Co.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FIRST : All that piece of Government land containing by admeasurement 958 square yards or thereabouts equivalent to 800.98 square metres or thereabouts situate at Perry Road, Bandra, in the Municipal limits of Bandra and in the registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban (now Greater Bombay) being Entry No. 1625 Plot No. 16 of the Sudurban Scheme No. VI (Danda) together with the structures thereon assessed by the Bandra Municipality under H Ward 1849 No. 16 Danda Scheme and bounded on or towards the East by Kantwadi Road, on or towards the West by plot No. 17, S. S. No. VI on or towards the North by Perry Road and on or towards the South by Plot No. 16A, S.S. No. VI (Hereinbelow secondly described).

SECONDLY : All that piece of Government vacant land containing by admeasurement 694 square yards or thereabouts equivalent to 580.25 square metres or thereabouts situated at Perry Road, Bandra in Danda in the Municipal Limits of Bandra and in the registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban (now Greater Bombay) being Plot No. 16A of Suburban Scheme No. VI (Danda) and bounded on or towards the North by Plot No. 16 S.S. No. VI (hereinabove First described) on or towards the South by Plot No. 16B and S.S. No. VI, on or towards the East by Kantwadi Road and on or towards the West by Plot No. 17, S.S. No. VI.

G. A. JAMES
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bombay.

Date : 12-1-1978

Seal :

FORM ITNS —————

- (1) 1. Shri Fiamroze K. Poohkhanwala,
2. Sherec A. Soordas and
3. Shri Dinshaw Minocher Spencer.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 21st January 1978

Ref. No. ARI/2037-13/77.—Whereas, I, P. J. FERNANDEZ being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961 hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 756 (Pt.) of Malabar & Cumballa Hill Divn., S. Desai Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Bombay on 16-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Deed No. 913/72/Bom and registered on 16-5-1977 with the Sub-Registrar, Bombay.

P. J. FERNANDEZ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-1-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Amar Nath S/o Shri Nand Lal
R/o B. 553, Braham Puri, Ludhiana.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1978

Ref. No. IDH/U/77-78/61.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as in the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Share in Building No. B-23.59 measuring 164-1/4 Sq. Yds. situated at Industrial Area (A) Ludhiana, of plot area 1080 sft. situated at Nehru Ward Pipariya, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Sh. Satish Kumar Saggar S/o Shri Brij Lal Saggar R/o Sanjiv Scientific Dyers, Industrial Area—A Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share in Building No. B-23.59 measuring 164-1/4 Sq. Yds. situated at Industrial Area, Ludhiana.

(Property as mentioned in the registered deed No. 586 of May, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 13-1-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Bal Kishan Dass S/o Sh. Nand Lal
R/o 551 B-4 Braham Puri, Ludhiana.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1978

Ref. No. LDH/U/201/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Share in Building No. B-23.59 measuring 164-1/4 Sq. Yds. situated at Industrial Area (A) Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(2) Sh. Satish Kumar Saggar S/o Shri Brij Lal Saggar R/o Sanjiv Scientific Dyers, Industrial Area—A Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Share in Building No. B-23.59 measuring 164-1/4 Sq. Yds. of May, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana).

(Property as mentioned in the registered deed No. 587 of May, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13-1-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1978

Ref. No. LDH/U/202/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Share in Building No. B-23.59 measuring 164-1/4 Sq. Yds. situated at Industrial Area (A) Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Surinder Mohan S/o Sh. Kidar Nath, R/o B.1.1226 Mohalla Rajinder Nagar, Civil Line, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Satish Kumar Saggar S/o Shri Brij Lal Saggar R/o Sanjiv Scientific Dyers, Industrial Area—A Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share in Building No. B-23.59 measuring 164-1/4 Sq. Yds. situated at Industrial Area, Ludhiana.

(Property as mentioned in the registered deed No. 588 of May, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13-1-1978.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th January 1978

Ref. No. LDH/U/39/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Plot bearing Khasta No. 1197/426, measuring 158.70 sq yds, situated at Geblewal near Bharat Nagar, Chowk, Ludhiana Tehsil, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Bhagwan Kaur
Wd/o Shri Gulzara Singh
R/o V. Bharowal Kalan, Tehsil Jagroan
Distt. Ludhiana.
Self and General Attorney of Daljit Kaur
D/o Shri Gulzara Singh and Jit Singh
S/o Shri Gulzara Singh.

(2) Shri Ramesh Kumar Khurana
S/o Shri Chaman Lal Khurana,
R/o 57-L, Model Town, Ludhiana.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing Khasta No. 1197/424 measuring 158.70 Sq. yds, situated at Geblewal near Bharat Nagar Chowk, Ludhiana, Tehsil Ludhiana.

(Property as mentioned in the registered Deed No. 433 of May 1977, of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13-1-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Bhagwan Kaur
Wd/o Shri Gulzara Singh
R/o V. Bharowal Kalan, Tehsil Jagroan
Distt. Ludhiana.
Self and General Attorney of Daljit Kaur
D/o Shri Gulzara Singh and Jit Singh
S/o Shri Gulzara Singh.
(Transferor)

- (2) Shri Parvinder Kumar
S/o Shri Chaman Lal Khurana,
R/o 57-L, Model Town, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. LDH/U/108/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot bearing Khasra No. 1187/424, measuring 158.70 sq yds. situated at Gehlewal near Bharat Nagar Chowk, Ludhiana, Tehsil Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Plot bearing Khasra No. 1197/424 measuring 158.70 Sq. yds. situated at Gehlewal, near Bharat Nagar Chowk, Ludhiana, Tehsil Ludhiana.

(Property as mentioned in the registered Deed No. 954 of June, 1977, of the Registering Officer, Ludhiana).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 13-1-1978.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Smt. Bhagwan Kaur
Wd/o Shri Gulzara Singh
R/o V. Bharowal Kalan, Tehsil Jagroan
Distt. Ludhiana,
Self and General Attorney of Daljit Kaur
D/o Shri Gulzara Singh and Jit Singh
S/o Shri Gulzara Singh.

(Transferor)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA**

(2) Shri Chander Kumar
S/o Shri Chaman Lal,
R/o 57-I, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Ludhiana, the 13th January 1978

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. LDH/U/180/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Plot bearing Khasra No. 1197/424, measuring 158.70 sq. yds. situated at Gehlewal near Bharat Nagar Chowk, Ludhiana, Tehsil, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property in as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing Khasra No. 1197/424 measuring 158.70 Sq. yds. situated at Gehlewal near Bharat Nagar Chowk, Ludhiana, Tehsil Ludhiana.

(Property as mentioned in the registered Deed No. 1674 of August, 1977, of the Registering Officer, Ludhiana).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-1-1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) S/Shri Jagdish Singh and Balwinder Singh
S/o Shri Arjan Singh,
R/o Nabha.

(Transferor)

(2) M/s Aggarwal Mills,
Circular Road, Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1978

Ref. No. NBA/3/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspector Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of Land at Circular Road, Nabha situated at Circular Road, Nabha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

Nabha in May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khetwa No. 95, Khatauni No. 149, Khasra No. 49/7 Min (7-11), 14 Min (1-3) Total 8 Kanals 14 Marlas—1/2 Share—situated at Nabha.

(Property as mentioned in the registered deed No. 347 of May, 1977 of the Registering Officer, Nabha).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

41—446GI/77

Date : 13-1-1978.

Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th January 1978

Ref. No. NBA/7/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of Land at Circular Road, Nabha situated at Circular Road, Nabha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Nabha in June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Surjit Singh and Darshan Singh
S/o Shri Ajjan Singh,
R/o Nabha.

(Transferor)

(2) M/s Aggarwal Mills,
Circular Road, Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land Measuring 4 Kanals 7 Marlas—Khewat No. 95 Khatauni No. 149, Khasra No. 49/7 Min (7-11), 14 Min (1-3) Total 8 Kanals 14 Marlas—1/2 Share—situated at Circular Road, Nabha.

(Property as mentioned in the registered deed No. 609 of June, 1977 of the Registering Officer, Nabha).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-1-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1978

Ref. No. SRD/21/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural Lands situated at Village Rajinder Nagar, Teh. Sirhind
Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Bhan Singh Dhakkar
S/o Shri Naik Singh &
Shri Prithi Singh
S/o Shri Mal Singh
V. Bhateri, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) S/Shri Bhagat Singh, Jit Singh
S/o Shri Bhajan Singh
S/Shri Kesar Singh & Baljinder Singh
S/o Shri Hakam Singh
Shri Mohinder Singh S/o Shri Hakam Singh
all R/o V. Rajinder Nagar, Teh. Sirhind,
Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land—Khawat No. 31 & Kahtauni No. 64
(nd Khasia Nos. 25/21/2-5 K-2M 22/1-5K-2M, 35/1-OM,
2-8K-0, 9-8K, 10-8K, 11-8K, 12-8K, 19-8K, 36/4-8K, 20-
8K, 5-8K 6-8K, 7-8K, 14-8K, 15-8K, 16-8K, 17-8K, Total
135K-4 Marlas. Situated in V. Rajinder Nagar Teh. Sirhind
(Property as mentioned in the registered deed No. 676
of May, 1977 of the Registering officer, Sirhind.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13-1-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th January 1978

Ref. No. HMP/1/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 2 Kanals 5 Marla including One House situated at Hamirpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hamirpur in May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Satnam Singh Bedi ITO, Bhatinda & Shri Rajinder Singh Bedi, R/o Hamirpur.

(Transferor)

(2) (i) Smt. Damyanti Devi W/o Sh. O. P. Gupta
(ii) Sh. Madan Lal & Others S/o Sh. Lahori Ram C/o O. P. Gupta, Inspector Food & Civil Supply, Gandhi Chowk, Hamirpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Kanals 5 Marlas and One House, situated at Hamirpur.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 558 of May, 1977 of the Registering Officer, Hamirpur).

NATHU RAM

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 13-1-1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kanwar Kuber Singh
S/o Late Raja Bhagwant Singh
R/o Kulu (H.P.).

(Transferor)

(2) Simla Chandigarh Diocess Society
Bishop's House, Sector-19, A,
Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1978

Ref. No. KLU/1/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

A House known as Tarini Villas Guest House, Kulu situated at Kulu,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kulu in May, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House known as Tarini Villas Guest House situated at Kulu.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 189 of May, 1977 of the Registering Officer, Kulu).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-1-1978

Seal :

FORM IIINS**NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1978

R. S. No. LDH/42/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the competent authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 2500/- and bearing No. Building No. B-XV-992, measuring 316 sq. yds. situated at Dholewal, G.T. Road, Miller Ganj, Ludhiana, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s Guru Nanak Flat Works,
Miller Ganj, Ludhiana
through Shri Gajjan Singh,
S/o Shri Bishan Singh,
Miller Ganj, Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s Shri Ram Krishan Cycle Industries,
Miller Ganj, G.T. Road, Ludhiana,
through Shri Ram Krishan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. B-XV-992, measuring 316 sq. yds., situated at Dholewal, G.T. Road, Miller Ganj, Ludhiana.

(Property as mentioned in the registered deed No. 488 of May, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13-1-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Guljatu S/o Shri Ganda
R/o Moja Beli
Teh. & Distt. Roop Nagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Dalbara Singh S/o
Shri Chotta Singh
R/o Village Beli
Teh. & Distt. Roop Nagar.
2. Smt. Swaran Kaur W/o Dalbir Singh.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ludhiana, the 13th January 1978

Ref No. RPN 6/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition
Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 33 Bighas 15 Biswas Khewat or Khantuni
No. 105/256 Khasia No. 6 19/4 situated at V. Beli Teh &
Distt. Roop Nagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at

Roop Nagar in May 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land Measuring 33 Bighas 13 Biswas, Khewat or Khantuni
No 105/256 Khasia No 6 19/4 situated at Moji Beli Tehsil
Roop Nagar

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 537
of May, 1977, of the Registering Officer, Roop Nagar).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13-1-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Fej Mohammed
S/o Shri Manna
R/o V. Rai Pur, Khewatdar Maja Beli
Teh. & Distt. Roop Nagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1978

Ref. No. RPN/25/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 33 Bigha 16 Biswas Khewat & Khatauni No. 108/299 Khasra No. 619/2 situated at V. Beli Tehsil Roop Nagar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Roop Nagar in June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 33 Bigha, 16 Biswas Khewat Khatauni 108/299 Khasra No. 619/2 situated at Meja Beli Teh. Roopnagar.

Property as mentioned in the Registering Deed No. 1086 of June, 1977 of the Registering Officer, Roop Nagar).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-1-1978.

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Smt. Mohinder Kaur
Wd/o Shri Jagat Singh
S/o Shri Lal Singh,
R/o V. Patre Wala, Teh. Fazilka

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 19th January 1978

Ref. No. AP-81/BTI/77-78.—Whereas I, P. N. MALIK, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at V. Killianwali (FZL) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

(2) Shri Krishan Kumar
S/o Shri Brij Lal
S/o Shri Daulat Ram
R/o Bhatinda.

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.
[Persons whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 80 Kanals situated in village Killianwali, Teh. Fazilka as mentioned in sale deed No. 304 of May, 1977 registered with the S.R. Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 19-1-1978.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 19th January 1978

Ref. No. AP-80/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at V. Killianwali (FZL) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Mohinder Kaur
Wd/o Shri Jagat Singh
S/o Shri Lal Singh,
R/o V. Patre Wala, Teh. Fazilka
through Shri Baldev Singh
S/o Shri Jagat Singh
R/o V. Patre Wala, Teh. Fazilka
- (2) Shri Kushaldeep Singh Sandhu
S/o Shri Randhir Raj Singh
S/o Shri Nirajan Singh Sandhu,
R/o V. Patrewala now Sirsa (Haryana).
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property.
[Persons whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 80 Kanals situated in village Killianwali, Teh. Fazilka as mentioned in sale deed No. 303 of May, 1977 registered with the S.R. Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 19-1-1978.
Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 19th January 1978

Ref. No. AP-79/BTI/77-78.—Whereas, I, P.N. MALIK, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at V. Killianwali (FZL) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abhar on May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Mohinder Kaur
Wd/o Shri Jagat Singh
S/o Shri Lal Singh,
R/o V. Patre Wala, Teh. Fazilka
through Shri Baldev Singh
S/o Shri Jagat Singh, G.A.
V. Petre Wala, Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) Shri Amandeep Singh
S/o Shri Randhir Raj Singh
S/o Shri Niranjan Singh,
R/o Sirsa (Haryana).

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.
[Persons whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 82 Kanals 13 Marlas in village Killianwali, Teh. Fazilka as mentioned in sale deed No. 302 of May, 1977 registered with the Sub-Registrar, Abhar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-1-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 19th January 1978

Ref. No. AP-78/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at V. Killianwali (FZL) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Abohar on May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Mohinder Kaur
Wd/o Shri Jagat Singh
S/o Shri Lal Singh,
R/o V. Patre Wala, Teh. Fazilka
through Shri Baldev Singh
S/o Shri Jagat Singh, G.A.
R/o V. Patre Wala, Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) Smt. Jasmohan Kaur
W/o Shri Randhir Raj Singh
S/o Shri Niranjan Singh,
R/o Sirsa (Haryana).

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.
[Persons whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 80 Kanals 7 Marlas in village Killianwali, Teh. Fazilka as mentioned in registration deed No. 301 of May, 1977, registered with the S.R. Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Date : 19-1-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 19th January 1978

- (1) Smt. Mohinder Kaur
Wd/o Shri Jagat Singh
S/o Shri Lal Singh,
R/o V. Patre Wala, Teh. Fazilka
through Shri Baldev Singh
S/o Shri Jagat Singh
R/o V. Patre Wala, Teh. Fazilka.

(Transferor)

- (2) Shri Gurcharan Singh
S/o Shri Chuhar Singh
S/o Shri Dharam Singh,
R/o Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

- (4) Anybody interested in the property.
[Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 94 Kanals 16 marlas situated
in village Killianwali, Teh. Fazilka as mentioned in sale
deed No. 306 of May, 1977 registered with the S.R. Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 19-1-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Sec-
tion (1) of Section 269D of the Said Act to the following
persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Mohinder Kaur
Wd/o Shri Jagat Singh
S/o Shri Lal Singh,
R/o V. Patre Wala, Tch. Fazilka

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Gurbux Singh
S/o Shri Gian Singh
S/o Shri Gulab Singh
R/o Bhatinda.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
(4) Anybody interested in the property.
[Persons whom the undersigned knows to be interested in the property]

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhatinda, the 19th January 1978

Ref. No. AP-82/BTI/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at V. Killianwali (FZL) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 84 Kanals 1 Marla situated in village Killianwali, Teh. Fazilka as mentioned in sale Deed No. 305 of May, 1977 registered with the S.R. Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 19-1-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS —————

(1) Mrs. Parkash Kaur
W/o Shri Kuldip Singh
R/o 33-R, Model Town, Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) M/s Diamond Rubber Industries,
Basti Sheikh Road,
Jullundur City.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.
[Persons whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Jullundur, the 17th January 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 704 of May, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely : —

Date : 17-1-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Swaran Singh
S/o Shri Mehar Chand
R/o Jandiala, Teh. Phillaur.

(Transferor)

(2) Shri Khushal Singh
S/o Shri Munsha Singh
R/o Paragpur, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
(4) Anybody interested in the property.
[Persons whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 1752 of June, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date : 17-1-1978.

Seal :

FORM ITNS —

(1) Shri Gurnam Singh
S/o Shri Lehna Singh
R/o Dhanal, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Inder Singh adopted S/o
Shri Kesar Singh
S/o Shri Tulsa Singh
R/o Guru Nanak Nagar, Jullundur City.

(Transeree)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.
[Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No
No. 1983 of June, 1977 of the Registering Authority
Jullundur City.

B. S. DEHIYA
Acquisition Range, Jullundur.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Date : 17-1-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
6—446GI/77

FORM ITNS

(1) Shri Mahesh Kumar
S/o Shri Shanker Dass
R/o M-40 Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Darshan Kumari Mehta
W/o Shri S. K. Mehta
R/o 11-B Jawahar Nagar, Delhi-7.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

**OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI**

New Delhi-110001, the 11th January 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/1289/77-78.—Whereas, I, N. S. CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F-14 situated at Bali Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 20-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

A single storied house constructed on a free-hold plot of land bearing No. 14 in Block F measuring 200 sq. yds. situated at Bali Nagar, New Delhi and bounded as under :—

North : Service Lane
South : Road
East : Plot No. F-13
West : Plot No. F-15

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

N. S. CHOPRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-1-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFAI ROAD, NEW DELHI**

New Delhi-110001, the 11th January 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/1290/77-78.—Whereas, I, N. S. CHOPRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/2 share of 2919-22 situated at Bahadurgarh Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Delhi on 28-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) (i) Shri Banwari Lal
S/o Late Shri Mool Chand Gupta
R/o H-74 Kirti Nagar, New Delhi.
- (ii) Shri Sardari Lal Gupta
S/o Late Shri Mool Chand Gupta
R/o 80-82 Nagdevi Street, Bombay
through his Attorney Shri Banwari Lal Gupta
S/o Late Shri Mool Chand Gupta
- (iii) Shri Gulzari Lal Gupta
S/o Late Shri Mool Chand Gupta
through his attorney Sh. Banwari Lal Gupta
S/o Late Shri Mool Chand Gupta
(Transferor)
- (2) (i) Mr. Mohd. Shakeel
S/o Shri Dost Mohd.
R/o 7373 near Basti Gurdwara,
Quresh Nagar, Qasab Pura, Delhi.
- (ii) Mst. Zeenat Begum
W/o Shri Dost Mohd.
R/o 7373 Near Basti Gurdwara, Quresh Nagar
Qasab pura, Delhi.
- (iii) Mst. Jamila Begum
W/o Shri Nur Mohd.
R/o 5454 Basti Harphool Singh,
Sadar Bazar, Delhi.
(Transferee)
- (3) (i) Shri Tara Chand
(ii) Shri N. D. George
(iii) M/s Hind Leather Stores
(iv) Shri Nur Mohd.
(v) M/s Roshan Lal Madan Lal
(vi) Shri Gopal Dass,

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of a double storeyed building constructed on a plot of land measuring 200 sq. yds bearing No. 2919-22 Bahadurgarh Road, Sadar Bazar, Delhi and bounded as under :—

East : Property owned by M/s Delhi Skin Trading Co.
West : Phoota Road
North : Teliwara Road
South : Property of Rui Mandi and New Safe Carriers.

N. S. CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 11-1-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 16th January 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/1291/77-78.—Whereas, I, N. S. CHOPRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F-14/5 situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 16-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gopal Krishan
S/o Shri Bhagwan Dass
2. Smt. Krishan Dulari
W/o Shri Gopal Krishan
R/o F-14/5 Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Manohar Lal Batra
S/o Shri Jiwand Ram Batra
R/o 6015-32 UA Jawahar Nagar, Delhi-7.

(Transferor)

(3) Shri Tigee Phoues
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storied house built on a free-hold plot of land bearing Plot No. 5 in Block F-14 measuring 190 sq. yds. situated in the Colony known as Model Town, Delhi & bounded as under :—

North : Road
South : Road
East : Property No. F-14/4
West : Lane

N. S. CHOPRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 16-1-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 16th January 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/1292/77-78.—Whereas, I, N. S. CHOPRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1865 situated at Khari Baoli, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 8-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kailashwati
W/o Late Shri Bishan Chand
2. Shri Shiv Kumar
S/o Shri Bishan Chand
R/o 1879, Kucha Chela, Khari Baoli,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sita Ram
adopted S/o Shri Fakir Chand
R/o 1865, Khari Baoli, Delhi.

(Transferee)

(3) Shri Sita Ram

{Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed house built on a plot of land measuring 30½ sq. yds bearing No. 1865 situated at Main Khari Baoli Delhi.

N. S. CHOPRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 16-1-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Mahan Singh
S/o Shri Arjan Singh
R/o 60, Lawrence Road, Amritsar.

(Transferee)

(2) Shri Swaran Singh
S/o Shri Sher Singh,
Vill. Talwandi Dogran, Teh. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 4th January 1978

Ref. No. ASR/49/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL,

IRS.
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land situated at Lawrence Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City Amritsar in May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

A plot of land 415 Sq. yds Lawrence Road, Amritsar as mentioned in the regd. deed No. 506 of May, 1977 of Registering Authority, City—Amritsar.

S. K. GOYAL (IRS)
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-1,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 4-1-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th January 1978

Ref. No. ASR/77-78/50.—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 66 situated at Joshi Colony Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City ASR. in May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kumari Kapur
W/o Shri Chiman Lal
R/o No. 3 Mall Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Ved Parkash
S/o Shri Ganjan Ram
R/o I/s Hall Gate, Kt. Parja, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 66 Joshi Colony Amritsar as mentioned in the regd. deed No. 655 of May 1977 of Registering Authority Amritsar City.

S. K. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 7-1-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th January 1978

Ref. No. ASR/51/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H/No. 355/XII-3 & 304/XII-3-MCA No. 106/XII, Khana Samari situated at Kt. & Lucha Misser Beli Ram, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City Amritsar in May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for moneys or other assets which have not been or (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

(1) Shri Roshal Lal
S/o Shri Ganga Bishan
Shri Sat Pal, Bishwa Nath
Ss/o Shri Ganga Bishan
Shri Faqir Chand
S/o Shri Ganga Bishan Khanna
Shri Ram Parkash Khanna
Shri Narain Dass Khanna
through Shri Sardar Lal Sachdeva, Advocate,
Amritsar.

(Transferor)

(2) S/Shri Baldev Raj, Kewal Krishan
S/o Shri Sita Ram,
H. No. 355/XII-3 & 304/XII-3/MCA/106/XII,
Khana Samari, Kt. & Kucha Misser Beli Ram,
I/s Hathi Gate, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

II. No. 355/XII-3 & 304/XII-3 MCA/106/12 Khana Samari, Kt & Kucha Misser Beli Ram, I/s Hathi Gate, Amritsar as mentioned in the Registered deed No. 645 of May, 1977 of Registering Authority City Amritsar.

S. K. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 10-1-1978.

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Dr. Chandulal Ambalal Thakkar,
Mani Bhuvan,
Karansinghji Road, Rajkot.

(Transferors)

(2) Smt. Savitaben Babulal Thakkar,
Jalarum Nivas, 2, Jaganath Plot, Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380 009, the 5th January 1978

Ref. No. Acq.23-J-1300(624)/16-6/77-78.—Whereas, I,
S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Jagnath Plot Sheri No. 2, Street No. 2, situated at Jagnath
Plot, Rajkot,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Rajkot on 24-5-1977
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 360 sq. yards
bearing Jagnath Plot Sheri No. 2, situated at Street No. 2,
Jagnath Plot, Rajkot and as fully described in the sale-deed
registered vide Regn. No. 1117 dated 24-5-1977.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—
17—446GI/77

Date : 5-1-1978.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 12th January 1978

Ref. No. P.R. No. 540 Acq.23-949/19-8/77-78.—
Whereas, I, D. C. GOYEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 1902 to 1905 of Ward No. 12, Surat situated at Rajawadi Saiyedpura, Surat

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 24-5-1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Aminabibi Suleman Nathathi of South Africa
Power of Attorney Holder:
Ahmed Ibrahim Sheith;
At Baleswer, Tal. Palsana,
Dist. Surat.

(Transferor)

(2) 1. Shri Ahmed Doud Dedit;
2. Shri Ayesha Doud Dedit;
Resi. Motamiya, Mangrol, Dist. Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 7, Nondh No. 1902 to 1905 situated at Rampura, Surat admeasuring sq. mets 30, 10, 7, 10, 86, 97, 27, 59, 23, 10, 93 & 36 as described in the sale-deed registered under registration No. 906 registered in the month of May, 1977 by the registering Officer, Surat.

D. C. GOYEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 12-1-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Satish Manubhai Desai;
C/o Manubhai Shankarbhai Desai;
91, Kunj Society, Baroda-5.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Sumanlal Ramanlal Shah;
2. Vidyugauri Sumanlal Shah;
Parsan Coop Housing Society Ltd.,
R. V. Desai Road, Baroda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 12th January 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. P.R. No. 543 Acq.23-1008/6-1/77-78.—
Whereas, I, D. C. GOEL
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Open land, Baroda Kasba S. No. 532/36 Plot No. 35 situated at Behind Alkapuri Shopping Centre, Vishwas Colony, Race Course Road, Baroda, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Open land bearing S. No. 532/36 Plot No. 35 situated behind Alkapuri Shopping Centre, Vishwas Colony, Race Course Road, Baroda admeasuring 515 sq mts. as described in the sale-deed registered under registration No. 865 in the month of May, 1977 by Registering Officer, Baroda.

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-1-1978.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. A. M. Patel & Co.
205, Yashkamal Bldg.,
Station Road, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Pramilaben Madhubhai Amin;
Kothi, Char Rasta, Baroda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 12th January 1978

Ref. No. P.R. No. 544 Acq 23-1009/6-1/77-78.—

Whereas, I, D. C. GOYEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One Flat No. 4-D situated at Alkapuri Shopping Centre, Vishwas Colony, R.C. Road, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda in May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property being Flat No. 4-D, situated at Alkapuri Shopping Centre, Vishwas Colony, R. C. Road, Baroda admeasuring 1120 sq. ft. as described in the sale-deed registered under registration No. 989 in the month of May, 1977 by registering Officer, Baroda.

D. C. GOYEL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Date : 12-1-1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. A. M. Patel & Co.
205, Yashkamal Bldg.,
Station Road, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(D) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 12th January 1978

Ref. No. P.R. No. 545 Acq.23-1010/6-1/77-78.—
Whereas, I, D. C. GOEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

One Flat No. 4-C, situated at Alkapuri Shopping Centre, Vishwas Colony, R.C. Road, Baroda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in May, 1977
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Madhubhai Jasbhai Amin;
'Tripti', Kothi Chai Rasta, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Immovable property being Flat No. 4-C, situated at Alkapuri Shopping Centre Vishwas Colony, Race Course Road, Baroda admeasuring 1120 sq. ft. as described in the sale-deed registered under registration No. 990 in the month of May, 1977 by registering Officer, Baroda.

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-1-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Maharaja Manbendra Shah; &
Maharaj Kumar Shardul Bikram Shah.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Shri Sheo Narain Sahu,
Managing Director,
Sahu Investment Co., Lucknow.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th December 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building known as Plaza Talkies now Filmistan Cinema, No. 31/60, Mahatma Gandhi Marg, Lucknow.

Total area 9807 sft including plant, machinery etc.

And all that which is entered in the sale deed and Form 37G of No. 1626 dated 20-5-77 registered in the office of the Sub Registrar, Lucknow.

(a) facilitating the reduction or exasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Abdul Ahad.

(Transferor)

(2) Shri Fazal Illahi

(Transferees)

(3) Shri Abdul Ahad.

[Person in occupation of the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 9th January 1978

Ref. No. GIR No. 4-F/Acq.Whreas, I,
AMAR SINGH BISEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One house, including shops situated at Kasdi Tola, Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 24-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

One house including two shops situate at Mohalla Kasdi Tola, Moradabad and all that which is entered in Form 37G of No. 1210/77 duly entered in the Office of the Sub Registrar, Moradabad on 24-5-1977 and also in the sale deed.

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 9-1-1978

Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 12th January 1978

Ref. No. 11-0/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

'Rosa Sugar Works' situated at Villages Chaudhera Ghungharia & Rausar, Dist. Shahjahanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shahjahanpur on 29-5-1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s Carew & Co. Ltd.
No. 6, Old Court House Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) The Oudh Sugar Mills Ltd.
Industry House, 159 Churchgate Reclamation,
Bombay-400 020.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Rosa Sugar Works situate at Villages Chaudhera Ghungharia and Rausar. The sale covers the following items :

- (i) All building, staff quarters, shed, structures, bungalows, offices etc.
- (ii) Factory land measuring 24.30 Acres.
- (iii) All immovable plants, electrical installations, tube-wells, boilers, machineries of all other types lying at the site of the factory.
- (iv) Movable plants, machineries, tools and articles.

And all details as mentioned in Form 37G of No. 1588/77 dated 27th day of May, 1977 and admitted for registration on 29-5-1977 by the Sub Registrar Office, Shahjahanpur and as per details given in the Schedule of the sale deed.

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 12-1-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Husnjahe Begum

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Dilshad Husain

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 12th January 1978

Ref. No. GIR No. D-28/Acq.—Whereas, I,
AMAR SINGH BISEN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
House No. 199/196 situated at Wazirganj, Faizabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per the registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Faizabad on 16-5-1977
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons whichever
period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house bearing No. 199/196 measuring
4602 Sft Situate at Wazirganj, Faizabad.

And all that which is entered in Form 37G of No. 761/3
dated 16-5-77 and in the sale deed duly registered in the
office of the Sub Registrar, Faizabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
18-446GI/77

Date : 12-1-1978.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Arun Kumar Chatterjee
B-255, Lake Town, Calcutta.
(Transferor)
- (2) Shri Dinesh Chandra Chattopadhyay
Bankim Chandra Chatterjee—all of
1/1, Brindaban Mullick Lane, Calcutta.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
54, RAJI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-16, the 20th December 1977

Ref. No. 397/Acq.R-JH/77-78/Cal.—Whereas, I, KISHORE SEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/1, situated at Brindaban Mullick Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 13-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (4) Smt. Gouri Debi
Sri Pradip Kumar Chatterjee
Shri Sandip Kumar Chatterjee—all of
808, Lake Town, 'A' Block, Calcutta.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one fourth share of the property at 1/1, Brindaban Mullick Lane, Calcutta measuring five cottahs two chitticks of land together with a three storeyed building which was registered under Deed No. 2098 of 1977 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

KISHORE SEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54, Raji Ahmed Kidwai Road (3rd floor)
Calcutta-16.

Date 20-12-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Gouri Debi
 Sri Pradip Kr. Chatterjee
 Sri Sandip Kr. Chatterjee—all of
 808, Lake Town, 'A' Block, Calcutta.

(2) Shri Dinesh Chandra Chattopadhyay
 Bankim Chandra Chatterjee—all of
 1/1, Brindaban Mullick Lane, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-16, the 20th December 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 398/Acq-R-III/77-78.—Whereas, I, KISHORE SEN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/1, situated at Brindaban Mullick Lane, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

THE SCHEDULE

Undivided one fourth share of the property at 1/1, Brindaban Mullick Lane, Calcutta measuring five cottahs two chittacks of land together with a three storied building which was registered under Deed No. 2099 of 1977 before the registrar of Assurances, Calcutta.

KISHORE SEN
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III,
 54 Rafi Ahmed Kdhai Road (3rd floor)
 Calcutta-16.

Date : 20-12-1977

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KAKINADA**

Kakinada, the 30th December 1977

Ref. No. Acq. F. No. 539.—Whereas, I, N. K. Nagarajan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

22-1-16 situated at Changalraopet,
Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 5-5-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S/Shri

- (1) (1) Pandurangi Kodandaramarao,
- (2) P. Sreenivasa Narasingharao,
- (3) P. Muralikrishna,
Minor by guardian father
P. Kodandarama Rao,
Cooperative Colony, Near Sankar Mathem,
Visakhapatnam-4.

(Transferor)

- (2) Shri Kodukula Venkata Subrahmanyam,
12-1-16, Agraharam St.,
Changalraopeta,
Vizag-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1189/77 registered before the Sub-registrar, Visakhapatnam during the fortnight ended on 15-5-1977.

N. K. NAGARAJAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 30-12-77

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Gade Suramma,
W/o Late Sambasivarao,
Prakasam St., Three Lights Junction Ramaraopeta,
Kakinada.

(Transferor)

S/Shri
(2) (1) K. Subrahmanyam,
(2) K. Laxmi Narasimhamurty,
Door No. 11-1-10, Nookalamma St.
Ramaraopeta,
Kakinada.

(Transferee)

Office of the Inspecting Asstt. Commissioner
of Income-tax,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 30th December 1977

Ref. No. Acq. F. No. 540.—Whereas, I, N. K. Nagarajan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11-1-10 situated at Ramaraopeta, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on 20-5-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The schedule property as per registered document No. 2083/77 registered before the Sub-registrar, Kakinada during the fortnight ended on 31-5-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 30-12-77
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KAKINADA**

Kakinada, the 5th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 541.—Whereas, I, N. K. Nagarajan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

TS No. 12 situated at Lalapeta, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 20-5-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s Boorugu Viswanadham Bros.,
Represented by Sri B. Suryaprakash Rao,
S/o Onkarayya, James St.
Cloth Bazar, Secunderabad.

(Transferor)

(2) (1) S/Shri Gurijala Sambasivarao,
S/o Punnayya,
(2) Gurijala Venkateswararao,
S/o Punnayya,
Central Cafe, Near Jinnah Tower,
Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2344/77 registered before the Sub-registrar, Guntur during the fortnight ended 31-5-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-1-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Boorugu Viswanadham Bros.,
Represented by Partner
Sri B. Rajeswara Rao,
S/o Jagadesswaraiah,
James St., Clothe Bazar,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) (1) Shri Surijala Samasivaraao,
S/o Punnayya,
(2) Shri Gurijala Venkateswararao,
S/o Punnayya,
Central Cafe, Near Jinnah Tower,
Guntur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 5th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 542.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

T.S. No. 12 situated at Lalapeta, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Guntur on 20-5-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2390/77 registered before the Sub-registrar, Guntur during the Fortnight ended on 31-5-77.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 5-1-78
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) (1) Shri Gogineni Veera Vara Prasad,
S/o Gopalaraao,
(2) Smt. Gogineni Rajyalaxmi,
W/o V. V. Prasad,
Battiprolu (P.O.), Repalli Tq.
(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Shri Kodali Rama Mohan Rao,
S/o Subba Rao,
Gudavalli (P.O.), Repalli Tq.,
Guntur Dist.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 5th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 543.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6/26 situated at Ashram Bazar, Gudavalli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Cherukupalli on 30-5-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 376 registered before the Sub-registrar, Cherukupalli during the fortnight ended on 30-5-77.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-1-78
Seal.

FORM ITNS

(1) Shri Kalluri Anjaneyulu,
S/o Brahmaiah,
Partner M/s. Jalluri Pullaiah & Co.,
Kaleswararao Market,
Vijayawada-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA**

(2) Sri Gadde Mangaiah,
S/o Tirupataiah,
3/5172, Krishnanagar, Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Kakinada, the 5th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 544.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-4-132 B situated at Chandramoulinagar, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 5-5-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2004/77 registered before the Sub-registrar, Guntur during the fortnight ended on 15-5-1977

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-1-78

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th January 1978

Ref. No. Acq. F. N. 561.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of Section 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing 15/Now Machayaram Ward 8/100th in Sri Venkatachari Lakshmi Talkies, Machilipatnam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Machilipatnam on May 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. K. Sreramulu
2. K. Venkatagangadhar Prasadaraao
3. K. Venkatakrishna Satyanarayana Simharao
M/G. K. Sreramulu
C/o Sri Venkatahari Lakshmi Talkies, Machilipatnam.

(Transferor)

(2) Palakurthy Lakshmi Pandurangarao,
S/o Lakshmi Ganapathy Rao,
C/o Sri Venka Hari Lakshmi Talkies, Machilipatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

The scheduled property as detailed in the document No. 1325/77 registered with Sub-registrar, Machilipatnam during the fortnight ended on 31-5-1977 including machinery.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 27-12-1977
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KAKINADA**

- (1) (1) Kollipara Sreeramulu
 (2) K. Venkatagangadharaprasadarao
 (3) K. Venkata Krishnasalyanarsimharao,
 M/G.K. Sreeramulu,
 C/o Venkata Hari Lakshmi Talkies,
 Machilipatnam.

(Transferor)

- (2) Palakurthy Andalamma
 W/o Lakshmi Kantharao
 C/o Sri Venkata Hari Lakshmi Talkies,
 Machilipatnam.

(Transferee)

Kakinada, the 9th January 1978

Ref. No. Acq. F. N. 561.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15/Now Machuyaram Ward 8/100th in Sri Venkatachari Lakshmi Talkies, Machilipatnam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Machilipatnam on May 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The scheduled property as detailed in the document No. 1326/77 registered with Sub-registrar, Machilipatnam during the fortnight ended on 31-5-1977 including machinery.

N. K. NAGARAJAN
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 9-1-1978

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES'

EXAMINATION, 1978

New Delhi, the 4th February, 1978

No. F.5/3/77-EI(B).—An examination for selection of candidates for appointment as Special Class Apprentices in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, JAMMU, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATIALA, PATNA, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR AND TRIVANDRUM commencing on the 20th June, 1978 in accordance with the Rules published by the Ministry of Railways (Railway Board) in the Gazette of India dated the 4th February, 1978.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure para 11).

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of the examination is 10. This number is liable to alteration.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. *This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.*

NOTE 1.—Requests for supply of application form and full particulars of the examination by post must reach the office of the Commission before 13th March, 1978. However, the forms may be had personally from the counter in the office of the Commission upto 20th March, 1978.

NOTE 2.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES' EXAMINATION, 1978. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES' EXAMINATION, 1978, WILL NOT BE ENTERTAINED.

4. The completed application form must reach the Secretary Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 on or before the 20th March, 1978, (3rd April, 1978, in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 20th March, 1978) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 20th March, 1978.

5. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 36.00 (Rs. 9.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, or credit to the account head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 6 BELOW.

6. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A refund of Rs. 21.00 (Rs. 5.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note II below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

8. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

R. S. GOELA, Dy. Secy.
Union Public Service Commission.

ANNEXURE

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATES MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERAINED.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate

forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to obtain the permission of Head of their Office/Department before they are finally admitted to the examination. They should send their applications direct to the Commission after detaching the 2 copies of the form of certificate attached at the end of the application form and submit the said forms of certificate immediately to their Head of Office/Department with the request that one copy of the form of certificate duly completed may be forwarded to the Secretary, Union Public Service Commission, New Delhi as early as possible and in any case not later than the date specified in the form of certificate.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See para 5 of Notice).
- (ii) Attested/certified copy of certificate of Age.
- (iii) Attested/certified copy of certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Statement in the candidate's own handwriting and duly signed giving a short narrative of his career at school and college and mentioning both his educational and sports success.
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable. (See para 4 below).
- (vii) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission where applicable (See paras 5 and 6 below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (iii), (vi), and (vii) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION IS LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF AUGUST, 1978. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF THE PERSONALITY TEST. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES, WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (vi) and (vii) are given in paras 4, 5 and 6 :—

(i) (a) *CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee*—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) *CROSSED Bank Draft for the prescribed fee*—

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Draft will also not be accepted.

(ii) *Certificate of Age*.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University.

A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational qualification*.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (*i.e.* University or other examining body) awarding the particular qualifications. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the intermediate or any other qualifying examination submitted by a candidate in support of his educational qualification does not indicate all the subjects passed, an attested/certified copy of a certificate from the Principal showing that he has passed the qualifying examination with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry must be submitted.

A candidate whose case is covered by Rule 6(b) or Rule 6(c) must submit an attested/certified copy of a certificate

in the form prescribed below, from the Registrar of the University/Principal of the College/Head of the Institution concerned, as proof of the educational qualification possessed by him.

The form of certificate to be produced by the candidate.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* son/daughter* of Shri is/was* a bona-fide student of this University/College/Institution*

2. He/she* has passed the first year examination under the three year degree course/first year examination of the five year Engineering Degree Course/first Examination of the three year diploma course in Rural Services of the National Council for Rural Higher Education* and is not required to reappear in any of the subjects prescribed for the first year.

Or

He/she* has passed in..... division the first/second* year examination of the three year degree course/first year examination under the five year Engineering Degree Course* conducted by the University of.....

3. @ He/she* was examined in the following subjects :

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

@Not applicable to those studying for the five year degree course in Engineering.

(Signature of the Registrar/Principal)
(Name of the University/College/Institution*)

Date.....

Place.....

"Strike out whichever is not applicable.

A candidate covered by Note 1 below Rule 6 must submit an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Headmaster of the institution from where he passed the examination showing that his aggregate of marks falls within the range of marks for first or second division as prescribed by the University/Board.

NOTE.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to this examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates must, however, submit an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Principal of the College/Institution concerned. They will be admitted to this examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than 15th July, 1978.

A candidate thus admitted is required to submit the proof of passing the qualifying examination by the above time limit, whether he qualifies or not at the written part of this examination. If he fails to comply with this instruction his candidature will be cancelled and he will not be entitled to know the result.

The form of certificate to be produced by the candidate.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* son/daughter* of is expected to appear/has appeared* at Examination conducted by in the month of 19 with the following subjects—

- (i)
- (ii)

- (iii)
- (iv)
- (v)

(Signature of Principal)

(Name of the College/Institution*)

Date.....

Place.....

"Strike out whichever is not applicable.

(iv) *Two copies of photographs.*—A candidate must submit two identical copies of recent passport size (5 cm X 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraphs 3(ii), 3(iii), 3(iv) and 3(v) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office [except as provided for in Note under paragraph 3(iii) above] within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or, the Sub-Divisional Officer or any other officer as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily concerned as competent to issue such a certificate; if namely reside, who has been designated by the State Government both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri /Shrimati/Kumari* son/daughter* of of village/town* in District/Division* of the State/Union Territory* belongs to the Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under :— the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands)

Scheduled Tribes Order, 1959*

as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli)

Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli)

Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled

Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar

Pradesh) Order, 1967*

the constitution (Goa, Daman and Diu)

Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu)

Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes

Order, 1970*

2. Shri/Shrimati/Kumari* and/or* his/her* family ordinarily reside(s) in village/town* of District/Division* of the State/Union Territory* of.....

Signature.....

**Designation,
(with seal of office)

Place.....

Date.....

State*

Union Territory

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)", used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates :

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 5 (b)(ii) or 5(b)(iii) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 :—

(1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;

(2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;

(3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;

(4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(ii) A repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(b)(iv) or 5(b)(v) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(b)(vi) or 5(b)(vli) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(iv) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 5(b)(viii) or 5(b)(ix) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director General Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Service in operations during hostilities with any foreign country or in disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of the certificate to be produced by the candidate :—

Certified that Rank No. Shri of Unit was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature

Designation

Date

*Strike out whichever is not applicable.

(v) A candidate disabled while in the Border Security Force, claiming age concession under Rule 5(b)(x) or (5(b)(xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate :—

Certified that Rank No. Shri of Unit was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature

Designation

Date

(vi) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 5(b)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.

6. A candidate belonging to any of the categories referred to para 5(i), (ii) and (iii) above and seeking remission of the fee under paragraph 6 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility if required, should apply to the Government of India, Ministry of Railways (Railway Board), for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with the provision will deprive the candidate of any claim to consideration,

12. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines Delhi (110054), and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale Counters of the Publication Branch, Udyog Bhavan, New Delhi-110001 and Office of the Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets, are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

13. Communications Regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED. IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.